A.C. Joshi Library
P.U. Chandigarh

MSS No. 438 Subject Kavya

Name of MSS Sadee Barchhi Salongka Ki Vartan

Author Kavi Rai

Period Folios 249

Script Devnagiri Source Bala Sahai Shastri, Alwar, Rajasthan

Missing Folios

ब्रच्छी साले गया की वारता ॥
बिरजलाल राजगढ़ी ने चुन्नी
लाल भट्ट से बुद्धवार, ५ कार्त्तिक
कृष्ण पक्ष, १९०४ वि० १८५८ ई० को
लि०
१२२ पत्रक ॥ ल० ३० १६ पं० प्र० पृ०

ह० लो०

२	५	६
3	१०	0
४	६	[illegible]

॥श्रीरांमजी॥ (92) 438

ब्रद्धीसाल ग्या की वारता 1

श्रीगणेसायनमः श्रीरांमनुजः [illegible] ध्यादामोधुजीस लाय

गजराम्भरं पीतकुसुमजवळं कर्पूरगौरं सा
सः पक्षुहीतं नस्रसा श्रावितगाद्रीहिनमा
श्रीड्डीर हैन श्रासः पूलि॥ पक्षपूलि
मक्कुहं उः जात ह रठे कुं श्र यात मद्धी
वाः श्रीग श्राय नाम पंचः दोहा
दद सुतडानि वेदसमातिसतडोव
चपजीफल मा परा कक्षाकुमा

त्रंसपूर्क्स कवित

करमप्रतापतुरंगनचावतकरमजोछत्र पतीपद सहोइः
करमसेंपुत्रसपूतवदात करम डजे कुजानहीकोइः करम
फीरसोजिदराव एक्ड्रोसा नेकोलंक थडीम मेंचोइः
नमोरभजाइंवहाकहरुद्रकारमझेरसोडारवहीं

॥श्रीरामजी॥

2

॥श्रीरामजी ज्ञासा पुस्तक राष माल बीखवा मा
नो बीसा लोजतो ज़ै। ची चैर न चार किता
रत्न तीते नालं ब ब प न त ले बैराणी
य ट ना चै मार न ट की दो बीद्यु नाधि
ना ह्री मस रं डा मुदु रा कै लि धे नी रु डा
व तो वै श्र वो ॥९॥ कवित दोहा

कंचनलतासीकामनी कटकाहेसुछीनः कांदकीकंचनकंप
टिकीकरचुंनूरनकोदीनः रजोपरचुकंचनकहांनेनीस्था
मचरनवधुकोनः जोबनकलेसमेगणकोमहोरछोपुरदीनः
रघुरजीराए प्रवीनकोसुएग्ज्योसाहजगनः श्रीठीयातलह
नपेंकहकाधाकेस्यानः कुःलहतनैचंगीहोनहैंजानवसबको
पुःनुकबालबागरीहै्रीपहीअनुभामीहः कःसुरघुरजीलिउन
गपुरंनपानेसबबसकीनः अबवसिकरवेपातालक
उलटिपषानोकीनः नःनामुकाहिपेपीबुत्तासुकछुनहुःरुःकुः
पीबमांगेज्योजीवुगोहनमेननिकानरणःबुःहुःकेरकोमलक
चकाहिनहैपीवुझेपकरनुहेयाःपुःममेरमनमङरीमनज्ञानि
पारहीजाःपुः दवाई छलाकी ः छोटीइलाईची कलमी
सोरा रवत चुनीसी लछामीर चुःअकलकार ईनुी
वारीकपीसकैरगोलीवहैगलेज्योबगोलीबुरलालह
टोकाउ । को मु॰ ॥ मुर ॥७छ

श्रीरामः

3

दोहा ।। गौरि ससभूषि. बायक मा धन दंडचषाय:
पारलगां कुं पालिकमैं मोननबल बछजा.यः
द-।।मव।दि।मा-ई नवमवसं १८९८

दोहा रूप सिंधुस वबं घुलरवहर घाउठीरुनवा
सः करहिं निछा.बरिआरतीम्हामुदितमन
मासः ।।१।।

का वित्त: ।मितमधु मौवेली मोद मोगरे सौं मान केवड़े
कपुर न केलीथल वेली कीः नेह नानि बार जो हैं निज्ञारी छ
थका हू रंग थ वेली रस केंवन रसलइ वेली कीः कुंदन सौं कालक
रलीकौन कौ कमल सो न नाथ मेत्रा नरजी सेवती नवेली कीः
नारग रोचेल यन लाई कौ न नाव न बरउंज मरी निं धो सेह
सगत चमेली की ॥ ७ ॥ =
निरतो वीचि व्रसालरस हात नाही भूषन सु हान न ।
अनेक अलु वेली सोः कन्हवी रस रस वनस हा ॥
स्यामानंदित रसरंग नवी सेली कोः
अलिकु ही रामु रस रंग न सुहान हैं रगान सु हानु रसहर ।
नहु सिली सौः डाजरनु साज ना सुहानु गजरगनुहै
विमुनसु हानी जिन व्रसाल सेली सौः श्री मजा नुप्या
री विन मारी ना सुहान अनुगारी न लोग पों मनु मान
कनु वेली सौ ः ॥ ९ ॥ अथ दोहा ः नागनी राम घुत ।
रंगा निपुन सौ वर ॥

श्रीरामजी

5 दोहा

१ श्री गणेक पद मानु करन बाजसीन ल भाए
छोलाजी जालो दीपो मारु उरे जम्बाव:
२ चीता लंकी मारवी छोलो मन मछनाए:
जैमारुनें रसरली पातीलं कादट मुरजाए:
रमि रमि पाव निसंबु रमे मन मोनै मन न्द्राहु
मुम ली लाज कावाणि जु मन न माने ज्यू नाए

॥श्रीगणेशायनमः॥अथसदेवछीसालं
गाकीबारतालिष्यते॥१॥राजासालि
बाहनः॥अटकसहरः॥नीलाबनदीकु
वेः॥जीकैबेटासातः॥जैठैराजाराजकरे
कवरदोइजांमैतासदेवछीलैरोडोः
कवरच्यारिजणांसुंबडो॥कवरजीकी
उमरीबरस॥२१इकइसमेंछेः॥कवर
जीकीसूरतीहरजीजीकीसीकीरणीदी
पैछेः॥कवरजीसुरबीरछत्रीछैः॥वांहक
नैसातवीसउमरावांकाबेटाचाकीनेरहैछैं
आयणसवाराकीचाकीसातबीसदीछैः॥
ज्यांह्वकीउमरिबरसपचीसकेतलेले॥अखी
सकेउपरिः॥औरसहरबीरसावंतकांनेरहैछ
छेः॥एकदीनीभादवाकोमहीनोछोः॥दीन
कीउगालकवरजीदरीयावपानेआणव

आछी: ॥ औरमेहकीबूदपडैछी: ॥ अरक
जीदोहाकह्यो ॥ दोहा ॥ भादुमासमसुहाव
णा: ॥ बरषतसुधरीबूंद: ॥ षेलणदिनसी
कारको: ॥ देषणबागसुगंध: ॥ वारता ॥:
अरकदीआजिनासीकारनेचढिजे: ॥ ज
दीर्मेमरावंदोहाकह्यो: ॥ दोहा ॥ चीताना
हरमृगहर: ॥ मवआयावनमांहि: ॥ याव
रियाजसीकारकी: ॥ बीलमनकीजेजी
नांहि: ॥ जदिसांरेहीमाथिकह्यो: ॥ भला
पुरमाईश ॥ जदिकवरजीमाहणीनेका
ह्यो: ॥ सातवीसघोडाउपरि: ॥ लालपीर
तकालीकीजातिकाजीनवणावो: ॥ अ
रलालकोरडाहजुरिल्यावो: ॥ जदिसा
हणीदोहाकह्यो: ॥ दोहा ॥ कुंकडीकंधा
अवलषा: ॥ घाटीऔरयंधार: ॥ कीमजा

॥ १ ॥

ल्याउंकवरजी:॥ बंधीयालापडुवारि:॥ ज
द्दिकरजीदोदोकह्यो॥ दोहा॥ चीतानाद
रष्वगोने:॥ मोरएदगणीडाणी:॥ लालरसु
रंगषधारिका:॥ ल्यावोवेगिपलाणि:॥ ज
द्दिलालघोडाउपरि:॥ लालपीरतकाली
कीजातिकाजीनवणाईहजुरिल्यावो
जेठापाछैतासाषसीनेफुरमाई॥ लाल
कसुंभलसातवीस:॥ बडमोलकाल्या
वो:॥ जद्दितासाषसीदोदोकह्यो:॥ दोहा
कीमषापनीलकजरी:॥ अतलसअधि
कसुरंग:॥ कीसडाल्याउंकरवरजी:॥ अ
बलीभुजाअभंग:॥ जद्दिकवरजीदोदो
कह्यो॥ दोहा॥ लालकसुंभलसुरंगरंग
एकणीजीणगिरिमोल:॥ बुंडाजरीकदा
वदा:॥ आवेमहगेमोलि:॥ जद्दितासा

घसीसातबीमसीरोपावमहणामोलकाला
॥२॥ यो॥ जदिकरजीसीरोपावउमरावांनेपह
राया॥ आपणपहरना॥ सीकारनेचढ्या॥
सीकारखेलिघरांनेआवेछाबागमांहिक
रि॥ आथणकोअमलकीयो॥ घरांनेअ
सवारहुवा॥ कवरजीदोहोकह्यो॥ दोहा॥
मनापियारीअमतरी॥ इकामनीयाअस
वार॥ एकदायवाकरमीलि॥ ज्यांहदुसा
करतार॥ औरकवरजीहाथीकेहोदेबै
ठनाछा॥ फोजपाछासुंकोरबंधीछै॥ आ
गेछडीपडीपडतीआवेछै॥ तमासहो
तीआवेछै॥ सहरमेंआया॥ जदीसहे
लीएकमरोपासुंकांकेछी॥ ज्यांहसहे
लीदोहोकह्यो॥ दोहा॥ धनीसमरतध
नीघडी॥ धनीदीहाडोजिराती॥ एक ॥२॥

10

दाडीए कस्तुरती काः ॥ देष्या कवरजी की सा
थिः ॥ जदि चो हटा मै आया ः ॥ ध सा मै हीण
रजी की चट साल छी ॥ जी मैं चट डा पै ठै छा
मा कवरजी नै देषिवा नै आया छा । ज्या द
मै ही सालं ग पा पदमसी साह की वेटी छी
पै ठै छी ः ॥ मा ऊंडु की अर कवरजी की निज
रि ण कु ड़ी ः ॥ जदि कवरजी चंद्रायणो क
ह्यो ॥ चंद्रायणो ः ॥ अधर कषरा अंग ः क
डी बली अंपीयाः ॥ नां क सुवा दीपं च वःस्त्र
ग की अंपीयाः ॥ बलण बेली बाहः वेली
की सी का मणी ः ॥ परिहां नैण भल कै जे ॥
मी काः आभेदामणी ः ॥ जदि फेरि दोहो क
ह्यो ॥ दोहा ॥ चंद वदनी सायर सुता । रंभा वे
अवतारिः ॥ नैण भलकै दामणी ः ॥ जाणि
कवले मसालः ॥ जदि कवरजी दोहो क

षो॥ दोहा॥ हसगवनीम्रगलोचनी:॥
॥३॥ चीतालंकीनारि:॥ पुंगलहंदीपदमणी
देयीनगरीमझारि:॥ जेठापाछैकवरजी
साथकानेदोहोकह्यो:॥ दोहा॥ माडी
णनगरीवसतडा:॥ आसीनदीठीकोडी
नेकोडीदेवलपुतली:॥ नेकोडीरावलरा
य॥ चिंताकरिकही:॥ आजिसुधीछा
नीरही:॥ आईउतरीम्हेलाचटताकुंवा:
रजपुतांकीभीचोकीसभालीनही॥ अ
नवतलायाकपडासेतीहीपोढिरह्या॥ म
हलमेराणीहजुरिआई॥ अरषवासी
रजलोककीअरजकरीअरदोहोकह्यो
दोहा॥ कपडाषोलेहथियारषोला॥ सो
वोबाहपसारि:॥ आजिअभागजमाह
रा॥ कवरजीगयाजहारि:॥ जदिकवरजी: ॥३॥

12

दोहाकह्यो ॥दोहा॥ नेणसीकारीहोडीरमा
रमैसीकारसधीर ॥ असीसीकारनपाय
कुं ॥ जीहालगाउंतीरः ॥ फेरिकवरजीदो
हाकह्यो ॥दोहा॥ नेणसीकारीधणसुमा
मारणहंदेम्चावः ॥ ज्युंश्रांसीज्युल्पायस्या
करिस्यांवदोलादावः ॥ जदिराणीचंद्रा
यणकह्यो ॥चंद्रायणा॥ सुणीसुनादीस
दुपकपुंगलपदमणीः ॥ फीरीदेपादीसि
च्यारिककोडिकामणीः ॥ नषसषएंकैधा
रकबोलसुहावणीः ॥ परिहांसाधोलक
मणारीकमासीहायवणीः ॥ जदिकवर
जीदोहाकह्योः ॥दोहा॥ सोवेसंगिरहेब
तीसनितिः ॥ वादोलारंगकरंनः ॥ दीषजा
णीकत्रपछ्वाः ॥ डीणहीनगरीवसंतः ॥
जदिराणीदोहाकह्यो ॥दोहा॥ नोसंगिर

13 हेमदाव्वरी॥अहल्याकुंतीनारिः॥सतिसीतां
॥४॥ पतिद्रोपदाः॥औरनहीसंसारिः॥जदिकव
रजीदोहाकह्यो॥दोहा॥सावतसरअजा
णकबाहः॥बरजतरणमेजाड़ी॥जीणीउ
णीद्वाराअमतरीः॥घरिवेठआहीपाड़ीः॥फे
रिकवरजीचंद्रायणोकह्यो॥चंद्रायण॥वा
रावरसांमहेःमरमनवुठीयाः॥नीठीनीठी
पकड़ीरातीःकव्वरकीमरुठियाः॥सुणीमे
ओगुणकोड़ीःकीसीनुदीठियाः॥परिहा
काराअरजसलामकसाड़ीरुठीयांः॥ज
दिकवरजीचंद्रायणोकह्यो॥चंद्रायण॥भो
हाकालीरेयकनीषीअंषियांः॥वुधरत्वा
रेकेसकःनागलपटियां॥चालेमीणीचा
लकःगोवरिमतियांः॥परिहांदेषीआजि
अन्तपकःपरेड़ीपठतियाः॥जदिकवंरजी

चंद्रायणाकह्यो॥चंद्रायणु॥चंपादेदोक
लीजोभवरनैवेठीग्राः॥चंद्रायणदोराघभ
वंगलपटीयाः॥ज्याहकाणकस्तुभावक
श्रोगुणतुठीयाः॥परिहांजेचितलागेप
रिनारिसोतोघरछुटियाः॥सूकहीस्साई
रह्याः॥सवारकोपहरकुवोः॥जदिरांणीचं
द्रायणाकह्यो॥चंद्रायणु॥मुनीस्तुवोल्यो
नोहिकपकडीबांछियाः॥मैकीयावणरा
दारकश्रायादाझीयाः॥नीकस्यावाहर॥
श्राजिकिणीभरमाझीयाः॥परिहांश्रेन॥
पांणीनहीपांउकस्तुणमेरेसांझीयाः॥ज
दिरांणीनाराजलोकमेगईः॥श्ररषवासी
हजुरिश्राया॥जदिषवासीमुजरोकीयो
सोकवरजीबोल्योनहीः॥जदिषवासीदो
होकह्यो॥दोहा॥श्रोगुणछावणगुणकर

15 णः॥ बुकणमारीसोरः॥ म्हांपरकुरसुमाई
॥५॥ याः॥ बोलीराजकवारः॥ जदिजागेपाको
ड्रीनहीः॥ जदियवासीकुसमेरेदोहोकह्यो
दोहा॥ नगरजमाहीमाकणी। कठाउरस्त्र
वारः॥ कवरजकेडीफाकियाः॥ लागीनी
जरिसमारः॥ जदिषवासीराजाजीसुमा
लुमकरी॥ जदिराजाजीमेहेलीआयाः॥
आशीस्रदेदोकह्यो॥ दोहा॥ मासुतरा
जकवारियाः॥ तोदिउणारतिकांइः॥ जो
चाहेसोमांगिलेपाः॥ बातकहेसमगाई
जदिकवरजीसलामकरीः॥ हथजोडिउ
ठिउभोहुवो अरयोकहीः॥ म्हाराजिम्हा
राजिसलामतिः॥ म्हारामनमेपटिबाकी
हेः॥ जदिराजाजीगुरुबुलायाः॥ गुरुस्वा
डीआसीरवाददीयाः॥ आसीरवाद॥ ४

16

चीरंतचीरंतंपालमेरवी ॥ चीरंतेनजीदीना
नाथः ॥ चीरंतविजेपालभेवरु ॥ जदिरा
जाजीनमसकारकीयोः ॥ अरदोहाकहो
॥ दोहा ॥ विप्रजेवगिपढाईजेपाः ॥ मतिमा
नूकोईसंकः ॥ राजकाजछत्रीधरमः ॥ अ
मापढावाअंकः ॥ जदिगुरुदोहाकह्यो ॥ दो
हा ॥ मोअछिरमसतगसअ्माः ॥ मोरलीषा
छेबहः ॥ राजकाजछत्रीधरमः ॥ बहोतप
ढास्याम्हः ॥ जदिराजाजीकह्योबहोतस
रेसरपढोवाः ॥ जदिकह्योबहोतभलाः ॥
अरकवरजीनेआपकेघरलिआयाः ॥ ज
दिसालग्याकेः ॥ अरकवरजीकेवीचीप्र
चबांधिदीज्ञी ॥ अरपढीबानेवैमाएपाः
एकदीनीचरङाकीछुटीकोदीनछोः ॥
अरगुरुजीभीअसनानकरिबानेगयाछा

17 ॥६॥ जदिकव्वरजी परसालंगपा॥ एकलाही ५८
सालैमरह्याः॥ जदिपेरचंतोपवनखंतुडिग
ड्री॥ म्हम्मान्हासाम्हाचोधिबालागपाः। ज
दिकरजोदोहाकह्यो॥ दोहा॥ सादेभषखुहा
वणी॥ दीलीखुडीदरसाय्रः॥ देकरसादीत
बांटिनै॥ थादीनदिनदोहालोजाडीः॥ जदि
वोलीकोडीक्रीः॥ जदिकव्वरजीडुसरो
दोहोकह्योः॥ दोहा॥ पुंगलदंदीपदमणीः
सुंदरीचीतबीलाडीः॥ पेलैदोससरैवछो
पीछैदमालगाडीः॥ जदीसालंगपाक
हीमैकदीबाचादीयाछाः॥ जदिसालं
गपाचंद्रायणोकह्यो॥ चंद्रायणु॥ जेपाक्या
बोदैथ्याबकथ्याबुरावरलाः॥ कुडावे
णनकाटिकव्वरतबावलाः॥ काचीकली
नेतोडिभजैगीमालीयाः॥ परिहांनीलज ॥६॥

18

वेणन कार्तिकः। दुर्गागीगाजियाः। याद चंद्रा
यणु कहरिः॥ अरकदीकवरजी पीछता
याहासीयाकहोः॥ अरकवरजीबुरामा
निसी॥ जदिसालंप्यादोहाकयो दोहा॥
चंदाचत्रबीमामचीवः॥ अम्हा चंदा नत्र
जिः॥ बीणी चंदा चंदा गदेः॥ कालेकालेगे
लोतुज्पः॥ अरवातकहीः॥ म्हाराजिक
वरजी कुंकवारीछु। कुंपरणुं शीतनमाने
बकसोः॥ फेराकुंवापाछेः। कुं आपकीह
ज्जुरिआस्युः॥ श्रादबातकेदेछा अरगु
रुजीआयाः॥ अरगुरुजी गाहा कह्योः
गाहा॥ गुरुपाठीग्रीहीयाः॥ कावरजी चु
वयाचीतः॥ सदेब्रछसालंग्यातणों॥ अ
माडुहाडोनित्यः॥ जदिसालंग्पाराजी
वदीकीओरदोहाकह्योः॥ दोहा॥ पक

19 डीवाडीउछाटियाः॥कवरजीचुक्या
॥७॥ चितः॥पहैलोदामसंदत्र छोदीजीयेः पी
छेदन्हादीतः॥जदिगुरुजीदोहाकह्यो॥
॥दोहा॥कंदनवाडीउछाटीसीः॥कंदन
चुकेचीतः॥कवरकवरीदोडेरलीमील्या
लिष्याविधाताअंकः॥जदिकवरजीगुरु
नेदोहाकह्योअरचंद्रायणकह्यो॥चंद्रा
यण॥सायरमांहिकमोदकचंदअका
सहेः॥ज्याहरालिष्यासंजोगकेमटण
कोणदेः॥दोउमिलीयाचिनकपकऽया
कंुरहेः॥परिहालिष्यावीधाताअंककः
टाल्यानारहेः॥वात॥आहवातकहीअर
मेलाराष्याः॥जदिनिजरीदोन्याकीनेह
कीलागीः॥पेठकोइनहीः॥जदिगुरुके
पासावागछोः॥जैठेचटडावासीरेसुता ॥७॥

20

ईडावानेजायछा:॥ कदीनकवरजीको
वासरोआयो:॥ जदिगुरुमनमेकह्योःक
वरजीनेवागिषिनावो:॥ पाछासुसालंग्प
नेभोजनदेकागिषिनावोताएहपंटेः॥जदि।
गुरुचंद्रायणाकह्यो॥ चंद्रायण॥ सुवारो।
माहिरणकःचीडीकैमेडीयां:॥ नंदनामोटा
जीवःकीतापदनाडिया॥ सुरासारीसा
मारःपेखावीडीया:॥ परिहांबामेबसांउ
थीबीणामेवाडीया:॥ जदिकवरजीताप
हलीवागिषिनायो:॥ ओरसालंग्पानेक
ही:॥ कवरजीओरकादाथकोकासोआ
रोगलानही:॥ जदिपाछासुभोजनदेशीर
सालंग्पोनेपीनाडीदीडीः॥ जदिसालंग्पा
कासोलिरीवागमेगडीः॥ जाडीअरदेहाक
ह्योः॥ दोहा॥ सुरावंदोडीईजाडीजेपाःला

21 मीम्भवत्रपार:॥ भोजनकरल्यौराजदी:॥
॥ठ॥ ल्याइीकंचनथाल:॥ जदिकवरजीदोहो
कह्यौ:॥ दोहा॥ जीणीभोजनरीहोमछी
मोम्हाय्रोम्हापासि:॥ जीमीअरतरपत
होइीस्या॥ मनाजपुजीआस:॥ जदिक
वरजीआयअरजीमणलाग्या:॥ अरसा
लंग्यापवनउंडाबालागी:॥ जदिकवरजी
चंद्रायणकह्यौ॥ चंद्रायणा॥ चीकमक
सेहेरमुलतान:जीतुदीकामणी:॥ तैरनै
णपरीपुरबाण:॥ नीजरिकरिसामणी:
चौवेभीनागानक॥ अंगियालालहै:॥ प
रिहांजीनिवरिअेमीनारिसोकंतनीहा
लहै:॥ जदिसालंग्याचंद्रायणोकह्यौ॥
चंद्रायण॥ सीहीबचत्रसुजाणकजो
बनपुरीहै:॥ दोधणंदेहदातारक॥ सज ॥ठ॥

णसुरहैः॥ होमणाहंद्रामे लक:पीसणामा
लेहैः॥ परिहंजी णीघरिश्रेमाकंतकःसो
नारीनिहालेहैः॥ जदिकवरजी दोहेकहेया
दोहा॥ जोडीदीशीमिलाइ॥ मेलाकरिएक
ठाणि॥ हमतुमजीमणणुकाग:॥ अबकंु
गषोकाणि:॥ बारता॥ जदिसालंगपाकहीकुं
कवारीहु:॥ मुनेव्याहताशीबकमे:॥ कुफ
राकुवापाहे:॥ आपकीहजुरीआसु:॥
औरम्हारीथिमानु:॥ जदिकवरजीवाहीब
होतभला:॥ जेगणगुरुजाणी:॥ आयातोका
शीकी:॥ अरएहऔठेचंपाकेछावलेदोउ
माडीरह्या:॥ अरहवाकरी:। जदिगुरुजा
णी॥ आयाकोयनही॥ लोगभरमधरसी
जदिगुरुजीबागीआया:॥ चेलाएकोने
साथीलीजो॥ चेलानेकही॥ कावरनेबुला

23 ल्यावकुंगोपवैठेमाहु:॥ जदिचेलोदेपिदो
॥९॥ होकह्यो:॥दोहा॥ चंदउगपासुरस्यायिया
पोढ्यावहपसार:॥ कवरभरोसाघरतणों
याहवीराणीनारि॥जदिफेरिडुसरोदोहो॥
कह्यो॥दोहा॥गुरुउभावाहरिपडा:॥जाग
राजकवार:॥निहतजोपरनारिस्तु:॥कुई
जसाफीबार:॥फेरितीसरोदोहोकह्यो
॥दोहा॥नगरीडंकावाजिसी:॥मगलेस्तु
णसीस्याजि:॥तुंकुंसोवेसाहवी:॥तुकु
लमरीसीलाज:॥जदिजागपाकोईफी॥ज
दिचेलोबारोंस्यायो:॥जदिगुरुदोहोक
ह्यो॥दोहा॥कवरजीतोस्यायानदी:॥काई
करछेकांम:॥तोनेतोकांईकह्यो:॥कहे
नेसाचनिधान:॥जदिचेलोज्युवाबदेछे॥
दोहोकह्यो॥दोहा॥कवरजीसुतासाथि ॥९॥

Abuse

रै:।दे सिधुणेहाथ:॥गा०॥मिसमग्योनदीप
रतनदीमांनीबात:॥जदिगुरुबागमेंश्रा
ग्या:॥देषेतोसुनाहै:॥जदिगुरुदोहोक
ह्यो॥दोहा॥मालिजकेहरासोथिरा:सु
वाकेलिकरंत:॥चंपावरणीकांमणी।बी
लमीरह्योहेकंत:॥येदोहोसुणिरजाग्या
फेरिगुरुदोहोकह्यो॥दोहा॥गुरुराजीम
नमांहिले:॥दोनुभेलादेषि:।करमलिष्या
सोईुघडग्या:॥कवरीसाम्हांनेणपेषि:।जदि
गुरुगाथाकह्यो॥गाथा॥पदमपुत्रीबिसा
लनेणी:॥कानासुवरणकुंडला:॥जीणि
कारणिबनापधारिया:॥सोफलफलाक
निरफलगया:।जदिसारंगपादोहोकह्यो
॥दोहा॥गुरुश्रमपाकरिसंगमगरवण:।क
वरजीकंघ्याकीया:॥एकेचंपाछांवले:॥

25

आसनपूजीस्यादः॥ जदिगुरुकहीसत्रीसां
॥१०॥ चबोलीज्यौ॥ कवरजीहसीनेचाल्यौः॥ ज
दिकवरजीगाथ्याकह्यो॥ गाथ्या॥ अमनीकुं
डसमोनारी॥ घृतकुंडोसमोनराः॥ भडीया
बाणनलागियाः॥ बबरणाशीष्ठोगुराः॥ ज
दिगुरुगाथ्याकह्योसावरुफडो॥ गादा॥ कव
रजीनुआंवुआयाणः॥ बीणीग्रहीयाकेयांमुं
कीजेवाणः॥ असत्रीसुभावएदा॥ ननका
रवधतोमेदाः॥ जदिगुरुदोहोकह्यो॥ दोहा
कोशीलआशेवागमेंः॥ स्याणदोचाबः क
वरबाणकीमचुकैवेः॥ वहोडिनआवेदा
वः॥ जदिकवरजीदोहोकह्योः॥ दोहा॥ आ
बकमीरीनीबवा॥ हाड्तुमोसबबागिः॥ दे
ष्यापतिचाष्यानहीः॥ रयाउंमांकिलागि
जदिगुरुवागसुघरिलेआयाः॥ जदिसा ॥१०॥

26

लंगपनिगुरुमाताव्रती:॥गाहा॥पदमपुत्री
वीसालनेणी:॥कानासोनैकुंडला:॥ज्या
हकारणबनापधारिया:॥साफलफलाक
।नीरफलगया:॥जदिसालंगपाश्रोहोटा
ज्जुवाबदीया:॥दोहा॥देबीगुणजेहोशी
तारीकैवे॥कादरीकैवेकुबेल:॥सदैबछी।
कहारीकैवे:॥वीनासीगडेबेल:॥ओबेदा
नुपरेठेसापटिबहोतप्रवीणकुवा:॥घ
रौनेउठीबालागपा:॥जदिसा[illegible]पासा
रठाकह्या॥सोरठा॥बरजगइीबले:सा
बारबलेओवनदी:॥दीवडेहाथमलेह
बडगलीयाबालपानदी:॥जदिकवरजी
गाथाकह्या॥गाथा॥गोवबतीसीसवद मी
न:।हरहारबांहणनेणी:॥करलेवेसकं
ठीकीली:॥सालसुंदरीकथीपावस्पा:ज

27 दीसालंग्पागायाकह्यो ॥गा हा॥ नगरीम
॥११॥ छंदाणीपरसाद: ॥सकतिरुपीकालिका: ॥
नीसीगलंतीरैनि: ॥ साहस्तुताउंथीपामि
सी: ॥ यहबातकहीअरआपआपणेघरि
गया: ॥ कवरजीतोरावलामांहीगया: ॥ सा
लंग्पामाहकैमहेलगइ ॥ अरभाइकीरा
हासिम: भोजाइबैठीछी: ॥ अरषवटांनचु
पावैछी: ॥ जदिसालंग्पानेमिलिवानेआ
ई: ॥ बेटोमिलिदीधुं ॥ अरमिलिबालागी
जदिआचलपाकीआयो: ॥ जादीबेटोउ
ठाइलीयो ॥ अरदोहोकह्यो ॥दोहा॥ मषी
नीलजमेहलडी: ॥ कहीजेपाआंगलीबी
र: ॥ तुमजीमहमेपभोहरा: ॥ कदेवहीसी
पीर: ॥ जदिभाभीदोहोकह्यो ॥दोहा॥ बा
लमभीजीबाल: ॥ बालोपीरछाडीबाल: ॥११॥

28

जदिसालंगगातोमांहीगई: ॥ अरसाहको
बेटो आपणीरहासिमेआया ॥ जदिसाह
काबेटाकीबकुदोहोकह्यो ॥ दोहा ॥ जोब
नपावेयारसचैतै: ॥ वेगीकरिजेव्याह: ॥ सा
हसुनपतनीबीनवै: ॥ ज्युरैहेधरमकला
ह: ॥ जदिसालंगपाकीभाभी अरजकरि:
साहकोबेटासालंगपाकोव्याहकरो: ॥ ज
दिसाहकोबेटासाहकैहवैकेहजुरिआयो
आडीरदोहोकह्यो ॥ दोहा ॥ वाईबरपराप
तिकरो ॥ ज्युंरैहैडीजतिसरम: ॥ पुतपीता
नेष्टकहै ॥ जेराख्याचाहोभरम: ॥ जदिसा
हसाराघरकोनेबुलाय अरपुछिबाला
गपा ॥ जदिसाराहीकह्यो ॥ आपबरावरि
जाणपरबीणकुणछै: ॥ जदिसाहदोहोक
ह्यो ॥ दोहा ॥ वाईतेराबरसकी ॥ बरदुटो

29 बरसवीस॥ म्हांकेघरिकोडिपचासछै॥
॥१२॥ वांघरिकोडिजतीस॥ जद्दिसाहणिजुवा
वैदरीदोहाकह्यो दोहा घरबरतोदोनु
मीले॥ तोवणकारिज्योव्याह॥ व्यांतुंकु
टजसोधिल्यो॥ कोडीअसोसाह॥ जदि
साहकाबेटाकीबहुदोहाकह्योअरब
खतायो दोहा॥ पारानगरीअसोसाह
अरधनअनंतअपार॥ जीणघरीएक
जडीकरो॥ सुंदरीराजकवार॥ जदिसा
राहीकहीबहोतभलीवीचारी॥ जदि
साहपदमसीकह्यो॥ टीकोकांईपीना
दीजे॥ जदिसाराहीकह्योआपआपिला
दसतुरजाणोहीछो॥ जदिसाहवेटोने
पुरमाडी॥ दोहा॥ अबलपजातिषधार
का॥ डाकेकुंदेजार॥ पांचपिनाक्रोस्य ॥१२॥

सपती:॥एकहजारमहोर:॥जदिसाहणि
दोहाकह्यो॥दोहा॥कीमघापञ्चतलस।
का:॥विसपनाबावीस:॥घणमालासीरपा
वदीो:॥जेपादोष्टिव्याहजगीस:॥जदिसा
हकोबटाकीवकुबालीअरदोहाकह्यो॥दो
हा॥सुपारीकंचनसटै:॥श्रीफलरतनज
डाडी॥साहबुलावानगरका॥सारांनेरदी
षाय़:॥जदिसारानगरकासाकुवारआ
या:॥आयअरसारांतजबीजेदेख्या:॥जदि
साराराजीकुवा:॥अरदोहाकह्यो:॥धनिध
नितासाराकरे:॥थारोडीचरजकाडी:॥डी
णधारितोआगालगु:॥सदाजहोत्तीआडी
जदिसाकुवारानेतासीषदीकीअरवीग
बुलाया:॥अरकह्यो:॥बाडीकोटीकोल।
जावो:॥जदिबीरभमणकहीबहोतभला।

३। पुरमारी। जदिसाहदेहोकह्या॥ दोहा॥ वीष
॥१३॥ वीदावीयापारानगरनैः॥ देषसवारीसाथि
पदेहलैव्याहआरकरोः॥ तापाछेटीकोदीज्या
हाथिः॥ जदिविप्रानेसारोजबीजसाप्याः॥
अरवीरामणपारानगरीनेगया॥ अरलष
मीदासमाहकोघरबुफिलीयाः॥ अरवैके
घरिगयाः॥ जदिसाहबुफीकोगाथआयाः
जदिविप्राकहीअटकमहरनीलापरनदी
जेठाम्हेआयाः॥ अरकाजीदसाहकेहा
थिदीया॥ जदीसाहकागदवाचिबहोतरा
जीहुवोबदोतमनवारिकीजी॥ डेरादीवा
या। जदिवीप्रादोहोकह्याः दोहा॥ लषीज
तोआरकरोः॥ नीडआया व्याहः॥ विप्रक
रेहैवीनतीः॥ तुणलीषमणसाहः॥ जदि
लगनसाहमांथेधरिलीयाः॥ अरटीकाकी ॥१३॥
८

32

तयारी करवाई ॥ अरसा रान गरका सा कु
कारबुलाया: ॥ अरटीकोदी पाया ॥ जदिसा
कुकारजुवाबकीयो: ॥ दोहा ॥ कुणनगरश
पाकुणा: ॥ कोई साहरो नाम ॥ जीणी गाई
तनेसो कल्यो: ॥ कोठे हेवी सराम: ॥ जदि
विप्र जुवाबदीयो: ॥ दोहा ॥ समुद्राजिहाजि
चलावही ॥ साह पदम सीनाव: ॥ अरकस
हरै सेक्या दिसाह: ॥ जीठे हेवी सराम: ॥ जदि
वीप्रो साह कोबया कोटी को कीयो: ॥ हजार
महोर: ॥ पाचसे रुपेया ॥ दोई सीरपाव पाचघो
डा ॥ वी सेवस: ॥ सोवनसुपारी: ॥ जडा ऊ श्री
फल ॥ ईतने नानी जरी कीयो: ॥ जदि साराधनि
निधनि कीयो: ॥ जदि साहने नारेलनु पयादी
या ॥ अरबदो तवधाई बांटी: ॥ अरउछाहकी
यो ॥ अरसारा सहरकोने: सी षदीनी: ॥ अ

33 पपाकुणाँने जीमाया: ॥ अनेकभोजनक
॥१४॥ रिबहोतराजीहुवा: ॥ अरसाहकोनेसीष
मागी: ॥ जदिसाहमनुहारिकरिदोहोक
ह्या ॥ दोहा ॥ आधासुंसाराकीया: ॥ हुवाब
होतउछाह: ॥ विप्रजानेनेसाथिल्योह: ॥
कैदीनकोछेराह: ॥ जीहीबीरामणकही:
जानकीतयारीकरावोमहेजानकीसाथि
चालस्या: ॥ महेरुपयादेशीरबीदाकीया:
अरबहोतमनवारिकरी: ॥ अरयाहनेसा
हपदमसीकोहुवामछोसोतोलीया ॥ अ
रवाकीकोअलटोफेरिदीयो: ॥ अरसाह
राषीबधाई ॥ अोरजायाजागाकारादमोक
लीया: ॥ अरसाराव्याईभेलाहुवा: ॥ अर
जानचालिबाकीतयारीकरी: ॥ अोरनीका
सीकाटीबालागपा: ॥ अरनीगारचीचंद्रा॰ ॥१५॥

ग्रणोकह्यो ॥ चंद्रायणा ॥ षासातुरीपलाणी-
कजीनजडावदा: ॥ पहरिकसुभलसाजकज
रीकटाव्रदा: ॥ हीरामोतीरलालकः कनकस्त
धारिया: ॥ परिहांकरी निकासीसाहकगाव्रे-
नीकारियां: ॥ औरनीकासीकाठिऔहदाग्या
या: ॥ औरसहरकैफलसेवापाछोः ॥ जीहैऔ
डीवैठना: ॥ असवारजेतीमाराआयभेला
कुत्रा: ॥ अरपरभातीहीकुंचकीया ॥ अरनी
गारचीचंद्रायणाकह्यो ॥ चंद्रायणो ॥ व्याह-
णचढियासाहकवारः नगारावाजिया: ॥ हा
थीघोडाऊंटसेवेदलसजिया: । पातरीलीनी
लारीकबहोतरीमावही: ॥ परिहांजांनीरा
जकवरिवासवडीकदावही: ॥ वात ॥ जरि-
साकुवारकावेटाआपसमैआम्हासाम्हा ॥
मुजरोजुहारकरिआपणोआपणोघरिगया

35 ॥१५॥

पाछै आपणां लेसा ॥ जअर अमलपाणी करि
अरजनेती बणार आया ॥ अर चढि चाल्या ॥
आथण की जायउं तरना: ॥ अर रसोई करा
ई ॥ अर घोडा हाथी तुटां नै राती बदाण घा
सन षायो ॥ अर सोइ तयार कुइ ॥ जदि सारा
नै जी माया ॥ साराजी मित्रपति कुवा: ॥ च
षुभरि रसोई रह्या ॥ चोकीदार पहैरै आ
णि बैठना: ॥ अर परभाति कुवो जदि फेरि कु
च कीया: ॥ चालतां चालतां घणां दिन कुवा
जदि एक वासे हैरी आथ का जाइ उं तरना: ॥
साराजनेती आणि बैठना: ॥ अर मसलति
करी: ॥ लोग बाग हारि गया छै ॥ सो परभा
ति एक मुकाम करो ॥ और मजलसी करावो
पातरि नचावो ॥ जदी साराही कह्यो: ॥ वहोत
भलां: ॥ जदी परभाती हीर सोइ करवाइ: ॥ ॥१५॥

36

सोझीहारसोझीलागपा:॥ अरसीरहारमज
लसआणवैठा:॥ अरपातरिनचावाला
गपा:॥ अरसहरकालोगदेयवानेआया:
जदिपातरिबहोतनंाची॥ अरबोहोतगाई
जदिसाराहीबहोतरीग्या:॥ जेनेत्याताएक
एकमहोरदीनी॥ माहकवरवीसमहोरदीनी
एकमीरीपावदीक्री॥ अरमजलसउठायरी
क्री॥ जदिएकसहरकासाकुकारकेबेटेपु॥
छी॥ दोहा॥ कीणीसाहरोजीकरो:॥ कांशीया
रीनाड॥ किणीघरिजबिपरणीबा:॥ कोठेछे
विसराम:॥ जदिजेनेत्यादोहाकह्यो॥ दोहा॥
अटकसहरपदमघरि:॥ जेठेव्याहणजाय
पारानगरीलीघमणस्तुत॥ दुपाझीणरानाम
जदिसाकुकारकावेटारामरामकारिघरांने
गया:॥ जेनतीआपणेआपणेडेरेगया:॥ अ

37 ररसोझीतयारीकुझीः॥ अरसारानेबुलायाः॥
॥१६॥ मासजीमीतरपतीकुवाः॥ आपैणआपैण
डेरसोयरह्याः॥ चोकीदारपहरैवैसाणिदी
याः॥ अरपरभातीहीकुचकीयाः॥ आथण
काजायउतरनाः॥ अरजाजमबीछायबेठा
अरनदीअसरालवेहछी॥ अरसारातमा
सोदैयेछा अरसाहकैबेटैचडायणेकाद्यो
चंद्राय एक उतरदेसअगमगमननहीपाझी
येः॥ नदीवेहैअसारालकबरघाछाझीयेः॥
चल्पकेतीएककोसजेनतीहाथियाः। जा
दिविप्रलारिछो। जीदीजुवाबदीयो॥ गुढा
दधसुतभरीजीमणकैरः॥ दधसुतकेऊण
हारिः॥ दधसुतउगपाझीयेः वेरविसुत
कैरेअपारः॥ अरनदीमालेजीमिअरसो
झीरह्याः॥ अरपरभातीहीकुंचकीयाः॥ फे ॥१६॥

रीआथणकीजायउतरना:॥ अरअटकसह
रनजीकआयो:॥ पणीजाएवुकोशीजी: अ
रसारोबेनाछा:॥ अरसाहुकारकेबेटेदो
दोकह्यो॥ दोहा॥ गलेचाल्याबेहेनदीन:॥
अरलाध्याश्रोघटघाट:॥ रुशीमंजिगामि
लाशेया:॥ कोठेसहरअटक:॥ फेरिबीराम
णज्ञुवाबदीया:॥ दोहा॥ अटकसहरज
आश्रीया॥ पगडाकीछेराह:॥ करोजेननी
केसरना:॥ मनमेबहोतउछाह:॥ जदिशेन
नीबातकहीरसोहीरह्या:॥ परभातीहीचा
ल्या:॥ अटककेगारेवेनदीमालेबागछे॥
जेठेजायउतरना:॥ अरनगारचीचंद्रायण 15
वाच्यो:॥ चंद्रायणो॥ वाजेनोबतिजिनी 5
गाराभेरिया॥ डेरादीनाआयअअटकस
हरिया:॥ कंचनबरणीदेहदीपेअंगअंगदे

31 परिहांदेषणआडीजानकपूनुचंदहै:॥अ
॥७१॥ रसहेलीसारीनगरीकीबीदनेअरजेनत्या
नेदेषेछै:॥अरजेनतीसारीसहेलीनैदेषे
छे॥अरसहेलीएकआपकासाथकीस
हेलीनैचंद्रायणाकह्यो॥चंद्रायणा देषे
सारीबीदसरदकोचंदहै:॥हीरामोतीला
लकअंकजडावहै:॥पहरनाःकसुभ
लसाजकबहोतबणाडीया:॥परिहांबो
वाचंदनओरअरगजालगाडीया:॥ज
दिसहेलीसारयांकह्योबीदतोपुरसुंको
साचांदछै:॥अरबहोतसुहावणोलागे
छै:॥जदिजेनत्याकहीयेसारीसहेलीच
तरीहै:अरएकदायछे॥अरबहोतसु
रतिपाकछै॥जदीजेनतीयेकसहेलीनै
बुझेछै:॥दोहा॥ईणनगरीमैकुपबहै:॥ ॥७१॥

स्वरातिअनंतअपारः॥ जाणिकएकेकुषी
कीः॥ सीरजीसीरजणहारः॥ जदीसेहेल्यां
आहटोज्ञुवाबदीयोः॥ दोहा॥ घरकावि
लघुरसाणमेः॥ एकस्तुएकअपारः॥ म्हेना
हीएकेकुषीकीः॥ घरिघरिएकएकनारिः॥
जदीसाराजनेन्याकदीयाहेनेमाहकीवे
टीबेटीपुछेः॥ वाहकीसेकछेः॥ दोहा॥ म्हे
तोआयाकुरस्तु॥ कदीज्योसाचनीधानी॥
बाटीकीसएकसाहकीः॥ बुमेसारीजान॥
जदीसेहेल्याज्ञुवाबदीयो॥ चंद्रायणकहे॥
चंद्रायण॥ सारीकैसराहककपडेबाहि
याः॥ सीरजीसीरजणहारकजोडीसाडीया
सुंदरीराजकवारिकडीसीचतराडीयाः॥ प
रहिंआभेचीमकबीजकचंदछीपाडीयाः॥
जदिसहेलीतोआपआपकेघरीगडीःअ

४१
रजनेतीठैरा माहीगया: ॥ ठीतरा माहीकोरब
॥१८॥ रो आयो अनेक भातिका तो चांवल आप्ता
मुगभात पकवान: ॥ पाकीमीठाई आदी: ॥
अरजीमीसारा तरपती कुवा: ॥ औरजीवोने
ठुबस्यो सागावकालागदारां नेघालिदीया
अरती जाराको बषत कुवा: ॥ जदीजेनत्यांक
मस्याकीया: ॥ अरगोहणांपहस्या: ॥ अरतोर
णमारिवानेचाल्या जदिनगारची चंद्रायण
कह्यो ॥ चंद्रायण ॥ चटिया साहकवर कतोर
णांचंधिया ॥ ढेडेहवाई ध्यालकजैसे आरि
वा: ॥ लगीजगामगाजो तिजैनतीसारिसा: ॥
परिहां आडीसमंदालहेरीकजाणीकपा
वस्या: ॥ जदितोरणजायवांध्या: ॥ फेरीनी
गारचीदोहोकह्यो: ॥ दोहा ॥ तोरणवध्याया
साहकवर: ॥ कीयावहोतउछाह: तुपेयाम ॥१८॥

+८६

42

हीरउंछालिया॥ दीपोनारीनाहः॥ जेनतीतार
रणवांधिडुरानेश्रावछाः॥ जदिएकसाकु
कारकीबिमसलोबोलीश्ररदोहाकह्या
दोहा॥ साहथरांसोहेनहीं॥ सोहेराजडुवा
रिः॥ जीनेश्रायापरणीबाः॥ वाछेराजकवा
रीः॥ जहीसाहकाकवरनेबहुणाउं जुवाब
दीयोचंद्रायणकह्या॥ चंद्रायण॥ पेहरी
याश्रतलसचीरकनगजडावहेः॥ चावा
डोडालोगसुपारीपानहेः। फुल्लउसेजबी
छायेकंकचनमहेलहेः। परिहांसादिब
चश्रसुजाणकजीणीघरिनारिहैः। याह
जुवाबदेश्रउंडेरानेश्रायाः। श्रायश्ररसो
येरह्याः। श्ररपरभातिडुजोजदिदांतीणाश्र
मनानवातीबीछावणामालेश्रांणिवेठनाः
श्ररपातरिसुंढाश्रोगनांचेछे॥ श्ररतांनगा

43 वैछे:॥सारैकोतुहललागिरह्याछै:॥अर
॥२९॥ साहसारानगरकासाहूकारांनेबुलाया
अरदोहामेंबुझेछै॥दोहा॥४ आगुणीकां
ईकरां॥ काईमेंहलादांती:॥बुझेसाह
पदमसी:॥बोल्यासारीजाति:॥जदिसा
रानगरकासाहबोल्या:॥चंद्रायण॥म्हे
लोचागावीसजरीकाटावदां॥कंचनहे
दोथालक:चरवारुपदा:॥म्हेलामहार
हजारकसगाआयाकुरीका:॥परिहां
सगलेहायकसराहकबोलेनगरका
जदीआगुणीसारातयारीकरीलेगाया
अरबीदेनेसीरपावपहराया॥अरसा
राजनेत्यानेपहराया:॥सारामालसा
पिदीकु:॥घरनेचाल्याअरपाछास्तु
साराजनेतीजगीसकरीबेलागया:॥ ॥२९॥

जदिकवरजीपेकनेबुलायरबोरोमगायो.
सालंगपाकीजानआडीवाहीजेछे:॥तु
जायसीताबीषबरल्याव॥जदिपकक
हीभलांपुरमाडी॥जदिपेकषबरलेबा
नेगायो:॥आगेजायरदेषेतोजानकाडे
राहोडीरह्याछे॥जदिजाडीरबुमीएहडे
राकीणीराछे:॥जदिवाहकहीयदडेरारु
पासाहराछे:॥पदमसीसाहैरपरणीवा
आयाछा:॥जदिपेककवरजीकीहजु
रिआयो:॥आडीरहायजोडिअरजका
री॥महाराजिकवरजीसलामति॥सालं
ग्पाकातेपेराआजिकाडीछे॥जदिकव
रजीबहोतखुस्यालहुवा:॥अंन्यामकी
एकमहोरबकसी:॥अरकवरजीअमल
करिबालागपा:॥अरसायकांनेकानेक

45 रावालागपा॥ अरसाराही अमलांमेछो॥
॥२०॥ काया:॥ औरजीहराणीकीरातीछो:॥जी
हनैछोकरीकही आजितायाऊपरिवहो
तम्हरवानगीकवरजीकंरैछै॥ अरवैहा
तकसचोाइीलगावैछै॥ जदिराणीवहो
तउछाहकीयो॥ सोलासिंगारवतीसआ
भरणसजेलागी:॥ अरकवरजीअम
लकीवनकभरी:॥ अरकसवोाइीकी
सीसीभरी:॥ हाथमेसुवाकोपीजेराले
रघोडेअसवारहुवा:॥ अरएकलालाइी
घडीदोयरातिगया:॥ हजुरांमें आणिवे
ठ्या: एकसभामंडपऊपरिपीपलछो:॥जी
कीपवनसुंपानवाज्या:॥ जहिजाणीसा
लंगपाआाइी॥ सोदारुछोसोनापीगया:॥
कसबोाइीकीसीसीगलांमेलोडीलीनी ॥२०॥

बौरे आयेदेषैनो: ॥ पीपलकापानबोजेछे 46
जदिकवरजीदोहोकह्यो: ॥ दोहा ॥ पीप^
लपानजबुणमरणपा: ॥ रेनीअंधारीहोइ
तूंतोभुल्योरेहीया: ॥ बैठेआइनेकोई
जेदीआइरेसोयरह्या: ॥ अरमालेग्या
कापेरांआणिचेवनोगे। धुलिकहीछा।
दीनअसनहोबालागेया ॥ अरबीरामण धी
वेदभणिबालाग्या: ॥ अरसखीसहेली
मंगलगावेलागी: ॥ फेराहोयचुक्या: ॥
जदीहथलेवोछुडाबालाग्या: ॥ जदिसा
रानगरकासाहुकारबुलाया: ॥ अरह
थलेवासोराआणिमेल्यो: ॥ अरसाहसा
रामाहेनेवुझी: ॥ दोहा ॥ गाहणोरतनज^
डावको ॥ नषसषरतनजडाय: ॥ देषोसा
रानगरका: ॥ घटेसोद्योहबताइ: ॥ जदिस।

41 रंजुन्नावदीया॥दोहा॥चुकाहोयतोबना
॥२१॥ झीद्या॥थेछोजाणणहारः॥झीहघरतोया
हीअदिकीः॥जाणोसबसंसारः॥अरबा
झींनेगहणोनषसषसुधीपहरायोः॥अर
हथलेवोछुडायोः॥अरमारासाहुकार
नेसीषदीझीः॥अरसाहकोबेटारह्योः॥
सोम्हेलमेपोढीवानेगयो॥सेजवीछोमे
लीछी॥जैठजायपोढ्योः॥पाछासुंसालं
गपाचालीः॥जदिसुजाणीचंद्रायणोक
ह्यो॥चंद्रायणा॥कसिमालासिंगारकन
षसषसंजियाः॥चालीम्हेलामांहिकम
नाउमेदीयाः॥आगेबैठोसाहकवार
कः सेजबीछाझीयाः॥परिहांकरुजअर
जसलामकच्योवेदाझीयाः॥जदीमहेला
मेगझीः॥हाथजोडिअरजकरीदोहाकह्यो॥२१॥

आदिसकत्तिदेबीसकल॥ मनसापूरणमा
त॥ लषमणसुतवरपाईस्यो॥ पहलाआ
ईजात॥ अठैमनसादेबीकोदिकुरोछै सो
वामनोकामनारीधीसिधीकीदाताछै:॥सा
मेवहकीजातराबोलीछै:॥ मालाकुंलषम
णसाहकोबेटोवरपाईनेपहलाजात्राथा
रैआई:॥ जीठापाछैसजोपोहतु:॥ जदिसा
हकैकवरचंद्राणकह्यो॥ चं जायण॥ काज
लकालीरषबतीसहसजियाः॥ सुजणजावो
मायसुजाणीसषियाः॥ सोत्याभरील्यो॥
थालकबहोतमनायजेपाः॥ पीरहोदेबीमा
नेजाततोबेगाआयज्योः॥ जदिसालंगपा
मोत्याकोथालभरीलीयो॥ पानमीठाईमेवा
लेरी:॥ सुजाणीसाथिलीकी॥ जदिसुजाणी
दोहाकह्यो॥ दोहा॥ देबीमीसीप्रातममी

49 लगाः॥कंतभुलायोनारिः॥कहैसुजाणी
॥२२॥ छोकरीः॥चालीराजकवारिः॥बलेसुजा
णीदुसरोदोहोकह्यो॥दोहा॥मंदरीवाद
रीजीमीजादतुः मीसबदनकुलसुधः चं
दातैणेभुलावणाः रादग्रहसीमुधः बले
सुजाणीदोहोकह्योः॥दोहा॥जीणीचंदणा
रीतुघडी छोडीपडीजीपासीः॥जीणीरा
तोचंदोघडेगाः॥घडीमहल्यांआकासीः॥
जदिदिकुरानेचालीः॥जदिसुजाणीचंद्रा
यणोकह्यो॥चंद्रायण॥गोरीहथीचुडि
याःचुडीरातडीयां जाणीदतीमलसंध
लीधतीबंगडीयाः धतीबंवाडीयाकेद्र
वरनषोयाः रातांचोरमरीरवीराजेसुपराः
परिहांजाणीकलागीआगिपहडजेपराः
बलेसुजाणीदुजोचंद्रायणकह्यो॥चंद्राय ॥२३॥

णु॥ पाड़ीछीमकेबीछीया: ॥ पायलनूपरत्र
णअरवटदमकेदादरा॥ जाणीकबुठेमेहक
घमकेघाघरा: ॥ नेणासेणसेणककोरेत्रा का
मणी: ॥ परिहेंडुधकवरणीआभीभलकेरा
मणी: ॥ बलेसुजाणीदोहाकह्यो॥ दोहा॥ चा
लतनेत्ररबधेरा॥ जाणीकछुटीयाछावेरा: ॥
नीलीजातोदीसेनीरैरै॥ सोहधणरांअसा
मरीरैरै: ॥ मदरमेआवेछो॥ एकसाडुका
रकाबेटाकीबडुभरोषामेसुंणाकेछो: ॥ जी
हदेषीरदोहाकह्यो॥ दोहा॥ रेनिगलंतीरंग
मे: ॥ स्तीमनषणसाजि: ॥ पीवतजिचालीस
हरमे: ॥ कहेसुंदरीकीणकजि: ॥ जदिसा
लेंगपाजुवाबदेछे अरदोहाकह्यौ॥ दोहा॥
मषीएकसजनमहेकीया: ॥ जाणीकनीबु
बागि: ॥ तोडआपणीचाप्यानहो: ॥ रह्याउमा

51 हालागि:॥ जदिसाडुकारकोवेटोवोलो थे
॥२३॥ कुणस्तुवतलावोछोथुकैहैरिआपभीदेषी
बैसागेपा:॥ जदिसुरछागतिघाशेअरषडिग
थोपडिवालागेपा:॥ जदिपकडिहाथअरवे
ठोकरयो:अरदोहोकह्यो॥ दोहा ॥ हेहती॥
यारीपापणी:॥ डीसडीनीजरीनजोडि:॥ मा
रयोछोमोहबलहो:॥ वेठीछीघरपाडी:॥ जदि
सालंगपादोहोकह्यो दोहा॥ मोटेपामंदिर
टबै॥ टुटैगजहसतीरादंत:॥ डीतनोभलोक
रिमानजेपा:॥ थारोजीवतपायोकंत:॥ जदि
साहकाबेटाकीवकुदोहोकह्यो॥ दोहा॥ तु
वेटीपरधानकी:॥ थारैनैनदीयाकरतार:॥
डीसीनीजरीनचाहिजे:॥ तुचलतबटाउ
मारि:॥ जदिसालंगपाउवाबेटरीदोहाक
ह्यो॥ दोहा॥ काजलसारांदसमरै:॥ सीसगु ॥२३॥

52

याग्यावीसः॥बीदलीचुरजडावकीः॥नोनी-
तीकामैरछतीसः॥एकबचनाम्हबंधीयाः॥
जायमीलीस्पाभ्राजिः॥बैनेजुबाबेदईर
देकुरानेचालीः॥सालंग्पातामांहीगईः॥
स्तुजाणीबारेणउभीरहीः॥आगेदेयेताभ्र
मलपाणीमेसोढ़हे॥जदिसालंग्पादोहा
कह्यो॥दोहा॥संदेस्रछीसालंग्पाकहै॥कुवा
कोणदवालः॥जाणिकलंकालुटिस्पाःभ्र
लागयाभ्रमलः॥जाग्पाकोईनदीफेरीसा
लंग्पादोहोकह्यो॥दोहा॥संदेस्रछीसालंग्पा
कहैः॥दोरावणसहेणः॥करिदेवीमीलाव
णो॥पारानगरीमभेणीः॥जदिसालंग्पादो-
दोहाथमेलीष्योः॥दोहा॥जदंराजावीजेपा
लदिः॥पारानगरीछेवधिः॥वेगाभ्राज्योबा
लहाः॥आसापुरणतिथिः॥जदिजाग्पाकोई

53 क्री:॥ जदिसदेश्रमकोसुवापीजरामेछो:॥ ज
॥२४॥ दिसालंगपादेषिदोहोकह्यो॥ दोहा॥ सुवा:
सुवा:सुवटा:॥ थारीलीलकलाय॥ कुंश्रा
ईजागपानही:॥ सापीभरज्योभाई:॥ जदिसु
वेजुवावदीयाश्ररदोहोकह्यो॥ दोहा॥ दे
दीतीयारीपापणीकुडीवंधुभाषंत:॥ कोठ
भणमराजाईसीकुडीसाषिभरंत:॥ जदिसा
लंगपादोहोकह्यो॥ दोहा॥ सुवासुवासुवटा
थारेपगाजनेवर:॥ कुंश्राईजागपाक्री:॥ सा
षिभरिज्योवोदेवर:॥ ये दोहो कोहेरवारण
श्राई:॥ बारानेसुजाणीडेभीछो:॥ बाग्रेद
लगीरदेषीश्ररचंद्रायणोकह्यो॥ चंद्रायण
जोबनचढमाश्रपारघटामहेमंतरी:॥ तेरैनेन
नडेपरिरियचीमकेवीजरी:॥ तेरहाथांमहे
हीराचीश्रधिकसुरंगरी:॥ परिहांनीकसी ॥२४॥

54

नेनकुराशीकलितउमासरीः॥ जदिसालंग्पा
जुवाबदीया॥ जुवाब॥ मेषलणश्राशीसी
कारकःस्यघनहिजागियाः॥ मेकीयापम
काबाणकणनहीलागियाः। मेदेष्पानही
पोरसपाणकभरमनहीभागियाः। परिहां
मनमेरहीउमककवाचापालियाः॥ जदिसु
जाणीकहीवकबरजीनेकाशीकुंवाः॥ जदि
बलेसारंगपाजुवाबदेरीदोहाकहीः दोहा
सषीसजणगुणनेः॥ श्रोगुणगुभीनेतभीः
ढुंढोलोढोलाकीयाः॥ भरमनभाज्पाजेमिः
बलेफरिदोहाकह्यो। दोहा॥ खुषीएकतस
जणः। म्हकीयोजहानीबुबागिः। दिष्पापणी
चाष्पाङ्गी स्याउमाहालागीः॥ जदिस्तु
जाणीबलेचंद्रायणोकह्यो॥ चंद्रायणो॥
काजलतीलकबणाईबणाईमंडपचित
मंडियाः। चीरनहीमलवट श्रधरनषंडिया

55

कुसमावलीमहमंतअधरनखंडियाः॥प
॥२५॥ रिहांकेहरिकेमुषिमासकीसीविधिछुटी
याः॥जदिसालंगपाचंद्रायणोकह्यो॥चं
द्रायणु॥सजिसोलासिंगारसोतोपीवकर
णः॥ताकीचलीगुणवाणउंसीकुंमारणो
मेकीयासंघकारुपककायरहटियाः॥
परिहांकेहरिकेमुषमासअसीवीधीछु
टीयाः॥जदिसुजाणीचंद्रायणोकह्यो
चंद्रायणो॥मनजोबनमहमंतउलटीया
नारहैः॥आशीराजकवारकमीलीबादि
कुंरैः॥आगेमदेबछीरह्योसोयकअम
लाआकराः॥परिहांसालंगपामनभंग
कःमीलीस्याघराः॥जदिसालंगपाचंद्रा
यणकह्यो॥चंद्रायणु॥सबेदीहाडाग
षकःरातीनीरमलीः॥अतिलसआधिग्र
गिकसारीकामलीः॥परष्यानआंपियादी ॥२५॥

ठकाअपपीत्रमाणीया:॥परिहांरुठाभुपा
लकातुठनाबाणीया:॥जदिसालंगपाघरां
नेआवतांदोहोकह्यो॥दोहा॥चंदणबासक
पुररस:॥सीतलअंगाप्रवाह:॥मनरंजणगु
णबुभ्रणा:॥कदीमीलीसीनाह:॥जदिसालं
गपाआईमहेलामाही अरजकरी:॥देबीजा
नकोयमानीनही॥अरदोहोकह्यो॥दोहा॥
पानगरीबीचीदेकुरा:॥नवीचुणाउंजारी
देबीजातमानीजी:॥कुआशीपिछताशी:॥
जदिएोकह्योमहारीदेकुरापानगरीमेचु
णाउं:॥सीताबीजाइघडीएककीढीलमती
करा:॥चुणायाबीनाभेलाहोयलातोदोन्यां
नेआधाकतुली:॥देकुराचुणाडी:॥पुजाक
रिभेलादोयग्रज्या:॥जदिसादकदीकांशेबी
चार:॥जदिसालंगपाअरजकरी:॥कागदमा
डीमाढातलेषीदारो:॥अरयोरुमाडीचोाद

57 मदांकेकासीदआयोछे॥ सोयाकहेछेः॥ सा
॥२६॥ हजीकोमीलनहीछेः॥ आपसीनावीचा
लो घडीएकआगेरहोमतिः॥ अरजानेन
मीछोडिआज्यो थेजीमनाहोतोचलुआ
णिभरिज्यो॥ योकागदमाडिमाटातलेभे
जो॥ जदीसालेग्पासमनमेयाजाणीः॥ मवा
रहोसीतोः॥ कवजीजानरोकीसीः॥ आर
सौरेजदारहोसी॥ जदिसाहपदमसीसा
रानमरकासाकुकारोनेबुलाईरपुछी
उहठाकोकागदआयोछे॥ साहजीको
डीलनहीछे॥ जीहकोकाईवीचारकी
जे॥ साराकहीआबारहीपेहरावणीकरो
आबारहीसीषद्योः॥ याहकाघरमेयही
छे॥ जदिसाराहीमीसलतिकरिदेहीक
द्यो॥ रुपेयामहोरपेहरावणी॥ पहरावोसी
रदारः॥ हमतोदीज्यदायजेः॥ घोडाबादी ॥२६॥

लारिः॥ जदिसाह्हथणीमगाइीः॥ घोडा॰
उटमगाइीरसोनारूपाकीसाषतीसंतुलगा
ड़ी॥ सुजाणीछोकरीसांपिदीक्षीः॥ रुपैया
म्होरपहरावणीकरीः॥ अबारदीसीषदी
क्षी॥ जदीजेनत्याघोडाऊंटम्होररुपैयाः
गोटेदेवांनेनीजरीकीयाः॥ बाहनेदणछो
सोत्तोराष्याः॥ बाकीकोओहोटोफेरीदीनो
रातीमीषदीक्षीः॥ अरचटीचाल्याः॥ चाल
तांसुजाणीचंद्रायणोकह्यो॥ चंद्रायणा॥
बालकचितबदनककारिणीबाचैरः॥ लो
गकेहेरावनकचालीसासैरे॥ लिष्याबीधा
तालेषःलेचाल्योबाणियाः॥ परिहामनेमे
धोपाएव्कवरनदीमाणियांः॥ जदिभोजा
ईचंद्रायणोकह्यो॥ चंद्रायणु॥ बाईजी
म्हेलांबाहरिआईकमनमेलावंतुकरयाः
हाथीघोडाऊंटदाईजेमहेदीयाः॥ सगला

51 भेलाहोयराजीमुकलायस्याः॥परिहासा
॥२७॥ सरीयेदीनच्यारीकवेहाङ्गिमगाईस्याः
अरसहरकेबारैआरा॥जदीगाव्रकाका
कडमालेवावाधोडीमल्हालीबोलीः
अरजीमणास्यालकुवाः॥अरसाह
केबैटवहणउनैदोहाकह्यो॥दोहा॥
दोन्युवाडीबोलिया॥म्हालालीअरस्या
लः॥एहतोसुगनकीसडाकुवाः॥व्यारो
घोहसुपालः॥जदिसुपालव्योराकह्यो
बाइतोम्हालीबुरी॥अरबुराजीमणा
स्यालः॥कारीसीपीहरमासेरोः॥डीहन
गरीमभारिः॥बलेदुसरोदोहाकह्यो दोह
दोन्युवाडीबोलिया॥मल्हालीअरस्याल
घेतोमहीरहस्याः॥सुणिहोराजकवारः
एहदोहासुणिसाहकोवेटोदलगीरहो
डीगयो जदिपहरेककेतउकेकवरजी ॥२७॥

60

देकुरामाहीसुजागेपा॥ अमलउनरिगयो।
सुद्धाकोपीजरोहाथमेलीयो॥ अरसुवेदे
होकह्यो॥ दोहा॥ बचनवंध्यापरनारिसुं
ज्याहनेकीसाअमल॥ नीहोराकरिका
रिउठीगई॥ जाणिकवलियाअमल॥
वलेकवरजीदोकह्यो॥ दोहा॥ हरीजथारी
पोषडी॥ लालचूंचथारीआंति॥ मुवानु
तामदाहरी॥ कुडांवेणनकथि॥ जदिसु
वेजुवाबदीयोअरदोहाकह्यो॥ दोहा॥
कुडांवेणमकथिसा॥ सांचीकस्यावात॥ क
वरभेरोसोनांपडे॥ दिवीसभालोहाथ॥ ज
दीकवरजीहाथसभाल्यो॥ देषेतोपीकत
णुगाहोमङ्योछे॥ गाहा॥ पीकतणगाहो
मङ्यो॥ कीरवाचतमङीआस॥ सुवानेतो
धनिधनिकही॥ जदिआयोविसवास॥
जदिअसवारकुवो॥ जदिआडीगहलमें

चढिगयाः ॥ आगेराणीभिजमोलीपोढीछीः ॥
||२७|| पीलसोनिबलीछीः ॥ अरकवरजीनैदेषिउ
ठीबैठीकुडीः ॥ छातीसुदायलगायसलाम
करीः ॥ अरजकरीअएचंद्रायणोकह्यो ॥ चं
द्रायणा ॥ बीणीनागेगलिहारःकंतकहापा
डीयैः ॥ नेणभष्यानबालमुषीनहीचाबि
याः ॥ काजलकालीरेषकःदीसेअहरत
लीः ॥ परिहांजेषाजीपरमांसनागूढनबा
धीगलीः ॥ जदिकवरजीचंद्रायणकह्यो
चंद्रायण ॥ रहोरहोगेलीनारिकःगाल
जिनीकारोः ॥ अपणीजांघउघाडिकला
जाजिनिमरोः ॥ बालकपाल्याचीरपथ
रकपुराडियै ॥ परिहांगीलीयागाढीरतन
उदकीसीफाडियैः ॥ जदिराणीचंद्रायणो
कह्यो ॥ चंद्रायणु ॥ कंतापरिघरिजाहीक
बातांनुकरैः ॥ कोईकछाईलछैलफभैके ||२८||

संभरे:॥ जेसीवेदनवोयीछेसी अंषियां:॥ परि
हंसोटे मोटीकोरमराड़ीबेटियां:॥ जदीक
वरजीचंद्रायणोंकह्यो॥ चंद्रायणा॥ वाकी
तोवदनाभीमेरेसीरचढी:॥ कुंडीहोतीवात
सोतोसाचीपडी:॥ नोवेचष्योपमउंसीहील
जियां:॥ परिहंभणांभणंकानभाजिकडं
कावाजियां:॥ जद्दिराणीचंद्रायणकह्यो॥॥
चंद्रायणु॥ पंचवडीषंचवडीपंचधुन्नअंषियां
मल्होजबनजोईप्रेहेगहेअंषियां:॥ थेछो
नाहस्तुजाणकसीनुदीठियां:॥ परिहांअ
षडलीमनलारकनामनअंषियां:॥ जदिक
वरजीचंद्रायणोंकह्यो॥ चंद्रायणा॥ सोवनदु
पसरुपस्तुवासनयाडीए:॥ लोचनअंषमित्र
गसोनारिनदीपाडीये॥ नागरबेलिनीरफल
कन्याबाअंबली:॥ परिहांरंकोंकीरामवि
धाताबावली:॥ जदिराणीचंद्रायणकह्यो:॥

दी

63

॥८९॥ चंद्रायणा॥ परिनारीसुं चीतकबनहीलाइी
ये: जैलाईये चितनेहिनहीलाइीए: जे
जाईयेदिननोरैनी नहीसाईए: परिहाप
डै अचाणकधाडीनासीसधरपोइीए:॥
जदिकवरजी चंद्रायणकहो:॥ चंद्रायण
ज्या बीछीबीसबलीसोकडवानामरे
ज्याहरापीलीयाहेमरपसोबीछीसुनो
डरे:॥ ज्याहसुलागपानिहजीनुबिनिना
सरे: परिहोबातडली जुगमाहि:कथी
वाडेबेरे:॥ जदिराणीदोहोकह्यो॥ दोहा॥
कंथाकाईकरगहो:॥ करिकेवोडीनीवा
द:॥ सोकीसालसालेछी:॥ याहसालेउ
रमाही:॥ जदिकवरजीचंद्रायणोकह्यो
चंद्रायणा॥ चालेगीणीचालकौणवरमो
तिया:॥ लेकधोवहथमांहीकजाणलगि
या:॥ जाकीनीजरीहोइीपुरषगरदीया:॥ ॥८९॥

परिहांजाणीकसावत स्तुरपडआरणमाहियाः
जदिराणीचंद्रायणोकह्यो ॥चंद्रायणु॥ म्हेछो
रूपकारूपकलावोमाखियाः॥परणुराजकवा
रकाउँसेउँणीहारियाः॥मात्तमहारीसीषसु
णुमेरेसाडीयाः॥परिहांलोगकौरेओरीरकप
रिवरिजाडीयाः॥जदिकवरजीचंद्रायणेःक
ह्यो॥चंद्रायणा॥ओराकीसबदेहकवाकी।
आगलीः॥ओरसबेफुलवाडीवासचंपाको।
कलीः॥दुहतलागेवारकसेजांउँपरेः॥परि
हांरंभाकेओतारकसभ्भरिकोकरेः॥ज
दीराणीदोहोकह्यो॥दोहा॥सबओगणी।
आयदिस्लोगेः॥परकातीलगेनकोडीः॥क
वरजीचीतउँछाटियाः॥लीष्याविधातासो
डीः॥जदिकवरजीदोहोकह्यो॥दोहा॥सो
पातरीराणीसबैः॥उँसैकोडीनगातीः॥जीह
परिवरतजघारियाः॥सोलाउँपरभातीः४॥

65

याकहीस्यरराणीनेमांहीगडीः।।अरकवर
।।२०।। जीवारणैआया।।अरखवासहजुरिआ
या।।दोतणकरावालागेपाः।।वारता।।और
हाथमेस्यैतोगाहोनीसल्यैः।।जदिसरबा
रमेउमरावांनेबुझीयाः।।सालंग्यापाकीजान
गडीकछेः।।जदिउमरावांकैम्हैंतोकोइजा ही
णानहीः।।आपपेकेनेखीनाडीसमाचारम
गावोः।।जदिपेककहीभलोफुरमाइः।।ज
दिपेकसहरमेंगयाः।।जायअरपेकणकै
नेबुझीः।।सालंग्यापाकीजानगडीअकछैः।
जदीकहीवाहतोरातीहोकीउठिगडीः।ज
दिपेकहजुरीआयाः।।अरकवरजीनेका
हीम्हाराजिसालंग्याकीतोजानरातीहो
कीगडीः।।जदिकवरजीसाराउमरावांने
बुझ्याः।।आपलारचालोजदिकवरजीनेक
हीः।।भलाफुरमाइः।।जदिकवरजीघोडा ।।२०।।

कोसाहणीबुलायो:॥ जद्दिसाहणीकहीफु
रमावो॥ जदीकवरजीकही:॥ पचासघोडाउ
परि:॥ लालपीलंकालीकीजातीकाजीन॥
बणाईअरहजुरिलावो:॥ जदिसाहणीदो
होकह्यो॥ दोहा॥ ताजीतुरकीवखाणां:॥
औराकीसीधार:॥ घाटीजातीपंधारका:॥ ए
कासुएकअपार:॥ जदिकवरजीदोहोकह्यो
॥ दोहा॥ औसाल्यावोसाहणी:॥ चालैसो
सअसवाति:॥ नीलाओरअराकीया उप
हवीठेचीजाती:॥ जदीसाहणीपायगामें
गयो:॥ सारीपायगादुढी:॥ पचासघोडा
एकसूरतीकाल्यावो:॥ हरीपीरतकाु
लीकालीघासाजीनबणाया:॥ अरक
वरजीकीहजुरील्याये॥ जद्दिसाहणीदोहो
कह्यो॥ दोहा॥ लीलाजातीपधारकी:॥
सागमेसीरदार:॥ कोसजचालेपांचसे

67 कंदेन आदेहारिः॥ जदिसाहणीनेतो सीष
॥ ३१ ॥ दीनी॥ तो साषसी बुलायो॥ तो साषसी ह
जुरि आयो॥ जदिकही महाराजी कवर
जी फुरमावो॥ जदी कवरजी कही: पची
समीरपाव सीकारकासाज कात्यावोः
जदितो साषसी दोहो कह्यो॥ दोहा॥ हरी
ताजलील कसीघधणु:॥ अतलसजीर
अपार:॥ सुवापंषी बापका:॥ ज्याह सुभरा
भंडार: जदिकवरजी दोहो कह्यो॥ दोहा॥
हरियाज महघामोलका: इकवर णअ
सवार:॥ ल्यावो काठि पचीसहीः पहेसा
राराव:॥ अरआप पहस्याः॥ सारां के सीका
रकासाज बणाया:॥ अर सीकारको मीस
करि चढिचाल्या:॥ अरगाव कोकाकड
नीसरया:॥ जदि वाबेतीतर बोल्या: ॥ अर
जीमणा स्याल बोल्या:॥ जदि कवरजी दो ३१

68

होकहो॥ दोहा॥ वावातीतरबोलीया॥ कु
वाजीमणास्याल॥ कुणवातजवाकुरो॥ सा
रोहीखुपाल॥ एकउमरावकोबेटोभूपा
लदे॥ सोणमाहीसमभेछो॥ जदीकवर
जीदोहोकह्यो॥ दोहा॥ येमकुसलसुत्रा
क्रीस्या॥ जोडेल्पास्याहोइ॥ जीहीकार
णम्हचालिया॥ सोकारीजसीधीहोइ॥
जदिकवरजीकहीदुसरोकोठाआइसी
जदीएकएकोहोस्पु जोडेबोल्या॥ जीहसु
जोडेही आइचाहीजे॥ पणीकंदुहीलहो
यसी॥ जदिकवरजीराजीहुवा॥ आगेत्रा
बोकाबीडामेकोइलबोली॥ जदिकव
रजीदोहोकह्यो॥ दोहा॥ भाषाबहोतसु
हावणी॥ बोलेमधुरीबाणी॥ असोजको
इचवछे॥ इहमेसमझेजाणी॥ जदिए
कउमरावकोबेटोसांवतसेणछो॥ सोरा

69 कोकीलासासत्रपटैमैछे: ।सासाराजीना
॥३२॥ वराकीभाषामेसमझैछेसोवाइबोल्या:
दोहा॥ येकतोबेटीसाहकी: ।दूजीराजक
वारी: ।लिष्याबीधातानंमिटै: ।ल्यासीयो
हसीरदार: ॥बात॥ जदिकवरजीअरसा
राकह्योयाहतोठीकपडिजासी: ॥ जदिक
वरजीराजीहुवोचल्याज्याहछे: ॥ आगेए
कडोकरीछाणाबीणोछी: ।गेलामाहीजी
हैनेएकउमरावकैबेटपुछी॥ याहमारीग
कोठजासी: ॥ जदिडोकरीबोली: ॥ वीरा
थेकोठजास्यो: ॥ जदीवाहकहीबीराम्हे
तोसीकारजावाछा॥ जदिडोकरीदोहो
कह्यो॥दोहा॥ मारुदेससुहावणु: ॥ जैठ
नगरजपार: ॥ लषमणासुततेतापरणगयो
जीहीकाछोलणीहार: ॥ जदिकवरजी
कह्यो॥ ढुनेजानकाकहियायाहोसी: ॥ ॥३२॥

70

जदिडोकरीकदीवी ..झंझीजाणुलु: ॥ जदी
कदीमहलतावढ़कोइीडी: ॥ जदिडोकरीदो
होकह्यो: ॥ दोहा ॥ अरकसदरबारोराजडी ॥
सदवडीयारोनाव: ॥ जीणीकारजीयजा
वोछो: ॥ सारअहुतीगव: ॥ जदिकवरजीदो
होकह्यो ॥ दोहा ॥ अगमजीगमकीवारता
कह्याजसाराझंतत: ॥ कंहेतो कोइीसीधमि
ल्पा: ॥ कंदेपढीवेदअनंतत: ॥ जदिडोकरीफ
रीदोहोकह्यो: ॥ दोहा ॥ कंदेनम्होनेसिधि
मिल्पा: ॥ नाझंवेदपढंत्त: ॥ सुरासुरामाव
ता: ॥ ज्याकारुदनषंत ॥ जदिकवरजीवु
जी: ॥ मातासुरपुरामावताकाबुझभष्या ॥
कांइीगुणहोडी: ॥ जदिडोकरीदोहोक
ह्यो ॥ दोहा ॥ जराकंदेनव्यापीसी: ॥ कंदे
नआवैकाल ॥ झंछतसीकोतरी: ॥ नुखु
णीज्यादोभ्रपाल: ॥ जदीकवरजीदोहा

७।
कह्यो ॥ दोहा ॥ तदि म्हांने सी धी मिली ॥ मह्या
२३॥ ने आगम बताई ॥ जीह कारणी म्हे जावांछां
सो आसी क नहीं ॥ जदि डो करी दोहो कह्यो
॥ दोहा ॥ छह महीना की आगिली ॥ क
हूं जसारी आजि ॥ जो जो थाम बीलसी ॥ सो
रवताउ आजि ॥ जदि कवरजी बुझी मा ता
म्हांमें काई बीलसी ॥ म्हे जो पसो पस्हनी
का आस्या क नहीं ॥ तुम्हांने होई जीसी
ही कहे ॥ जदि डो करी दोहो कह्यो ॥ दोहा ॥
जो गज मोटा छीयरी ॥ करी सी बकुला
दांव ॥ एक जबेटी साहकी हूंजी देसी राव
जदि कवरजी कह्यो ॥ वाह तो आसी जदि
या ही ल्यास्या ॥ पाणराजा म्हांने काई जा
णे ॥ जदि डो करी दोहो कह्यो ॥ दोहा ॥ ली
ख्या जबहका नां मिटै ॥ कुंकं कुं आगम बिचा
रि ॥ अनधन मिलीसी बकु घणां ॥ देसी रा ॥२३॥

जकवारि:॥जदिडोकरीनेऽकरेकरिचाल्या
चालतांदाडीदीनअरतीनरातीकुडी:॥पर
भातीदीपारानयारीकैगारवेगया:॥पणीजा
एंपुकोडीनहीं:यापारानगरीछे:॥सारादीसा
थकाछेकही:॥चालतांदोडीदीनअरती
नरातीकुडी:॥अठेठेतरीजे:॥अगेगेलापु
छीजेजदिएकतलावकीपालिऊभारह्या
अरदांतीणकारवालागा:॥अरकाकरजी
पांणीदुकीअरपीबालाग्या:॥जदिपणि
हारीदोहाकह्यो॥दोहा॥१चंगोमाडेदेखु
बी:॥पाणीपीवेकंगुडुगी:॥कररषेउरभी
जेव॥कांडीअलुअंगि जदीडुसरोदोहो
कह्यो॥दोहा॥पसवजीभीपाणीपीवे:नी
रनलावेदाथी:॥कुंतानेबमुहेसुषी॥डीए
नरडीसीकवथी:॥जदितीसरोदोहोकह्यो
॥दोहा॥रीग्योछोपरनारिसह:॥गयाभुलावो

73 सथिः॥ वातुनीरोहपुछीयाः॥ काजललगी
॥३५॥ गरोहथीः॥ जदिचोथोदोहोकह्यो दोहा
रीस्याछोपरनारीसं॥ गयोबातत्र्कथीः
काहीकेरैकुंकुंत्र्पीताः॥ गाहेलीयीगडी
हथिः॥ जदिकवरजीदोहोकह्यो॥ दोहा॥
ऊतिमजातीसममीकरिः॥ मुदीज्ञीभाषंतः
हूंसरवरोहंसडो॥ जलछीलरैनडुकंतः
जदीकवरजीगाहोकह्यो॥ गा हा॥ काजल
बहेत्रंषिकरीकारी॥ सीसमांगमुथीपणि
हारीः॥ हूंतोनेबुमुहेसुपीहारी॥ थेकुण
नगरकीछोपणिहारीः॥ जदिपणिहारीगा
थोकह्योः॥ गाथा॥ धाईबहेनोरलीपीरः
पहेरैबुटाजरीचीर॥ पीवैनीरमलनीरः पं
थीयाहपारानगरीः॥ जदिकवरजीसालं
गाबेहीबुमीः दोहा॥ नणसुरंगकुरंगघ
णः॥ मुषीजलहरबरषंतः॥ साहसुदरीडी ॥३४॥

णगोठमेः ॥ आईनाचकरंतः ॥ जदिपणीहारी
दोहाकह्योः ॥ दोहा ॥ रीमेपांआयाबालहाः ॥
आगेछेपरदेसीः ॥ सादपदमघरिमीकरोः ॥
रुपाघरांलहीसः ॥ बात ॥ पाछेसाथकांने
कहीः ॥ यावुरोईणनगरमेंआईछेः ॥ पा
वानगरइणहीनगरीकोनावछे ॥ जदिसा
यकाकही ॥ कोठेइंकांनडेरावकरोः ॥ जदी
बागकीबीचारीछेः ॥ जदिअसवारहुवाः ॥
जदिपीपलऊपरेपरवोबोल्योः ॥ जदिकाव
रजीदोहाकह्यो ॥ दोहा ॥ भेरवासरीतली
ऊपरीः ॥ चटिकरिकेलीकरंतः ॥ सालगणा
संदेबीरछीकदेः ॥ कोइअफल्याबीरछ
फलंतः ॥ योकहीवागकासुडाआगेआ
णेभारह्या ॥ आगेबागीवानऊभोहोजी
हैमेनुंयोः ॥ याहवागकुणेराछेजदिवाग
वानिकही ॥ याहबागलीषमीसाहकोछे ॥

75 जदिकदीचनेकमदानउतरिबादेः॥जदिश्रा
॥३५॥ गवानीकहीसाहजीकेबीनाकुकमकोई
उतरिबाचुनहीः॥जदिएकरुपयोदीयोः॥
जदिवागमेगयाः॥आगेमालणीमालगु
थेछीः॥जैदेकवरजीजाईउभारह्याः॥आर
साराउमसावबिरछ्यातलेजायउभारह्या
पाछेजाजमबीछाईबैठाः॥जदिकवर
जीपुछेत्राः॥दोहा॥कीणीराजारीडीकरीः॥
कीणीराजारीनारिः॥कीणीकारणीथगु
थीयोः॥मालणीमालगुधारीः॥जदीमा
लणीजुवाबदीयोः॥साहपदमधरीडीक
रीः॥लषमणसुतघरिनारी॥जीणीकारणी
म्हेगुथियोः॥षासाबहोतसुधारीः॥जदि
कवरजीएकमहोरदीनीः॥अरयोकही
तुम्हानैरोटीकरीदेः॥मालणमेहगुथस्याः
जदिमालणीतीरोटीकरीबालागीः॥अ ॥३५॥

रकवरजीमालागुथीवालाग्याः॥ अरचंपा
कीकली:॥ अरगुलाबकीकली.॥ औरजा
यकीकली:॥ और अनेकजातीकीकली
नेवाआलगाडी:।बीचिहीरामोत्याकाप
दमपाआः॥ बहोलघासाबणायोः॥ अर
वीचीदोहोलीष्याः॥ दोहा॥ सापाहंदीवा
डीकरीः॥ स्यंघरषवालावेधीः॥ जोजमरा
णापारधीः॥ तोआंणिमिलाउंतुम्हि:। याद
दोहोलीषीवांचवामांहीम्हेल्याः॥ अरमा
लणीरसोईकरिचुकीः॥ अरकवरजीचं
द्रायणकस्योः॥ चंद्रायणा॥ बीचीबीची
हीरालालकनगजडाव़जीः॥ चंपाहंदीक
लीकफूलगुलाबजीः॥ अरपायोंनेसरदा
रकबहोतबणाईयोः॥ परिहांरीकेसाहक
वारितोफेरीगुथाईयोः॥ जद्दिमालणीछा
बडीमेघालिअरलेगईः॥ जाईसालंग्या

77 कीहज्जुरीमेहलीहीकुः॥जदिसालंगपाकोच
॥३५॥ बोउठायअरदेष्योः॥देषैताबहोतचतुराइी
कोगुष्योछेः॥मनमह॰॰॰तराजीकुइीः अ
रचंद्रायणुकहोः॥चंद्रायणो थोरागुष्यो
हारकम्हेताजाणियाः॥लीकुहारउठाय
कहायपीछाणीयो॥पायोबहोतबणाइी
कचत्रस्तुजाणियोः॥परिह्लाकेहैनेसांच
नीधानकठास्तुआइीयोः॥जदिमाल
णिचंद्रायणोकहोः॥चंद्रायणु॥आइी
म्हारीभणाकचत्रस्तुजाणियाः॥स्तुरतिवा
कीपुबकेनेनकटारीयाः॥गुष्यापुलडी
पाडिककाचुबाहीयाः॥परिहांकाह्लिमी
लाउथ्रायकच्छावेदाइीयाः॥जदिसालं
गपाकहोः॥दोहा॥थोरेअायापाकुणाःम्हे
नोगयाजजाणिः॥वेहतीअायाहुरस्तुः॥
केहैनेसाचनिधानिः॥जदिमालणीदोहो ॥३६॥

78

कह्याः॥दोहा॥इकबरणासीरपावेछेः॥एक
हेंडीसीरदारः॥एकजेबेठेआपालिकेवाछेरा
जकवारः॥जदिमालणीनेकह्याः॥एकसी
रपावएकरूपयोः॥अन्यामकोसुजाणीक
नासुंमगायदीकुः॥अरमालणीनेबुझीः
वेकीउमरीकीतीएकछेः॥सुरतीकीसीए
कछेः॥जदीमालणीहाथजोडीकरीकही
उमरीतावरसवीसएकवीनीजरीआवेछे
अरसुरतीसुरजकीसीकीरणीदीपेछेः॥
अरनेणमसालसीबलेछेः॥अरलीलाट
जीगमजगारकरेछेः॥अरगहरोबोलेछे
अरम्हेंहोचोकोरनाहरकोसोछेः॥अरसु
रवीरछत्रीछेः॥अरसावंतअजाणवादछे
अरअसाहीसारासाथकाछेः॥अरनाव
तोमकोशीसुछेओजीः॥जदीमालणीनेका
गदमेचंद्रायणुमांडिदीयाः॥चंद्रायणु॥सा

79 पाहंदीबाडीकहोयच्चलंगधरः॥पेडेगुंजेसी
॥३१॥ हकःबरसैमेघधरः॥आधिरातिअधेरीकेबी
हजलनेवहेः॥परिहांजोजमचैाकीहोयतो
करतानारहेः॥जदिसालंगपायोकह्योः॥बा
हकावहोतमांतिजतनकीज्येः॥जदीमाल
णीसीषमांगिचालीः॥जदिसुजाणीसालं
गपानचंद्रायणुकह्यो॥चंद्रायणौं गल्लिमेप
हरियाहारकनमीलीयासांईयाः॥कीयाब
हौतउछाहकनेणसीलाईयाः॥रीझीसाह
कवारिकहीबधाईयाः॥परिहांजहकी
ह्मालेछीवाटः॥सोनोपीवआईयाः॥जदि
सालंगपाचंद्रायणुकह्योः॥चंद्रायणु॥सोचा
कीयाउछाहकबाचापालियाः॥करस्या
वहोजतनककुलउधारिस्याः॥कोईकरो
उपावकम्हेलाल्याईस्याः॥परिहांसबत
जिआयोकंतकः॥बहोतरिकाईस्याः॥ज ॥३१॥

80

दीसुजाणीचंद्रायणोकहो ॥ चंद्रायणु ॥ रमी
स्योमहलांमांहीकः ॥ महेसुषपायस्याः ॥ म्हां
नेकहस्योराजिनोश्रासीमीलाईस्याः ॥ जी
स्याबहोतमुसालकःसेजबीछाईस्याः ॥ प
रिहांसुतोदोसीनाहकतोश्राणिजगायस्या
जदिमालेग्पादोदोकह्यो ॥ दोहा ॥ बेहेतोबा
चापालियाः ॥ जीणीरामाचानेदः ॥ बहेकीसु
रतीउपरेवारुसगलीदिहः ॥ जदिसुजाणी
दोहाकह्यो ॥ दोहा ॥ वाहांनेमोरसबमीलेः
राणीबहोतषवासीः ॥ थापरिबरतघालियो
थेचालोवाहपासिः ॥ बात ॥ जदीमालेग्पा
कहीसुजाणीकोईजननकरिल्यावः ॥ ज
दीसुजाणीकह्योबहोतभलांः ॥ जदिमाल
णीबागमेगईः ॥ अरकागदकवरजीका
हाथमेदीयाः ॥ कागदकवरजीसनमांहीबां
च्योः ॥ जदिमालणीनेबुझीः ॥ तुनेकांईदीया

81 जदीमालणीकहीसुनैएकरूपैयोसीरपाव
॥रूण॥ दीयाः॥ जदिकवरजीकहीकंुहातारीछै
जदिकवरजीचंद्रायणोकह्योः॥ चंद्रायणा
कोइीकीयासीगारकमालणीमालणीः॥
आइीपरघरधनारीकआमणडुमणीः॥
सोभावाकीअनंतअपारकैःसुरतीवुबैहैः
परिहाउंमरिवाकीकीतीएकबदोतमहबु
वंदैः॥ जदिमालणीचंद्रायणोंकह्योः॥ चं
द्रायणा॥ गलिमैनोसरहारकःमीलीया
मोतीयाः॥ पायलठीमकैपायकःबाजेबी
छीयाः॥ अतलसअधिकचीरषीचाउंअं
गियाः॥ परिहांकीयासाराइीभेषकनीज
रीनसहारियाः॥ वारता॥ जदिकवरजी
कहीअसीछैः॥ जदिमालणीकहीम्हारा
जीकुंराकुछंः॥ जीहस्तुभीअधिकछैः॥ रं
भाकेओतारछैः॥ कोकिलासासत्रपढीछै ॥रूण॥

जदीकवरजीकह्योः सालंग्पाकोंडेदीसछे
म्हाभीनेदीषाइः ॥ जदिवागवानकहीः प
हेरेकदीनचट्यासुंचोपडीमेरोषेषलेछैः ॥
अरआदिसकतीरवीकोदफुरोचुणावा
छेः ॥ सोसाहकीनीजरीचुणाबामेरहे छेः
अरसालंग्पाकीपीठीदीसछेः ॥ अरसवारे
हीसालंग्पाअरसुजाणीछोकरीफरोषेआ
णिवेवीः ॥ अररुपोसाहकोकवरः ॥ अरसाह
कोजवाईभूपालः ॥ एहदोनुआयाः ॥ अर
सालंग्पादोहोकह्योः ॥ दोहा ॥ हमतुमसादि
वषेलीस्याः चोपडिहंदोप्यालः ॥ एकसुजा
णीछोकरीः ॥ चोथोनणदेईभूपालः ॥ जदि
साहकेकवरिदोहोकह्योः ॥ दोहा ॥ चोपडो
काडीषेलस्याः ॥ षेलोसतरंजनारिः ॥ मनसु
बाजीहेमवधेआवेबुधिअपारः ॥ जदिभू
पालदोहोकह्यो ॥ दोहा ॥ घरमेनारीसुचंग

83

॥ ५९ ॥

होयः ॥ अरधनअनंतअपारः ॥ कोडीचिंतामे
व्यापेनहीः ॥ तोषिलेमाहिवनारिः ॥ जारिस्तु
जाणीदोहोकह्यो ॥ दोहा ॥ षांजेपीजेषलजेः
करजेबहोतहमालः ॥ एकपलकैमेआप
णुः ॥ दोषविराणेंमालः ॥ जदिसाहकेकाव
रिचौपडीमगाईः ॥ अरषेलवैलाग्यो ः ॥ म
हेरमंहेरकीबाजीवदीः ॥ सहकोकवरअ
रम्हेपालदेरान्युभीडीक्रुवाः ॥ सालंगपाअर
स्तुजाणीदोनुभीडीकुरीः ॥ साहकेकवर
पासोलेहाथमेअरदोहोकह्यो ॥ दोहा ॥ जे
औराकीजीतोछेः ॥ तोपडीज्योग्पाराः ॥ पा
सामहारीजीतीछेः ॥ तोपडीज्योपोबाराः ॥
जदिग्पारादीपज्या ॥ जदिसाहदलगीरकु
वाः ॥ जदिसालंग्पापासोलीयोः अरदोहो
कह्योः ॥ दोहा ॥ जेपासातोहिमनायकुंः ॥
म्हारोचाह्योआवः ॥ जोजीतोम्हेपीवस्तुः ॥ ॥ ६० ॥

84

तोपडीजेपापहराडावः ॥ जदीपहराहीपड्याः ॥
जदिसालंग्यामनमेराजीकुडीः ॥ जदिभूपा
लपासोलीयोअरदोहोकह्यो ॥ दोहा ॥ पासा
हाथीदांतराः ॥ पडिजेपाघुरादसः ॥ बाजीसाह
कवरकीः ॥ म्हांनेआवेजसः ॥ जदिरसकोडि
पड्याछीः ॥ छतीननौपड्याः ॥ जदिभूपालक
हीबाजीतोम्हांकेकोयआवेनहीः ॥ जदीसु
जाणीपासोलीयोअरदोहोकह्यो ॥ दोहा ॥
नारीजसोलाबालहाः ॥ थेछोचतरसुजाणः
जेजीतेसाकुण्कवारियाः ॥ तोपजेपासोलाडा
वः । जदीसोलाहीपड्याः ॥ जदिसुजाणीकयो
बाजीतोमहाकीबाजीकीछेः ॥ अरखेलेछेः ।
मुहमाग्यापापासाल्पोवेछेः ॥ चोटामालेचा
टल्पोवेछे ॥ मडाफडीलागीरहीछेः ॥ जदि
सालंग्याकीमारीएकर्डेतरेछीः ॥ जीहकोक
वरजीपोपंजाः ॥ डुवेचाकोबाध्याः ॥ जदिसु

85 जाणीदोहाकह्यो ॥ दोहा ॥ मारी अ्रहुती जाड़ी
४०॥ सी: ॥ आयोजुगहमराह: ॥ पांपंजोथैवाधि
योचुकीगयोछोनाह: ॥ जदिसाहकैकावर
दोतकह्यो ॥ दोहा ॥ पांपंजोम्हैबांधियाः बं
ध्यारोहीअरच्यारि: ॥ कह्यासारीजर्डेतसी:
स्तुणिहोनासिस्तुजाणि: ॥ फेरीस्तुजाणीक
हैछै ॥ दोहा ॥ पासोज्याहकैहाथिछै: ॥ जा
णैसोनाबंत: ॥ पडाअगराजाड़ीसी ॥ थेस्
दीरदीस्योकंत: ॥ जदिसालंगपास्तुजाणी
नेदोहाकह्यो ॥ दोहा ॥ समझायासमझे श्री
जालीबाजीहारि: ॥ आपणौंदावबताय
ये ॥ उछैगहलीनारि: ॥ जदिस्तुजाणीदो
कह्यो: ॥ दोहा ॥ थेषेलोजीष्यालमे: ॥ आर
नसमझेकोइ: ॥ पासोथांरेहाथिछै, रैक० म्हा
स्याकयाहोइ: ॥ जदिभ्रूपालदोहाकह्यो ॥
॥ दोहा ॥ म्हांनेमतीरवताड़ीज्यो: ॥ म्हजाणै ॥ ४०॥

मोहेनारिः॥पासोपछ्यातोजीतीस्याः॥नाह
तरीजास्याहारिः॥बलेसालंग्पादोहोकह्यो
॥दोहा॥गंजपोसततरंजय्यालेमेः॥कंदेनस्रा
वेहारिः॥म्हांस्तुकंदेनजीतीस्याः॥षेलोसा
चबिचारिः॥बलेकवरजीदोहाकह्यो दोहा
ध्यामेचीरतबहोतहेः॥मायाअनंतअपार
सबज्जुगमाह्योकामणीः॥मुनितपसीओ
तार॥बलेसालंग्पादोहोकह्यो॥दोहा म्हां
कारणिभटकतफिरैः॥लेततपसीअरजोग
मनापीयारीअसतरीः॥मीलसीकाइीसं
जोगः॥बलेसुजाणीचंद्रायणकह्यो चंद्रा
यणा॥षेलेषासाष्पालकःसोवेसुषचेनमेः
मीलीयानारीनाहकःअंषियारंगमेंः॥चा
बेचोषापानकःलौगस्तुपारीयाः॥परिहां
जीतीसाहकवारीकसाहिबहारियाः॥ब
लेकवरजीकह्यायातोबाजीहारियाःओ

87 रवाजीलगाडो:॥ जदिमालंगपाकहीगंजपे
॥४१॥ षेलस्या:॥ अरसुजाणीचंद्रायणीकह्यो:।
चंद्रायणा॥ हाथीघोडाऊंटसुपाहीसुरीवा:
पाछाधरेनपाव:धरजभरीपुरीया:॥ षेलेना
रीनाहकचत्रसुजाणिया:॥ परिहांएकमन
सुवाकोष्यालकसोचविचारिया:॥ जदिसु
जाणीनेमालंगपादोहाकह्यो दोहा। वेदपुरा
णअरपारसी:॥ अरपढियाकोकस्रपार:।म
हांसुंकह्याजीतीस्यो:॥ सुणसुजाणीनारि:
जदिमाहकेकवरदोहाकह्यो। दोहा॥ पासा
नोथवांधियो:॥ सतरंजवेधेननारि:।आडा
घोडानाषिस्या:॥ पतिस्यालेस्याऊबारि:।ब
लेमालंगपाकहेछे:। दोहा। पहेलाघोडाना
षिस्या:।सीपाहीसीरदार:॥ पकडीऊंजीरऊ
ठाडीस्या:पतिस्यालेस्यामारि:॥ बलेकवरजी
दोहाकह्यो:॥ दोहा। आडाहरीसीपाहीया: ॥४१॥

करीपतीस्याहसगीरः।घोडाउँटठेडाहीस्या
लेस्याराषीउँजीरः॥बलेसालंग्पादोहाकह्यो
॥दोहा॥पतिस्याकीमतिलगाडीस्याःलेस्या
मारिउँजीरः घोडाउँटउडाहीस्याः मनमेरा
षाधीरः बलेसालंग्पाचंद्रायणौंकह्यो श
णा देछेअबीलनास्किःचीतनडुलाही
येः पतिस्यावरांमेराषिउँजीरचलाहीये॥
हाथीघोडाबचीमीपाहीलडाहीजेः॥परिहं
जीत्याचाहप्यालताडोटलडाहीएः।बलेक
वरजीदोहाकह्यो चीरतघणाहीकां
मणीः येचलावोबीरः।महांसुकोहीनजीती
याः रजपूतांरणधीरः॥बलेसालंग्पादोहाक
ह्योः॥दोहा॥महांमेचरितजरूपराः॥निरमल
बेहातसरीरः॥नेणाहीमेमारिस्याः॥जेयात
रकसकोतीरः॥वात॥जदिकवरजीसतरंज
मेभीहारगया।अरसाहकीकवरिजीतीः पा

४१ तीस्याकुंकीसत्तिलगाड़ी:॥ उजीरघोडाउंट
॥४२॥ सीपाहीमारस्या:॥ ब:ओमहोरमहोरकीछी
सोउंठाडीलीक्री:॥ ओरबहोतपुस्यालीकु
डी॥ अरसाहकोकवरदलगीरकुवा:॥ ब
लेआजिनोदोन्युहीबाजीहास्या:॥ जदीउ
जाणीचंद्रायणौकह्यौ॥ चंद्रायण॥ ज्यांमै
चीरतअनेककामणगारिया:॥ लीक्रीबा
जीजीतीकसाहिबहारीया:॥ पटीकामदु
देसक:साहकचारिया:॥ परिहांसतरंज
हेदोष्यालकपासासारिया:॥ बलेकवर
जीकह्यौ॥ दोहा योहत्तोष्यालउंढाडीयौ:
ओरदुसराकीबाजीमहलस्या:॥ जदीसा
लंगपाकहीदुसरोकीबाजीषेलीस्या॥ जदि
सालंगपाकही:॥ राजसीष्यालत्तोगंजपाई
कोछै:॥ बलेदुसरोष्यालषेलबालागपा
वाजीपांचपांचकपैयालगाडी:॥ जस्सिु ॥४३॥

जाणीदोहोकह्यो॥दोहा॥ज्याहबातांमैवंधन
हो॥षलतसाहिबनारि॥घणापख्यासोजीती
सी॥थोडाजासीहारी॥जदीसालंग्पादोहो
कह्यो॥दोहा॥गंजेपासतरंजसारिसी॥ओ
रनहीसांतुली॥राजकवरछेसाहिबो॥ष
लीनजाणेसुलि॥जदिसुजाणीदोहोमसु
ख़ावदेछे॥दोहा॥उछेनारिसुलछणी॥बं
ध्यासारडोर॥याहीष्यालनजाणसी॥ताउ
रलभष्यालछेओर॥बलेकवरजीदोहोक
ह्यो॥दोहा॥ष्यालघणाहीषलीया॥यामेओ
रजष्याल॥पासेपडेतोबांधिले॥जोहको
कोणहवाल॥जदिसुजाणीदोहोकह्यो
॥दोहा॥याहतेपासोबांधियो॥घरछुडावारा
जि॥नाहतरकदेनजीतीस्पो॥जेथहारा
आजि॥बलेकवरजीदोहोकह्यो॥दोहा॥
ज्याहकोनहआवनहीं॥ज्यामेछलकीबा

९१ णी:॥ज्याहेनेकाह्यांजजीनस्या:॥स्तुणीज्यो
॥४२॥ नारिस्तुजाणि:॥जदीसालंगपादोहोवाह्यो
॥दोहा॥ पांणीपहलीपालिकरि:॥बांधोगा
ढाबंध:॥म्हांमेंओगुणबहोतछे:॥थेछोप
ग्रासमंद:॥जदीसाहकोकवरसेअरसालं
गपाबेहानराजीहुवा:॥अतरामांहोकवर
सदेवछीमजुरकोभेषकरि:॥अरमांथेगा
रीकीछाबडीलेअरदोहोकह्यो:॥दोहा॥
सदेवछीसालंगपातणै:॥वोचपलोचिता
रि:॥पदताएकैपाटडी:॥रमतागुरुडुवारि
बलेकवरजीदोहोकह्यो॥दोहा॥सदेवछी
सालंगपातणै॥बोचपलोचितारि:॥सालि
जकेहरिसायरा:॥स्तुवाकेहरिमारि:॥ब
लेचजागरीदोहोकह्यो॥दोहा॥ओरांदी
मेनह्वालतो॥म्हांभीदोसीनेझालं:॥नेणा
दोयपसारिकरि:॥लेचजागरिगारी:॥ज ॥४२॥

दीसालंगपादेहा कह्या ॥ दोहा ॥ मंजापासागम
णकरि ॥ वांध्योजो [illegible]रिः ॥ जोपासोपरव
सपड्यो ॥ तो आपणपोरिठेबारिः ॥ जदिक
वरजीडुसीरादेहा कह्योचजागरीनेकहै
छे: ॥ दोहा ॥ धरिस्तुभुया आडीयाः ॥ कदिछु
टणरोजोगः ॥ कारीगरडुसीयदेः ॥ सुणजसा
रालोगः ॥ जदिस्तुजाणीदेहा कह्यो ॥ दोहा ॥
आणिपञ्राजीपासिमेः ॥ मनमेंसोचविचारि
दावपञ्राजुगछुटीसीः ॥ जदिठेरलीहोसी
मारिः ॥ याहदेहास्तुणीकवरजीपलीबाला
ग्याः ॥ जदिसाहकेकवरिदेहा कह्यो ॥ दोहा
आडाजुगढाढादीयाः ॥ स्तुणस्तुजाणीना
रिः ॥ अबकेदावजआडीयो ॥ लेस्यासारिकुं
मारिः ॥ जदीसालंगपाकहैछेः ॥ दोहा थेजु
गगाढावांधियाः ॥ हाथिनआवेसारिः ॥ म्हे
तोतेरानापिस्याः ॥ लेस्यासारिठेबारिः ॥ ज

93 दीसालंग्पाकोतानो आया: ॥ जदिज्जुगको
॥४४॥ चोकषायो: ॥ जदिकवरजीको चोककोई
आयोनहीः ॥ जदिसारी उलरिगाई ॥ जदी
पोपेजेबाजीसीडीगाई ॥ जदीसुजाणीचं
द्रायणीकह्यो ॥ चंद्रायणी ॥ कौरसुजाणी
अरजकसाहकाकवरस्युं: ॥ सरभरिरह्या
जष्पालकः नारीनाहस्युं: ॥ द्योबाईनेसी
षकम्हेल्लाजाईज्यो: ॥ परिहांबगीचुणावो
ध्यानकभेलाहोयज्यो ॥ बात ॥ जदिष्याल
केठाईदीयो: ॥ सालंग्पानेसीषदीकी: ॥ आ
पकेराषामेबेठारह्या: ॥ मेंदिरचुणवाकेना
ई: ॥ जदिसालंग्पाअरजकरी: ॥ कहीआप
दीवालोमीताबी चुणावो: ॥ आदिसकति
कीथरपनाकरावो: ॥ अरब्रह्मभोजनकरा
वो: ॥ अरसारीनगरीकीजानिभेलीकरीर
जीमावो: ॥ अरसारीभाणिभाणिजीजीमा ॥४४॥

ऊंअरपदरावोः॥ज्योंमहेलमाहीरमाः।श्री
रभेलाइवाविनं॥एकदीनवसवरावरजाई
छेः॥जदिसाहकेचावरिकहीः॥सीतावीता
बहोतकराड़ाछायेमहेलिपधारोः॥जदीसा
लंगपातोसीषमांगी॥अरघरांनेआड़ी।अर^
सुजाणीसाथिदीठीः॥आड़ीभोडनकरिती
जाराकोवसतीमहेलमेपोटिवाचालीः॥जदी
आडोमंजारआयोः॥जदीसुजाणीगुटोक
होः॥गुटा॥हरिसुतवाहणतासरिपुः॥आ
डोकुचोडवारिः॥बाड़ीसुगणाड़ीसडाकुवा
रमस्पाअटकमंझारिः॥जदिसालंगपागुहा
मेजुवाबदेहेः॥जुबाब॥दधिसुतअरिमित्र
मृतबैसः।सोकुंदसुपाड़ी॥बादेतोआयो^
लणीहारहेसोषमकुसलसुंजायः॥बले
सुजाणीकहेहेः॥वोहतोआसासोणमनाड़ी
अरआयोहेः॥सोमनोकामनासीधीहोयमी

९५ जदीसालंगपाकहैछै:॥ उंहंनेसवणात्र्प्राछा
॥४५॥ कुवाछै॥ नरसुंणमाहीसमझैछै:॥ बलेसु
जाणीदोहाकह्यो॥ दोहा॥ त्र्प्रायेसाणमना
ही करि:॥ सो कुंवरीतो जाइ:॥ मनसा पुरण
कामना:॥ होसीनगरीमांहि:॥ बलेसालंग
दोहाकह्यो॥ दोहा डाडा दाषबीजोरीया: वा
नैवहातषुवाय:॥ चारोलीरमीगडीया:॥ चा
षापानचबाइ:॥ बलेसुजाणीदोहाकह्यो
॥ दोहा॥ वेहबिधातालषीया:॥ राजकवर
सोकंथ:॥ डाटीतो सीहांतणी:॥ स्यालाको
मोहत:॥ बलेसालंगपादोहाकह्यो॥ दोहा म
हारोचीत्याहोयसी:॥ तोनेतापहरायस्या:॥
सोवनमराजडाय:॥ बलेसुजाणीकहैछै:
थारोचीत्याहोइसी:॥ लीष्याबीधातालेष:
कोइदीनथेषलिस्या:॥ चालोवगादेसी:॥ ब
लेसालंगपाकहैछै॥ दोहा॥ थेछैप्रीतमसंतु ॥४५॥

96

मील्पा: ॥ तोसोझीवहोतजुगीस: ॥ जाहरजुग
मेहोझीगया: ॥ जलिबलिजायसरीर: ॥ बले
स्तुजाणीदोहोकह्यो ॥ दोहा ॥ जाहरजुगमे
जदिकुवा: ॥ जदीरपढंतासाल ॥ अबकांस
केजसाहकी: ॥ कोकेआलपताल: ॥ जदीसा
लंग्पातोम्हलोमेजाइरहीः ॥ अरस्तुजाणी
नेकह्यो: ॥ तुकवरजीनेलेआव: ॥ जदीस्तु
णीलेबानेगइी ॥ जाइचंद्रायणकह्यो ॥ चं
द्रायण ॥ वगिपधारोराजकमोसरजाइछे
थानेबहोतउमेदकवाहनेचावछे ॥ जाइ
मीलाउनारिकपुटेआटछे: ॥ परिहांपरी
नआवेदारमोमोसरजाइछे: ॥ बलेकव
वजीदोहाकह्यो: ॥ दोहा जेकारिजम्हेंआ
झीया: ॥ सोकारिजकरस्यानारि: ॥ म्हेतोत
नमनगालीयो: ॥ झीहकेउपरिवारि: ॥ ब
लेस्तुजाणीकहेछे: ॥ दोहा ॥ थेतोबरतधारि

९७ या ॥ सुणिदोराजकवार: ॥ वात्ताप्रीतमत्यागी
॥४५॥ या ॥ ग्याकिउपरिवारि ॥ बेलेकवरजीकहेछै
॥ दोहा ॥ हीरापुंहीपारष्यां: ॥ फोड्यानहीकु
टंत: ॥ केहैतोउकुटीजाड्रीमी: ॥ कहस्येहृ
णीमांहिगडंत: ॥ बेलेसुजाणीकहेछै: ॥ दो
हा ॥ गाहाबीलंमनकीजीये ॥ कारिजकी
जेसीधी: ॥ कंलचुणावेदकुरो: ॥ आणीमी
लीछैबीधि: ॥ जदिकवरजीअमलपाणी
चापीहोईचाल्या: ॥ अरसुजाणीआगेदो
डीचाली: ॥ अरफेरोपातलेआडी: ॥ आंबका
बीरछतलेऊभीराष्यो: ॥ अरसुजाणीमांहि
गडी ॥ जायअरकह्योकवरजीआयाछै: ॥ ज
दीसुतीहीउठीऊभीरही: ॥ सोलासिंगारब
तीसआभरण: ॥ सज्याआगेहीकरीराष्या
छा: ॥ जदीकवरजीमामीफेरोपासुंकाकी:
जदिसुजाणीनेसालंग्पाकही ॥ मान्हावो ॥४५॥

बरांमैकडीछैमातवालिदेः॥कुंमरोपाखुत
लेउंतबिजाउंछुः॥जदीस्तुजाणीबेसांदर
ल्याडी॥धतलेरीअरकडीमेनापीदीयाः॥ज
दीसालंगपादोहाकह्यो॥दोहा॥घणादीना
काबीछुटीया॥मीयोआणिसंजोगः॥जाह
रहोसीप्रीतमाः॥जदीमीवतीकरीमीलागः
जदिकवरजीदोहाकह्योः॥दोहा॥याहगीव
तीछेआगीलीः॥जदीकालागपानेहः॥यछा
नीगाटीकरोः॥थाउंपरीअरपीदेहः॥जदिक
वरजीसालेगयाकुंआलिंगनकरिबालागयाः
जदिसालेग्यागाहोकह्यो॥गाहा॥मैनोडिं
आबोमेनाडीडाल॥कंतामतीकरोआलबी
माल॥बाचाबधीयेकवरसालः॥कांईमि
ठजाणुबारवारः॥बलेकवरजीदोहाकह्यो
॥दोहा॥नीठिनीठीमीलीयानारियाः॥कोह
स्याडुषसुषमारोबातः॥पहलांरसउपजा

११ डीस्याः॥ पाछैभेलाकरस्यांगातः॥ जदिसालं
॥४७॥ ग्यादोहोकह्यो॥ दोहा॥ कुणजाणिसीचितारि
याः॥ कुणजासीकीयाः॥ मजाणताठामगज्यु
धुदीधुदीमुगीहीयाः॥ याहदोहोकहीरभेला
हुवाः॥ रसरमणकरिवेलाग्याः॥ जदीश्रोब
काश्रछीमेसुंबांदरोदेख्योछो॥ सोर्ठेहमेसुं ४
श्रांबहुटीकवरजीकामसरांमालेश्राणीबै
ठ्याः॥ उजदिठेगीठेभारह्याः॥ जदिसालंग्या
दोहोकह्यो॥ दोहा॥ कहांबाडीकहांबांद
राः॥ कहांकाचलीभुजंगीः॥ श्रापदहंताजु
गीदहीः॥ तोफलनदारियाश्रंगः॥ बलेदुसरो
दोहोकह्यो॥ दोहा श्राबानीरफलजाडीज्याः
कोडीलमारोबाजः॥ मंदिरजाहेग्यालाषकोः
सखेयानएकोबाज॥ बलेकहेछेः॥ बनचरप
कडीमगाईस्याः॥ देस्याभवंगकीनारीः॥ प्री
तमबीछोहोज्याहकीयाः॥ देस्याश्रावलुटा ॥४७॥

ही:॥एहदोहोकहीअरघरांनेगयो:॥जदिसुजा
णीचंद्रायणुकह्यो॥चंद्रायणा॥आशीतुकम^
लाणीक:स्याणीमहेलमे:।उभीलतउसासक
बोहोतयाहेलमें:।कोडीकुवाबीजोगक:प्रीत
मसुंअडी:।परिहांलागीबारबहोतक:पुरी
नांहपडी:।बलेसालंगपारोहोकह्यो॥दोहा।
पावकजलकेबीचीक:।जेपामनबुमीया:की
या:आलबीमालक:पीछेचढीया:॥वाहैम^
औगुणनांहिक:सुभिवुंसुभिया:॥परिहांठ
हरियानांहिंकेतकअबेसुजीया:॥जदिसु
जाणीचंद्रायणुकह्यो॥चंद्रायणा:॥सुंदरिसु
पसरूपक:वाहपुरीहै:॥कांडीकुवाविजोग
कदीसमूरीहै:॥वैकाशीरहेआपके:वैको
शीकुसंगहै:॥परीहांपुरीघाडीनांहिवकोडी
मेंगहै:॥जदिसुजीणीगुढोकह्यो॥गुढो॥
दधसुततनासुततनासपति:॥तासरिउपरि

101 चढंतः॥चाष्याविणीपावेनहीः॥दीधतपासारंग
॥४७॥ जदिसारंग्पादोहोकह्यो॥दोहा॥बीणीछ्याध्या
बहेम्प्रथघलेजलः॥छ्याध्याञ्रावेतहः॥पीछ
तावाभाज्यानहीः॥मेतुकुवासनेहः॥जदिस्त
जाणीदोहोकह्यो॥दोहा॥जेकंतामेगुणनही
नाहीजञ्राथ्याजोगः॥म्हेंतोबहेडिमगाडी
स्याः॥थेञ्रबकेलीज्योथोधीः॥बात॥जदीसा
लंग्पाकहीः॥स्तुजाणीतुकवरजीनेः॥मंहे
लामेलञ्रावः॥जदीस्तुजाणीकुमरदीनक
वरजीकनेगड़ीः॥ञ्रराजकरिम्हाराजिबले
पधारोः॥जदीकवरजीकहीञ्रमलपाणी
चाषिकुवाचालिस्याः॥जदिस्तुजाणीदोहा
कह्योः॥दोहा॥मंदिरज्यालग्पालाषकोः॥कीड़ी
घणीहीधातः॥बेगिपधारोराजडीमासरचु
क्योजातः॥बेलकवरजीदोहोकह्यो॥दोहा
मोसरनांहीचुकीस्याः॥कांस्याबकुलाको ॥४७॥

मः॥ जीणीकारणिमहैछोडियाः॥ अरसमह
रसाधंमः॥ बले सुजाणीदोहोकह्यो॥ दोहा॥
प्रीतीजवाधीसीराजसी॥ जीहमेहसीतंतः॥
थाथ्यानारिपिछोडत्तां॥ तुंडीतुंडीजाडीअनं
तः॥ जदिकवरजी सुजाणीकेलारिदोपह
रांकाबपतमेः॥ महलीकेभेयकारिवणाड्री २
आया॥ जसालंग्पा सुजाणीनेदोहोकह्यो
॥दोहा॥ उभीरहीज्योनालिमेः॥ माजणमसी
बतायः॥ जेकोडीजाणआवतोः॥ नोदीज्या
थालबणायः॥ जदि सुजाणीथाललेरीना
लिमेउभीरहीः॥ सालंग्पाअरकवरजीपालि
काउपरिपोढ्याछा॥ सुजाणीथाललेरीना
लिमेआडीः अरउभीरही॥ सालंग्पाकवरजी
नेदोहोकह्योः॥ दोहा॥ अंगोअंगमिलाडीयाः॥ सु
सुनाबेसातनचीतः॥ उगोबेगाराजसी॥ कर
ल्योबेगातंतः॥ जदिकवरजीदोहोकह्यो दो

103 हा ॥ थ्यानेबहौतरिकाइ स्या ॥ सुणज्योचत्रसुजा
॥४९॥ णि: ॥ नेणालंकमिलाइम्पा: ॥ करिस्यापोरीस
पाण: ॥ बलेसालंग्पा गुद्दो कह्यो ॥ गुढा ॥ हरि
सुतमोहिसरीरमें: ॥ उपन्यो अनंत अपार: ॥
जंसुजलवहेझनीझरा: ॥ मोटीमोटीधार: ॥ जद
कवरजीदोहोकह्यो ॥ दोहा ॥ नषस्युनषमि
लायकरि: ॥ सुतीभुयणसाजि: ॥ थारानवोज
आड़ीयो: ॥ बालाजोबनआजि: ॥ बलेसालं
ग्पागुद्दोकह्यो ॥ गुढा ॥ हरिस्युतबेगिमनाइ
ज्यो: ॥ झीणबीनवोझीनकाजि: ॥ भरमघणो
छैराजइ: ॥ सनीसरीजासीआजि: ॥ जदीक
वरजीरसरीतीकरबानेउठ्या: ॥ अरस्युजा
णीनेउघआड़ी: ॥ अरयालहाथमांदासुंछु
टीकपड्या: ॥ जंदीसालंग्पाजाणीकोईआ
यो: ॥ जदिकवरजीनेपाटकारसास्युंबांधि
नेराषास्युंउतारिदीयो: ॥ अरसालंग्पोदेषे ॥४९॥

तोउघस्तुयाल्लीपडीछेः॥जदिसालंग्पागा
थोकह्यो॥गाथा॥दहीयाहोपवनरीपीदही
याः॥साहस्तुजाणीसासमांग्रीहीयाः॥सांग्र
हीयासलीबेधीअलीबंधीरहीयाः॥नोहाहा
दशीनसहीयाः॥जदिस्तुजाणीगाहाकह्यो॥
गाथा॥ओहस्रोगुणसुफिमेथयोः॥आईउघ
सुफिअषियाः॥आहगहीयाःमेजाणकारिज
सीधीकुशीयाः॥दशीसंजोगमीलावणनहीया
जदिसालंग्पाकही॥तोनेदामकोशीछे॥पणी
तुसावधानसुचनरहीनहीः॥अबतुरातिने
कवरजीनेलेआवः॥जदिस्तुजाणीरातिने
लेबानेगईः॥जदिकवरजीनेकहीचालिजे
जदिकावरजीकाहीचालस्याः॥जदिस्तुजा
णीचंद्रायणकह्यो॥चंद्रायण॥वागांउतरि
बावसनेहासालियाः॥उभीजोवेबाटबीछा
याछेलियाः॥पहस्याचंगाचीरकअंबरसांज

105 राणः॥परिहांजेदुहुंकरतारमीलावेसजणाः॥ज
॥५०॥ दिकवरजीदोहाकह्यो॥दोहा॥पीलंगबीछा
यासाहकवरीकः॥म्हांसुंअधिकसनेहः॥दि
लपुलीलाकोशीदेख्नीः॥कीयाबिछोहाबेहः
जदिसुजाणीदोहाकह्यो॥दोहा॥जोवाघडी
संजोगकीः॥जदिआसीवास्याति॥जेवेवेको
ईमेंटेनही॥दिनजावाभावोरातीः॥बलेकव
रजीदोहाकह्यो॥दोहा॥सालंग्याकाजीवपरि
सुणसुजाणीवातः॥देकरस्याबाचापलेःओ
युल्यावोयोहस्यातिः॥बलेसुजाणीदोकह्यो
॥दोहा॥अरजकसुणहोराजड़ी॥जेकोईदे
सीत्यागिः॥ज्याहरानेहअहलागयाः॥जुंच
कामकमेआगिः॥बात॥जदीकवरजीकह्यो
सालंग्याकामनकीनजाणेछेः॥सोतुमहांने
दिलसुधकदोइकरीकहो॥महांकीनीज
रीईसीआईसीआईः॥महांनेम्हेलांमैसु ॥५०॥

तलबदीकरणुछै ॥ जेणापाछैसीषदेसी: ॥ याह
बातसांचीछै ॥ अकगुचीछै: ॥ जदीस्त्रुजाणी
अरजकरी: ॥ जेयावातकुंजाणछुतोम्हाराजी
कवरजीकापावांकीधुवाशीछै: ॥ जदिकवरजी
मेहरीकोभेषकरिस्त्रुजाणीकेलारेआया: ॥
अरम्हेलामेजाशीबैठ्या: ॥ अरगाहणुपासीअ
रताकैमेमहल्या: ॥ जदिसालंगपादोहामेक
ह्यो ॥ दोहा ॥ म्हेलाआयासाहिबा: कुण्याकी
आधीन: ॥ म्हारोराजीवतडफडकैरे: ॥ ज्युंपाणी
विनमीन: ॥ जदिकवरजीदोहोकह्यो ॥ दोहा ॥
रातिपडीछैकामणी: ॥ च्यारुपहरअपार: ॥
जाणिकलंकालुटीस्पां: ॥ मीलायासिरजण
हार: ॥ जदिसालंगपादोहोकह्यो ॥ दोहा ॥ थाका
मनमेकाईछै: ॥ म्हानेकहोविचार: ॥ सकमति
राषोसाहिबा: ॥ बोलेसाह्कवारि: ॥ जदिकव
रजीढोलणीउपरिरमणकीतयारीकरी: ॥ ज

107

दीउंडसोसुषबलकाटणालागेपा:॥ जदिउंडसोने
॥५०॥ वीलावफडफडाटकरणलागेपा:॥ गादणोंस
गलोआणिपडीया:॥ जदिचोकायतजागेपा:॥ ज
दीकवरजीनेपाटकारसासंबोधीअरउना
रदीकु॥ जदिसुजाणीगाहाकह्यो॥ गाहा॥ आ
धीरातिनीसाहुकास:॥ बाजनीठरठरी:॥ मुसा
हेरीबीलंगोमंजारमंदिरघरथराया:॥ जदिसु
जाणीदोहाकह्यो:॥ दोहा॥ मंदिरकंचनजुग
डीया॥ खिलकोडीसंचकार:॥ कोठाखुसाआ
डीया:॥ कोटाआयामंजार:॥ बलेसालंगपाक
देहै॥ दोहा॥ पातालासुसाबैसे:॥ आकासामं
जार:॥ मालबघेराचोकमे:॥ जागेपाकेमजा
गेपाचोकीदार:॥ जदिसुजाणीचंद्रायणकहा
॥ चंद्रायणो॥ चंचलचारीचीमक:चीमकेदा
मनी:॥ काजलकालीरयअकत्तीषीअंपिया
पूंनसदंदोचंदकसबैगणसजिया:॥ परिंसाकी ॥५१॥

सीश्रोगुणरह्योकंतकनुजसुंदरपीयाः॥वा
त॥जदिमालंगपाकदीमैतोजाणीकोइडी
कीसीबिधीटीलोरह्यो॥मैतोदोहामेसमझा
योः॥जदिरमणकीतयारीकरीः॥जदिगसोण
सगलोआलिपड्योः॥अरचोकीदारजागपाः
जदीसीषदीडी॥अबतुबीजेदीडीः॥कवर
जीनैसापडीबाकीजायमलेआवः॥जदीबी
जैदीनीः॥कवरजीनैसलामकरिकही॥चा
लिजेः॥जदिकवरजीकहीहालीस्याः॥जदी
सुजाणीदोहोकह्यो॥दोहा॥बालोजोबनमा
णीलयोः॥ऊभीधणसुरंगः॥बेगीपधारोराजई
केरोजगदहरारंगः॥जदिकवरजीदोहोकह्यो॥
॥दोहा॥डीतनापीरनामुलकमेः॥लेताबोला
देसः॥एकबारकेकारणेः॥कीयातीरयाराभे
षः॥बलेसुजाणीदोहोकह्यो॥दोहा॥देसली
छ्यालीलादेसं॥लिषीयामुलकअपारः॥डीसुं

१०१ वाचावाचावाधियाः। यानैबहोलीनारीः वा
॥५२॥ ना॥ जदिकवरजीसुजाणीवेलारेआया॥
सापडिवाकीजायगा आंणिउभारह्याः अ
रसालंग्यासांपडिवाआईः। सांपडिवाकी
जाईगाराजाजीकोमरोषेछोः सालंग्याअ
रकवरजीवतलावालाग्याः। अरराजाजीग
रोषेआयाछाः। देषतावतलावैछेः जदियां
डोगादोहोकह्या॥ गाहा॥ कजेतीअंकाः कजे
तीवंकाः॥ नषाआणीः पयोधराः॥ नषमपुढी
मंगणीः। जदिकवरजीतोउठीगयाः। जदि
सालंग्यासुजाणीनेकह्योः सुजाणीनकव
रजीनेमरायसीः॥ जदीबीगरीबुलायाती
नदीनकुवाः॥ जदिकवरजीजोगीकोभेष
करिफेरीदवालाग्याः॥ अरदोहोकह्योः
॥दोहा॥ कोकीलावाणीराजकवारिः॥ नी
सिगलंतीनींदनीवारिः॥ अरधरातीनगा॥ ॥५३॥

रमफागिः॥सोढ़ैपीवकैजागेनारिः॥जदिमेंहे
लोमैसालंगपादोहोकह्यो॥दोहा॥चाकु
सोपाउँक्षी॥पाउँसोनसुहायः॥डीणकार
णिरैजोगियाः॥जागतरैनिबोहायः॥जदि
कवरजीदोहोकह्यो॥दोहा॥रागछतीसं
एकसुरीः।कादुबेणबजायः॥मोतनदुपत्र
रपीडकी॥कोडीनसमभैनाईदिः॥जदिसु
जाणीदोहोकह्यो॥दोहा॥बेणिबजाईरती
याः॥जीणिकारणिलीयाजोगः॥एकमेंहे
लप्रीतमतलेः॥कीणीवीधीमीलेसंजोगः॥
जदिकवरजीदोहोकह्यो॥दोहा हाथीघोडा
उँटततिजिः।कामणीदेमसुचंगः।प्रीतीजका
रणिम्हेफीरीयाः॥जंुदीवलेभवतपतंगः॥ब
लैसुजाणीदोहोकह्यो॥दोहा॥जोगकुमारण
भरथरीः॥श्रोरनदुजोकोईः॥थधणकारण
जोगलीवाः॥वैनीचोमडुपदोयः॥जदीवलेक

१११ कुवरजीदोहाकह्यो॥दोहा॥रैणीअंधेरीमधवही
॥पत्र॥ पिरियानगरममेरणीः॥जेत्रवजाउसारकोः
समरूवत्रसुजाणीः॥बलेसालंग्यादोहाक
ह्यो॥दोहा॥धणतजिनेजोगीकुवाः॥वेबीर
लासंसारिः॥थेजोगीरकपटकाः॥काचानग
रिसभारिः॥बलेकावरजीजंत्रमेकहेछे दोहा
महांकीफेरीनांघिदे॥जीहकेमसतगिमोटा
भामीः॥मनचित्याफलपाईसीः॥करीसीब
होतसुहागः॥बलेसुजाणीदोहाकह्यो॥दो
हा॥जाजाजोगीबादकरिः॥आपणपोरउ
बारिः॥तलेपडीहेमधुकरीः॥घोझीनसके
नारिः॥याहदोहासुणिकवरजीबागमेउठी
गयाः॥दोहपदरांभेयकरिःअरफेरीदबा
लागेपाः॥औरसालंग्याकामेहेलांतलेदोहा
कह्यो॥दोहा॥मोरेदिनभटकततफिरेयाः॥मो
यणानगरीममेरणीः॥मालंग्यासालेदीयेःगो ॥पत्र॥

112

रषजोगेजिणीः॥जदिसुजाणीमेराषासुगोकेताः
एकजोगीबहोनसुरतिपाकउभोछे॥जदिसु
जाणीसालंग्पानेदोहामेकहेछेः॥दोहा॥जोगी
णकाजआइीयाः॥सीगीसलीहाथिः॥प्रेतीनलेशी
मधुकरीः लेसीथारेहाथिः॥जदिसालंग्पाकह्यो
मात्याकीसिंहुकडीमाहोसुलिआवः॥ज्योमधु
करीघालाः जदिसुजाणीमातीरकेबीमेघा
लीअरल्याणिमोप्याः॥सालंग्यामात्याकीर
केबीलेशीअरघालिबोनेचालीः॥अरसाकुं
दीठहोनुसीलाहोयगयाः॥नणादनणदेउम
रापांमेचोपडिपैलेछाः॥जदिवाहदोहाकह्यो
दो॥हा॥शीणनगरीमुरीषबसेः॥पंडितबसेन
कोशीः॥कागामात्याहैलचुगेः॥कोकोकरेन
कोशी॥जदिनदेणादहोदोकह्यो॥दोहा॥शीण
नगरीपंडितबसेः॥मुरीषबसेनकोशीः॥चो
हानेणफकोलियाः॥दोयविधानादेशीः॥जदि

113 याद दोहो सुणि पाछो बाकुड्यो ॥ अरसालं
॥५८॥ ग्या नै मुरछा गति आई गई ॥ अरछूटकी प
डी ॥ जदि याद कह्वै लाग्या ॥ एकजोगी आ
यो छो ॥ सो वाह वंतु करि गयो ॥ जदि सासारा घर
का आई भेला हुवा ॥ अरकवरजी बी आणि बै
ठ्या ॥ अरराजाजी भी आणि बैठ्या ॥ अरचेतकु
वो ॥ अरदोहो कह्यो ॥ दोहा ॥ सुणी वारसी या
ल्या वदे ॥ सुकडा घासन जाणि ॥ दाधी विरहै
पीलं गडे ॥ बुफा वंजुं आणि ॥ जदि वारीसाल्या
या ॥ जदी दोहो कह्यो ॥ दोहा ॥ सुथी मै वारसी
यो मांगियो ॥ तुल्याड़ी पाषाण ॥ घसियासु
घसै न ही ॥ जीणारी की साबषाण ॥ जदि स्त्री
नुं कह्यो ॥ दोहा ॥ बोलै सुषपांउं बहौ ॥ जो ल्या
डी शी मरतं बैण ॥ जीनी भेटा मन चोरिया
सो ड़ी दस भाम केणी ॥ जदि कावरजी गायो
कह्यो ॥ गाथा ॥ हरिया चित नंगगाद स्या ॥ ॥५९॥

114

हरियानेनकुरंगः॥मैंपैसासोलाकलासिसही
चली तोम्हेवाचोरनुकूभली:॥याहगाथोसु
णि अरसालंग्पातोमांहीगई:॥अरबारिलो
सायसारोउठीगयो:॥जदिकवरजीसदेव्रछी
नैबुझ्योराजाजी॥थेकुणछोसांचकहो॥ज
दिकवरजीकामाहकाबोल्या:॥राजासालि
वाहणकोबेटोसदेव्रछीहै:॥अटकसदरधा
महै:॥जदिराजाबिजपालबेटीदीनी:॥अर
आपकाम्हेलालेआया:॥अरजुदाशीम्हेल
छोजैठराख्या॥अरषवासउमरावांनेअस्त्रा
पकोबेटोनेकह्यो॥कवरजीकीहजुररहेबो
करो:॥वाहकदीबहोतभला:॥जदिराजाजी
म्हेलाआया:॥मारारणावासनेबुझ्या:॥राजा
सालिवाहणकोबेटो:॥कवरसदेव्रछीईवेश्या
याछै:॥सोजीहकोकूणविचार॥जदिमंत्रीपर
धानासारांदोहोकह्यो॥दोहा॥ज्यांहनेमान्हां

115

जाइए: दीजेधनअछेद:॥ अलकेहैहै आडी

॥५५॥ ये। बाडीदीजेव्याह:॥ जदिराजाजी कह्यो: ये

हकांडीकहैछै:॥ जदीपरधानदोहोकह्यो॥ दो

हा॥ राजाबाह्मणसालिने:॥ जाणेलोकमझारि।

जदिराजाजीबाहनेकह्यो:॥ थवीचारीसोभलो

बीचारी:॥ राजासालिबाह्मणनेवुध्यावितांआ

रंभकीजेछै:॥ जीहसुंआछीतरेसुषीदादीजि

तोआछीबाततछै:॥ जदीपरधानांकही आप

फुरमावोतीक्षमापिकवामहोयजायसी:॥

जदिराजाजीदोहोकह्यो॥ दोहा॥ थोडाथोडो

दीजीये:॥ तोरहैइजनिसरम:॥ कोरीबिठीव्या

हतां:॥ नीसरीजाइभरम:॥ जदिमंत्र्यादोहो

कह्यो॥ दोहा॥ बोहलादेस्पादाइजा:॥ कीर

तीसबसंसारि:॥ हाथीमुलकअरपरगना:॥

सुभरभरयाभंडार:॥ जदिराजाजीदोहोकह्यो

॥ दोहा॥ याहलायकतोवंधनही:॥ चाहेअनेत ॥५५॥

अपारः॥ एहतो आगेल्पाडीयाः॥ याहकेबहोत
उभारः॥ जादमआदेहोहोकह्यो॥ दे॥ दा॥ म्हांके
आगेधनघणोः॥ बहेला अनंतअपारः॥ सारो
आपलगायद्योः॥ आहोराजीकचारिः॥ जदि
राजाजीकह्योः॥ म्हारामुठा आगेप्रधानअ
साहीचाहिजेः॥ था आगेछेसोतो आंपांनेस॥
दाही आडो आसीः॥ थाकेजमसोभागछेसो
तो म्हांहीकोछेः॥ पणीसारीसरभराकरिलो
हः सीरकारहीस्तुः॥ हाथीघोडाउंटपाईगोमे
स म्हालोः॥ अरजीनीसीसारीभंडारमेसभा
लोः॥ गहणुकपडावडामालकाविचारोः॥ ऊं
एबाररणवासमेजाइ अरखुगुछः॥ अतेनें
थेतयारीकरोः॥ जदीराजाजीराणीबुलाईः॥
अरकचरकवडुबुलाइः॥ आपणीमेहेण॥
बुलाइः॥ ओरबडोबेटोछोजीहनेकहीः॥
राजासालिवाहणकोबेटोसदेवछीऔरगे आ

117 योछे॥ वरसवीसएकाकीउमरिछे॥ अरव
॥५६॥ होतस्वरनिपाकोछे॥ बाईकाभागको आण
नीसस्योछे॥ जदिसारैरणवासकही॥ बेटी
मोटीकुशीहेसा॥ सगाहीकाबेटानैदणीहे
सोआवेआयोहीछे॥ तोम्हांभीउनेदीषावो
जदिराजाजीकही॥ आंथणकादरबारबु
लावांगा॥ अरथेसारीम्हेलांकेभरोषेआ
णिबैठीज्यो॥ जदीआंथणकोकवरजीनेबु
लायो॥ अरसारोरणवासभरोषामुंटेषिरा
जीकुवो॥ अरसारीबाईनेकहदेवैलागी॥ थे
घरबलादतनवकीयाछो॥ जीहस्तुंडीसाबर
पायो॥ जदिकवरजीनेनोडेरानेमीषहीको
राजाजीम्हेलांमेआयो॥ अरसारारणवासनै
बुलाई अरबुगी॥ येनीकाकवरजीनेदेषो
जदिदोहोकह्यो॥ दोहा भागबडोछेम्हांहरा
महांसुतयोभरतार॥ ईस्तुरतीकेउपरे॥ वारुं ॥५६॥

लापहजार:॥जदीराजाजीकीबहणदोहोक
ह्यो॥दोहा॥धूरवलपकीधाम्रपार:॥रतनकार
रिवरपाडीयो:॥सुंदरराजकवार:॥जदिबेटाकी
बकुदोहोकह्यो॥दोहा॥कोंठेसहरम्रटकठो
कोठेछोम्रपाल:॥घरिबेठ्याहीम्राडीयो:॥या
हराजाकोलाल:॥जदिकवरजीदोहोकह्यो
॥दोहा॥च्यारुंकुटजमोधीजे:॥म्ररजकरुं
म्हाराजी:॥कवरसेंदेबीरछीसारिषो:॥म्रसो
नकोडीम्राजि:॥जदिराजाजीबोल्या:॥जदीरा
जाजीकहीयसाराहीराजीकुवा:॥जदिक
ह्योम्हाराजिम्हबहोतराजीकुवा:॥म्रापपंडि
तनेबुलायसाहोकटावो:॥म्ररबाईनेवर
परापतिकरो:॥म्रोरबडोम्रारंभकरो:॥जेयो
साराराजाजाणे:॥जदिराजाजीदरबारीम्रा
णिबेठ्या:॥म्ररषवासनेकहीमंत्रीपरधानोने
म्रोरसुषसेणपंडितनेलेम्रावो:॥जदीम्रा

119
||५७|| दमीसुषसेनपंडितनैल्पायो आयआसीर
वाददेवालामपाः॥ आसिरवाद॥ कुलमैये।
भागीरथसेः॥ दानमैयरणभवेत्ः॥ रणमैयेरा
मचंद्रसेः॥ जग्यमयेवलीभीवभवेत्॥ दाता
रोसंकारभवेत्॥ भंडाराकुवेरसेः॥ सीलवंत
चंद्रसेः॥ तेजवंतभानुभवेत्॥ बुधीवंतगणे
ससेः॥ गुणवंतधनंतरसे॥ धीरजसुमेरभवे
त्॥ मरजादासागरगंभीरभवेत्॥ तपसीविस
वामित्रसेः॥ जोधाराघवणभवेत्॥ कूलाला
डीकासनकीसीः॥ जतीलीछमणसेः॥ वलवं
तभीमसेणसे॥ प्राक्रमहणवंतसेभवेत्ः॥
अतनागुणभवेतुम्हः॥ सवेदेवरक्ष्याक
रंतः॥ आरबलोमाकंडेच॥ चीरंजीवरा
जाचीजेपालनः॥ सुसतीसभाचीरंजीव
भवेत्॥ बात॥ जदीराजाजीगादीमालासु
ठेत्राः॥ परकंमानमसकारकरिडंडोतक ||५७||

रिवालागेपागादीमाहेबैठणीलीयोः॥ जदि
वीप्रकहीवैहतोदेवताकुवाः॥ दरवकरणकुवा
पणीआपउपरीसारांहीकीम्हेरवानगीकुई
जीसुथोडोथोडोगुणआपनेसारांहीदीयो
जीदसुंआपयथासकतीसुंः॥ सारांहीसा
धोछोः॥ जदिराजाजीपंडितकीअसतुतीक
रवालागेपाः॥ दोहा॥॥ रिधिसीधीतोसारादशी
सुरसनीबदपदाय॥ वुधिविनायकवेठियो
वालीव्यासवतायः॥ बात॥ जदिपंडितकही
कुंतोवीघारीछुं॥ अछिरकालागहलाजाण
छुं॥ आपकीनगरीमैकाणहतिकारिघाउंछुं
जदिराजाजीदोहोकह्यो॥ दोहा॥ विप्रजसा
हेकादिव्योसगलादोषजटालिः॥ वरआयो
घरआपणेः॥ व्याहकरोततकालिः॥ जदिपं
डितचोकीमगाईः॥ जदिसाहेकाटयोः॥ ज
दिसाहेआछ्योनीसरयोः॥ जदिदोहोकहे

121 साहेब्राह्मोरानीसस्योआजदिनछेच्यारिः
॥५८॥ लग्नजआयोगोधुलिकः॥सगलादोषनिवा
रिः॥जदिराजाजीकह्योः॥कीसैदीनीकीसेवा
रिकीसैनद्दीतरः॥कीसीतीथिकोसाहोछे
म्हांनेबोरोकहोः॥जदिपंडितहोहोकह्यो॥॥
॥दोहा॥ फागुणमासअरपंचमीः॥कीसन
पछिरविवारः॥स्वातिनष्यत्रआईयोः॥ल
ग्नजसोमीबारः॥बात॥जदिविप्रनेपाचरुपे
याएकमहोरदीनीः॥नमस्कारकरिसीषदी
नी॥मंत्रीपरधानांनेकहीः॥व्याहकादीनपा
चहीछेः॥सोसारीतयारीकोरोः॥जदिकही
सारीतयारीहीछे॥आपवाडीजीकेअरकाव
रजीकेराषीबधावोः॥पाछेतीसरेदीनीनी
कासीकीतयारीकरावोः॥हाथीकेहोदाब
णावोः॥मुकतागहणापहरावो॥नोबतिनी ॥५८॥
साणआणीषडाकीयाः॥घोडामालेजडाव

काजीन बणाया॥ सा कति बणाइ ठेभा की
या:॥ औरपातरिनाचिबाने आइ:॥ औरउ
मरावसारा आणिउभा रह्या:॥ औरकवरजी
कपडा पहरबाला गया:॥ जदि नगारची दोहो
कह्यो॥ दोहा॥ कपडा कीया केसरीया:॥ गह
णो रतन जडाइ:॥ पहरै कवर सैदेवी रही:॥ सा
भाकहीन जाइ:॥ जदि कवरजी कपडा पहरी
या:॥ अरगहणा जडाव को पहरीयो सेकुरो बा
धतान गारची दोहो कह्यो॥ दोहा॥ रतन जडा
उ सेकुरा:॥ अरमोत्या लुमलगाइ:॥ जाणिक
सुरजि उगीया॥ कीरणा तेज चढाइ:॥ जदि क
वरजी हाथी असवार हुवा:॥ आगा ने पातरि
नो चती आवे छे॥ पाछा सउ उमरावा की फौज वे
धी आवे छै॥ अरनोबदि वाजै छै॥ अरनीगार
ची चंद्रायणो कह्यो॥ चंद्रायण॥ बागा पह
रीया षुब कंजरी कटाव दा:॥ कांना मोती परीक

॥५८॥ कडाजडावद्या॥ चढियाकवरसुजाणक॥
वहोतउमेसदियाः॥ परिहांदेषेराजकवारीक॥
चढीभरोषीयाः॥ जदिनीकारीकरिउतस्याः
जदिनीगारचींदोदोकह्योः दोहा॥ वहसंजा
गवणाइयाः॥ तिष्णाविधातालेषः॥ परिधारकु
ईनीकासीयाः॥ कवरसेदेवछीदेषिः॥ पाछे
तोरणबांधीवाचाल्याः॥ जीदीनीगारचीदो
दोकह्योः॥ दोहा॥ पारानगरीतोरणबंधिया
चढियाराजकवारः॥ अरुकवरसेहेरमे॥
योवाहेः॥ कवरजगयोसीकारः॥ जदीजा
यअरतोरणबांधोः॥ नीगारचीफेरीदोदो
कह्यो॥ दोहा॥ तोरणसेदेवछीबांधियो॥ की
यावहोतउछावः॥ जाणिकचंदपहासीया
देषेनारीनाहः॥ अेाकवरजीनेसारारण
वासभरोषामेदेषेछोः॥ अरवहोतकोनु
हललाभिरह्याछेः॥ राजाकीबाईदेषीव ॥५८॥

124

दोनतउछाहकीयाः॥ बाडीनेसुभचितकवडा
रणिदोहाकह्यो॥ दोहा॥ सबनगरीराजीहुई
देषोराजकवारिः॥ बाडीयाबरथाहरोः॥ मो
हुटीयाभरतारः॥ जदिवाडीदोहाकह्यो दोहा
म्हेगोरापतिमेडीयाः॥ डजियागाढेमतिः॥ ज
दिजोडीबरपाडीयाः॥ तपस्याकरीअनंतः॥
अरफेरादोबालागयाः॥ अरब्राह्मणबेटभ
णीबालागयाः॥ ओरसषीमेंदेलीमेंगलगा
वैछैः॥ फेरादोडीचुकाः॥ अरराजाजीमंत्री
परधानबुलाडीदोहोमेपुछ्याः॥ दोहा॥ कां
डीद्याम्हेदाडीजेः॥ काडीद्याहस्थबार राजा
मंत्रीबुझियाः॥ म्हांनेकहोविचारः॥ जदिमंत्री
दोहाकह्यो॥ दोहा॥ हाथीघोडाउटसबः॥ सा
हणवाहणसबः॥ अनंतदीजेदायजोः॥ गह
णदीजेअबः॥ जदिराजाजीनषसषसंधोग
हणपहरायदथलेवाहुडायाः॥ ब्राह्मणने

125 पांचमहोरव्याहकरावणीकीदीक्षीः॥ असी
॥६०॥ षदीक्षो॥ अरकावरजीमैहेलामेजायपोढि
याः॥ अरबाईसोलासिंगारबतीसआभर॥
णकरिः॥ अनेकवासावलीलगाईः॥ म्हेलामे
चालीः॥ बाईकीभाभीचंद्रायणकह्यो॥ चं
द्रायणु॥ नषसषमोतीलालजडावबणाई
याः॥ गलमैंनोसरहारषीचाडेबाहियाः॥ चा
लीम्हेलामांहीकचीमकलगाईयाः॥ परिहं
जाणिवापेरईछेतरीसरगाआडीयाः॥ जदि
भाभीनेदोहामेजुवाबदेछे॥ दोहा॥ भाभीया
रीदीलभरीः॥ मह्रांनेभूषअपारः॥ थेसाहिब
संगीनीतीरसो॥ म्हेनीठिपायोभरतारः॥ जदि
नालिमेचढतांसुभचिंतकछोकरीचंद्राय
णुकह्यो॥ चंद्रायणु॥ तारोजगमगजोतिकः
अंबरछाईयाः॥ करिसोलासिंगारकःबती
सआभरणबणाईयाः॥ उजलबेसोतसरीर ॥६०॥

126

कः हाथरचाडीयाः॥परिहांकीयानेणकाबाणक
साणीचढाडीयाः॥जदिवाडीचंद्रायणकह्यो
चंद्रायण॥मंहेकीयाजोबनकाबाणकाअगल
गाडीस्याः॥धणादीनाकीप्यासबजायबुझाडी
स्याः॥करिस्यागहराअंगकःकवररीझाडीस्या
परिहांरमिस्याम्हलांमांहीकःमानवधाडीस्या
जदिसुभचिंतकह्योकरीचंद्रायणकह्यो॥चं
द्रायण॥आयोमागेनागकसारंगरागपरिः॥
जाणिकसावतमघकःठेनानादपरिः॥कुंही
ऊंडीआकासीकःमारणवाजपरिः॥परिहांचा
लीमोहणानादकःबाडीबाधपरिः॥जदिम्हलां
मांहीगडी॥जदिकवरजीऊठिउभोरह्योः॥बाई
हाथजोडीसलामकरीः॥जदिकवरजीहाथ॥
पडीहेलणीमालेलेडीबेठ्याः॥जदिसुभचिं॥
तकहेहांमेअरजकरेछेः॥दोहा॥अरजक॥
रछुकवरजीः॥राणीज्याराजकवारः॥म्हांबाडी

127

सारासीरेः॥औरजशीहकीलारिः॥जदिकव
॥६१॥ रजीदोहोकह्यो॥दोहा॥ थ्यावाडीमारासीरेः
मारास्तुंसीरदारः॥यादलेपरणीप्रेमकीःजा
णेसबसंसारः॥याहदोहोकहिसेजामाले
पोटिरह्याः॥अरबहेतसंगबाह्याः॥औरबहे
तकोनहलकीयाः॥अरबारणेसषीसहेली
हसीवोषेलिवोकरी॥परभातिकुवोः॥जदि
वाडीमलामकरिः॥मेलामेचालीः॥जदकिव
रजीकहीः॥थेवंपुहमागयोः॥जदिवाडीजी
दोहामेमाग्योः॥दोहा॥कुंछुदासीआगिली
थेआदोभरतारः॥वोडिनीबाहोस्माहिवाः
मोपतिराजकवारः॥जदिकवरजीदोहोक
ह्यो॥दोहा थ्योकेकुकमजिचालस्याः॥डुजी
जीमसकेनारिः॥जदिबाडीजीरणवासमे
आडीः॥अरस्तुभचितकबडारणिसीषसागी
जदिकवरजीदोहोकह्यो॥दोहा॥ साहकव ॥६१॥

रिवुलाङील्याहः।ज्युंम्हांसुंमीलीजाङीः॥सु
भचिंतकसंदेग्रछीकोहेः।मांहीकहीज्योजाई
॥वात।जदिसुभचिंतकवाहीवहोतभलाः॥
सुभचिंतकमांहीराणीनेकह्योः।तुपासाहकी
वकुकवरजीकागावकीछैः॥वाहकासाकु
कारकीवेटीछै॥सोवहनेङवेवुलाङीपीदा
वोः॥जदिराणीआपणीषवासीवडारणीयी
नाङीः॥सोवहजायअरकह्योः॥लक्षमणासा
हकीवकुः।थाकोवटाकीवकुनेःराणीअखा
ङीजीवुलावेछैः।जदिसालंग्यानेसासुकही
तुजाहः।जदिसालंग्याजाणंहीछीः।साआप
णोगहणुकपडोसारोपहरलीयोः।डोलामे
बेठिराजाकामहेलाआईः।जदिसुजाणीसाथि
आईः॥आङीराणीजीकापावांलागीः॥जदि
सुभचिंतकआरजकरीः।महाराणीजीकहीता
कावरजीसुंमीलाङील्याउंः॥जीहसुंसमा
128

129

चार पीहरिनैकदीआवै॥जदिकदीवहोतभलं

॥६२॥ जदिस्तुभचिंतकअरसालंग्पा॰अरस्तुजाणी॥

एहतीनुसाथिम्हलांमैगड़ी॰॥मलामुकारिडेभीर

ही॥जदिकैरजीसालंग्पाकोहाथपडिमोहीले

गया स्तुभचितकअरस्तुजाणीबारोताउभीरही

जदिकवरजीदोहोकह्यो॥दोहा॥थांरैमतेज॰

आड़ीयाः॥कुवाआरवीचारः॥सालंग्पास्तुजा

णीकुड़ीः॥परणीकुंजीनारिः॥जदिसालंग्पादो

होकह्यो॥दोहा॥ धनीरमसुरतधनीघडी ध

निरदीहडोजीरातिः॥प्रेमवधास्या आपणौं

रमिस्यामहिबसाथिः॥जदीबलेकवरजी

दोहोकह्योः॥दोहा॥एकरमरणकेकारणे

कीयाघणाराभेषः॥मोथैलीछोछावडीः तो

कूनमीलीयालेषः॥बलेसालंग्पादोहोक

ह्यो॥दोहा॥साहिबमिलियाधतीकुड़ीःका

रीजमवसरीयाः॥छनुंचंदमहैलीयांः॥दि ॥६२॥

सच्यारभरीयाः॥ वलेसालंगपानीयोकह्यो:॥
जदिकावरजीदोहाकह्यो॥ दोहा साहिवमी
लीयांहसुषी॥ ग्राहछंडियाहठः॥ हंगणाबे
लेघरहसे:॥ मुसकणलागीघटः॥ जदिभेला
कुवाः॥ जदिचंद्रायणोंकह्यो॥ चंद्रायण
जोइीजोवनम्हेंसंतकसेजसंचडेः॥ जाणि
कमदकामातादोइीश्रेरापतिन्वामंडेः॥ श्रे
गस्तुश्रंगमिलाइीकराकरमेलियाः॥ परि
हांजाणीकगंधादाटीजुवानामेलियाः॥ श्र
रसेजांउपरिदोम्सुबदोतरंगबाग्याः॥ श्रर
सालंगपानेम्हेलामेराषिमहल्हीः॥ जदिरा
जाजीमंत्रीपरधानबुलायाः॥ बाइीकाव-
लाचाकीतियारीकराद्योः॥ जदीमंत्रीपरधा
नकाहीतयारीइीछेः॥ श्रापरणावासमेचा
लिमीसलतीकरोः॥ जदिराजाजीसाही
श्राइीश्ररसारोंनेबुलाया॥ जदिराणीदो

जाणिकमदकामातादोइीश्रेरापतिन्वामंडेः १०

131 दोकह्यो ॥ दोहा ॥ हाथीसौ दैनेपाचूसे ॥ घो
॥६३॥ डासतरीहजारः ॥ साहणवाहणडेरथोः ॥
लारासौसीरदारः ॥ जदिकचरजीकीबकु
दोदोकह्योः ॥ दोहा ॥ गहणरतनजडाव
कोः ॥ कपडाअनंतअपारः ॥ बांदीबेलोदा
डीजे ॥ सतरीसहेलीलारिः ॥ जदिबडाकव
रजीकहैछैः ॥ दोहा ॥ म्हांकाघरमेधनघणुः
लछमीअनंतअपारः ॥ असोनमोसरपीय
स्योः ॥ देनोहबाडीकीलारिः ॥ जदिराजाजी
कीबैहणदोहोकह्यो ॥ दोहा ॥ पोणीछनी
संलोकबहोः ॥ लछमीअनंतधरोहः ॥ अ
साषीनावोमानवी ॥ बाडीपेसकरोः ॥ जदि
राजाजीकामंत्रीपरधांनतयारीकरिल्याथो
जदिकदीवहोतभलांः ॥ जदिराजाजीपांच
सेहाथीः ॥ सोनारुपाकीसाकतिसुंबणाई
ल्यायाः ॥ औरसतरीहजारघोडाआणिष ॥६३॥

132

डाकीया:॥कपडाकागागञ्चाणिनजरीकी।
या:॥ऋोरगहणोनोञ्चागेहीपहेरायाछो:ञ्चो
रषजानेोघरचषचरभराइनीजरिकीया:ञ्चो
रसोउमराव्वाकाबेटाञ्चाया:॥ऋोरसतरीस
हेलीधायबडारणीलारीकरी:॥ऋोरमंत्रीञ्च
रजकरी।सारोमालनीजरीकीजे:॥जदिमंत्र्या
नेकही:।साबासियानेः॥जीहघरकीकदेही।
वीगडेनही:॥ञ्चेसापरधानमुदाञ्चागेहीरहे
ञ्चरकवरजीसारासाथनेबुलाइञ्चरञ्चरजक
री:॥ञ्चबारतोम्हांसुच्यारीदीनकासादासु
कंुभीबणिञ्चायोनही:॥याहकन्याञ्चापका
पावछुछीवोनेदीछी‌छे:॥ञ्चरमहाकीसरमछे
ञ्चरकवरजीहाथजोडीसलामकरी:॥कुंतो
याकोघानाजादछु:॥ऋोरञ्चापकोकवरछेजी
हीमाफिककंुछु:॥जदिराजाजीकहीबेटाउ॥
म्हांकोसिरपोसछे:॥जदिनीगारचीदोतोक

133 द्यो ॥ दोहा म्हाराषचरभराडीया : ॥ दीयारतनअ
॥९४॥ नेक : ॥ हाथजोडिराजाकह्यो ॥ हीक्षौवाडीएक
नगाचीनेकह्योग्राहलायकनोघरमेकाडीछै
जदीनीगारचीकह्यो : ॥ आजीताडीसीहीयांही
सुंवणिआवे : ॥ जदिराजाजीवाडीनेडालामे
वेठायलीक्षौ ॥ औरधायबडारणिरथमेबेगा
डी ॥ अरल्होडाबेटानेकही : ॥ उकवरजीनेअ
रबाडीजीनेपुहचाडीआव ॥ एहसीपदेहज
दिआज्यो : ॥ अरकवरजीसालंग्याने ॥ अर
सुजाणीनेअपणांउमरावांकीनाबीनकरि
२ दीक्षौ ॥ औंजुदोहीलवाजमुबलाडीदीयो : ॥
आपचटीबाकीतयारीकरी : ॥ फोजआणि
उभीरही : ॥ लागपोणीदीक्षीछी : ॥ ज्याहका
गाडाआणिउभारख्या : ॥ जदिकवरजीम्हा
राजाजीसुंअरजकरी : ॥ चारणभाटानेउ
टघोडासीरपावदीज्येकुंपेग्रामहोरदीजे ॥९४॥

134

श्रोरगोडाजुकादीजेः॥ जदिराजाजीपरधानबु
लीया॥ जदिपरधानांकहीः॥ एहअटकसुव्याह
णआयाहोयतेराषाः॥ अबेआपणाघरमेसुं
देस्याः॥ जदिराजाजीकह्योः॥ अबेछेसातोया
हीकोछेः॥ याहनेदेवानेथाकाहेबामांहांसु
राष्योछे॥ आपचढिअरकुंचकरोः॥ लोगवाग
सारांनेनीकालीद्याजाज्योः॥ श्रोरम्हाराजिने
म्हारीघणमानिसलामकहीज्योः॥ श्रोरम्हा
राजाजीतासीषमांगीः अरम्हेलागयाः॥ अस्क
वरजीचढिचाल्याः॥ अरनीगारचीदोहाकह्यौ
॥दोहा॥ कवरथीनायोराजईः॥ पकुंचावणकुं
लारिः॥ जाणिकघटामेघकीः॥ चढियाअनंत
अपारः॥ कवरजीदान्युहाथीमालेचढिचा
ल्याः॥ श्रोरफौजआधीआगेचालीजायछे
अरअटकनेचालतासुगनआछाहुवा॥
॥आछ्या॥ चाल्याकवरनगरीआपणीः लोरैस

135 न्याश्रत्तिघणीः॥सवणलेतैतनघत्तीः॥सम
॥६५॥ णीमारूलसमणमसेबणीः॥मंगलगीतश्रा
नसुथमेनः॥पुत्रसदीतश्रसतरीगड़ीः॥वि
प्रतिलकसुथी॥वेदसुहावेः हाथीपुरणाव
टामेनीकोः॥दधिकुल्पापोहृपदीपताहीनी
काः॥बेसासुदाश्रसत्रीकुबालाः॥कलकी
एकावणपारसालः॥दरीदाबश्राछिनर्भजलः
स्तुपलाणातजीश्रतिभलाः॥महीपठिचा
मरनीथीत्रीः॥गोराचंदणसेतपत्रः॥श्ररेमेत्र
नेकः॥नसनग्रेमझारीः॥सुथनेथीपेश्रातिसुग
णाकारीं॥दयणेतडवादीसजाड़ीः॥मंगलोर
करीजसीधीथाड़ीः॥जेमरुलबहंणमरने
एचिप्रसीधाराः॥त्रीयामंगलसीवीजयारीः
बीथीधनीयामारगवेपईः॥पाड़ीश्रसत्रीया
कोजीमानेकराः॥सरीदहीणीसवणदीयो
रसलससेसेसारीवीचारीः॥बाड़ीसजीव ॥६५॥

136

णककुवोः ।। नीसालः स्वनिसालंग्पासंदेव्रछी
कंहेः ।। पगीपगी पुरीषप्रधानः ।। दोहा ।। एकज
वेदीलकडीः ।। बेलेमाउदो स्यालः ।। सालंग्पा
संदेव्रछी कंहेः ।। लेमनोरथपालिः ।। जदिराजा
काचातरनै नीगेलामांहा सुसीपदीझी ।। श्री
रमजोरा सुहारकरि श्रीदांटा बाकुडेराः ।। श्र
रसंदेव्रछी आगानेचाल्याः ।। सो सुजाणीसो
णबतायाः ।। दोहा ।। डाबुराजाजीवणोंः ।। नी
भभरी करीलालः ।। संलंग्पासंदेव्रछी कंहेः
अपल्याव्रछिफलाझीः ।। बाहेनरनवेलवान
चाडीः ।। बेलेदही एुवासः ।। सालंग्पासंदेव्रछी
कंहेः ।। फलेमनोरथ आसः ।। बंले ।। दोहा ।। सा
डारासपरतुरीः ।। डीबाल्याईलीहितः ।। सालंग्पा
संदेव्रछी कंहेः ।। अपल्याव्रछिफलेतः ।। दोहा
स्यालसुणीदेकालीचीडीः ।। बाडीसराजात
मः ।। एसुंदरी डाबाभलाः ।। देडी अचिंतीतमः ।।

137

॥९९ दोहा॥ पंडडावाबीसह्हाहीणाः॥ डावाल्या
लीहंतः॥ कंतमिलेजोकामणीः॥ नीयेहशीष
करंतः॥ दोहा॥ कुंभपरेवीकोचरीः॥ हणवंत
नेहीरणाः॥ अरसवेडावाभला॥ एहलीज
दाहिणंः॥ आयणकुवोजदिसदेखेगोर
वेएकवावडीछीः॥ जैठेंडेराकीयाः॥ अरला
गघासदाणरसोईलागयाः॥ अरराजाकी
वाईअरमालंग्याअरस्तुभचिंतकसुजा
णीः॥ अरजुदाहीवागमेडेराकीयाः॥ अर
हसैयेलणलागीः॥ अरसीरदारचोकीआण
बेग्याः॥ एकआबबैमालेकोईलबोलीः॥ ज
दीकवरजीसालंग्यानेकहीः॥ याहकाईभा
षाबोलेछेः॥ सालंग्याकोकिलासास्त्रपढी
छी॥ जदिसालंग्याकहीः॥ दोहा॥ नारीजल्या
याराजई॥ ज्याहमैंकुणसीरदारीः॥ दोन्युदीषे
एकसीः॥ कुणपरतीकुणलारिः॥ जदिकवर ॥९९॥

138

कोइीलनैदोहोकह्यो: ॥ दोहा ॥ अमृतवैणाउ
चैरै: ॥ तोमैगुणअपार: ॥ म्हांनैतुरतबताइदै
कुणपरणीकुणलारी: ॥ जदिकोइीलदोहो
कह्यो ॥ दोहा ॥ जोयेप्यारापरणीया: ॥ वारोषे
कंगुहकोणि: ॥ जीहनेल्यायाप्रेमसुं: ॥ वाछे
चत्रसुजाणि: ॥ जदिसालंग्पाकोइलनैदोहो
कह्यो ॥ दोहा ॥ ४ भाषाबदोतसुहावणी: ॥ वा
लैबदोतविचारि: ॥ अगमनीगमदोसुकहा
कालीकीसगुणीनारि: ॥ जदिकोइीलबोली
॥ दोहा ॥ ४ कालीजोरकहावसी: ॥ कंततजि
आइीलारी: ॥ म्हाकोवरणजआदिको: ॥ जा
णोसबसंसार: ॥ जदिसुजाणीबोली: ॥ ॥ दोहा ॥
कोइीलतोमाचीकही: ॥ कालोजोरकदंत: ॥
अपणुपरण्याछाडिदे: ॥ परपीवसंगीरमंत: ॥
जदिसालंग्पाफेरीबोलीअरदोहोकह्यो ॥ दो
हा ॥ ॥ शीतकुबोर्जतपाडछो: ॥ बीचीभरनो

139 छोनीरः॥भावेजीठीआषटोः॥जासीछीजीस
॥६७॥ रीरः॥जदिकोशीलबोलीदोहाकह्यो॥दोहा॥
नाहरसाम्हाआशीयाः॥नावेनाषेमारिः ज्या
रागाढामतछैः॥जेकुंमडरपैनारिः॥जदिमाल
गपाकैहेछैः॥दोहा म्हारैएकजकारणेः॥बध
तादोशीपरवारः॥राजकवरहचिलागीयो॥जीह
संुआशीलारः॥जदिफेरीकोशीलबोलीः॥दो
॥हा॥राजकवरबुलायकरिः॥दीक्षीहोतीसीषः
साहघरांमेपोटतीः॥होतीबहोतजगीसः॥ब
लेकवरजीदोहाकह्यो॥दोहा॥ नाहरपञ्जोष
ठीजैरैः॥जीहीसुंआशीलारिः॥जैवाहकरस्या
म्हांकैरेः॥तोवानाषेमारिः॥कोशीलतोदोहो
सुणीअरबोलीरहीः॥अरसुभचिंतकसुजा
णीनेमसलोबोल्योः॥दोहा॥ कोटीऔरकलं
कीयाः॥ओगुणअनंतअपारः॥ज्योपतिकी
सेवाकैरेः॥सोबीरलीसंसारिः॥जदिसुजा ॥६७॥

णीरोहोकह्यो॥दोहा॥कंथजशीकोराजशीः॥यारं 140
भाकेंश्रोनारिः॥वाहदगोकारिल्पाशीयाः॥वाव
लूनश्रावेबारः॥जदिकवरजीस्तुभचिंतवोने॥
षीज्यो॥श्ररमोयरख्याः॥प्रभातिदीकुचकीयो
जदिनगारचीवेंद्रायणकह्यो॥वंद्रायणोसा
हणबाहणलोगककुंचकराहीयाः॥चाल्पारा
जकवारकेधेनउमाहीयाः॥चढियासतरीफजा
रपाषरीयाः॥परिहांगलेचोकीदारकः॥श्रागा
उवगसरीयाः॥चालतांचालतांश्राधएाकु
वोः॥जदिएकसहरकेगोरवेडेराकीया॥वेहन
गरकासिरदारनेः वेहूंकेचाकरकह्योः म्हाराजि
एकराजाकोकवरम्हाकातलावउपरडेराकी
याछेः॥जदिवोहीसीरदारश्रापणाषवासने
पुछीवानेभेज्योः॥जदिउमरावांनेदोहोकह्यो
॥दोहा॥कोगाश्रायाठाकुराः॥सगलासामोसा
मुसजीः॥श्रसोनकोईभोमीयाः॥जीहपरिच

145 टियाराजिः॥ जीदीवहनैश्रीहटेटीहहीकह्यो॥
॥६०॥ ॥दोहा॥ पारानगरीगयापरणीबाः॥ ज्याहहैम
हबअटकः॥ बेटोवाहणासालिकोः॥ जीहकोछै
याहकटकः॥ जीदीवाजाझीसिरदारांनेजुवा
बदीयोः॥ राजामालिवाहणकोबेटोछैः॥ पारा
नगरीपरणबागयाछा॥ जदिकहीयाहकेम्हा
मानीभैलीभातिस्तुकरीचाहिजेः॥ अरकुं
नीजरिकरीचाहिजे॥ जदिपरधानाकहीभली
बीचारीः॥ जदीसीरदारतोवीसताघोडा॥ माना
रुपाकीसाकतिस्तुल्याय॥ अरपांचहजारमेहा
रः॥ अरपांचहाथीः॥ अरमीठाईकोगाडाभरा
यतयारीकरीः॥ अरमीलीवावानेचाल्याः॥ आ
गेजायपालिमालेउभारयाः॥ अरकवरजीने
षबरिषीनाडीः॥ जदीषबरिवालेजायषबरदी
नीः॥ म्हाराजिहीहगावकोसीरदारमीलीबाने
आवेछैः॥ जदिसिरदारबुलायलीया॥ बहोत ॥६०॥

142

मनहारिकारी:॥जदिमोरोमीलननीजरीकीयो
जदिकचरजीकहीअबारेनोकोशीरपावोंको:
जदिसीरदारकह्यो:॥मोउपरिमहेरवानगीक
राछोतोरषावो:॥जदिओरासीरदाराकहीवा
भीकोरयावो:॥जदिएकहाथी:॥अरएकहजा
रमहोर अरमीवाडीकोछोसोसारालसकरने
वांटदीकु:॥अरसीरदारानेआपहाथीघोडो
सीरपावदीकु:॥जदिसीरदारसीषमांगी:॥मुज
रोकरिआपकेडेरेगयो॥कचरजीपोटिरह्यो:
परभातिहीकुंचकीयो:॥लोगवहीरकुवो:ज
दिनगारचीदोहोकह्यो॥दोहा॥ नगारिपधारो
राजडी:॥पाछेहोयलीक्षप:मारिगवहोलाकाट
णां:॥उभामाराभूप:॥जदिकचरजीहाथीके
होदेचटिचाल्या:॥फोजपाछासुंकोरबंधीआवे
छे:॥बलेनगारचीदोहोकह्यो॥दोहा॥मगला
घराउमाहिया:॥बीलषीसाहकवारि:॥अटक

143 सहररीडोकरीः॥ अवरकहास्तीनारिः॥ दोहोसु
॥ ९८ ॥ णिकवरजीषीज्याः॥ जदिसालेग्यादोकह्यो॥ दो
हा॥ थेकंवुपीजोराजश्री॥ भराकोहेमीलोगः॥ श्री
राधरांतेछाहछे॥ म्हांकेघरिछेसोगः॥ आगेचाले
तोएकडोकरीछोणावीणेछीउंदेजागीः॥ जदिक
वरजीडोकरीनेदेषिउभोरह्योः॥ आपहाथीकोहे
दासुंउतरिपड्योः॥ अरडोकरीकापगांमेटोकदी
न्हीः॥ जदिडोकरीदोहोकह्योः दोहा॥ अमरअ
जररावणज्युंरहोः॥ आवोराजकवारः साहसुता
अररराजकवरिः॥ ल्यायोमालअपारः जदि
कवरजीदोहोकह्यो॥ दोहा॥ तुंदेवीतुंदेवताः
तुंछेसकलसहायः। पीछीकदीसासस्यकु
डीः अगमदेयाहबताडीः। जदिकवरजीदो॥
होमेपुछेछेः॥ दोहा॥ पुछेछे॥ मातातुंभलां
मीलीः॥ कदीसासस्यकुडीः॥ जोगजभोटाछो
तरीः॥ इजीनारिकुडीः॥ जदिडोकरीदोहोक ॥ ९८ ॥

सो॥दोहा॥ होसीतुमगली कही:॥नपम्योजेसे
भान:॥मातससंदाबी चीहो:॥पीरसीथारीत्र्या
ण:॥जदिकवरजी कहेछै:॥माताम्हेसातभाई
छा:॥म्हां सुदोइीताबडाभाईछै:॥अरच्यारिला
होडाभाईछै:॥वाहकोमारोकुकमच्योहारछै
माताम्हाकामांथाउपरि म्हाराजिछै:॥सासला
मतिरहो:॥जदिडोकरीदोहोकह्यो॥दोहा॥छ
त्रपिरोतोउपरै:॥वेथारारजपुत:॥देसमुलक
अरपररानां:॥थारादीयोभषंत: :॥जदिकवर
जीकह्यो:॥मात्ताम्हाकामाथास्नारमालेम्हा
राजिघणावरसअविचलरहो:॥वाहकेकोधै
हसोपलोछा:॥जदिडोकरीदोदोकह्यो॥दोहा
राजकरोबषतसही:॥अोरअतरीआव:॥राजा
वाहणसालिको:॥रहेसीजुगजगनाव:॥जदि
कवरजीकह्यो:॥माताम्हारीआरबलकीनी
कछै:॥म्हारोराजथानेकोईहैसी:॥जदिडोक

145 रीदोहोकह्यो॥दोहा॥ अटकामढरीमेअडग
॥७०॥ तु:॥सुणिहोकवरबीरधी:॥आवजेमा
अरवीमकी:॥जीमेघटीनचीधि:॥जदिक
वरजीबुमी:॥मातान्हारीलारिजमीतीकी
तीकहोसी:॥हाथीघोडाउटकीनाएकहो
सी:॥जदिडोकरीजुवाबदीयो:॥जुवाबा
लाषतुरापाघरपडो॥हसतीमतरीहजार:
शीतनीरहसीपाशीगा:॥हमीलाषचैढेलारि
जदिकवरजीपुछी॥मातान्हारेलारेसावंत
सूरीवांकितनाएकहोसी॥जदिडोकरीदोहो
कह्यो॥दोहा॥सूरखेसीमातसे॥सांवतसो
अरवीस॥शीमानकोशीडुसरो॥तोमारिषा
शीस:॥जदिकवरजीपुछ्यो॥मातान्हारेषा
जानाकीतोयकहोसी॥जदिडोकरीदोहो
कह्यो॥दोहा॥देसमुलकअरपरगनां॥सुभर
भर्याभंडार॥हेगेमेगहोयसी:॥सुणिहो ॥७०॥

राजकवारः॥जदिकवरजम्होरांकीषचरमगा
शीः॥एकउटकपडाकोमगायोः॥अरनीजरी
कीयो॥मानानोनायकलोछेनहीः॥तुपधा
रैतोथारीसेवाकरूः॥योहव्योहारथारोहीछै
जदीडोकरीकहीबेटामुनेतोवंुचाहिजेन
हीः॥जदिडोकरीनेकही॥मानाथारेकांशी
परवाछे॥पणिकुंथारोसेवगहुः॥जीहसुं
म्हारोतोने आवेछे॥तुपुरपधरमकरिज्यो॥
जदिडोकरीएकआदलोम्होरांकोउठाशी
लीक्षोः॥रांशीवसउठाशीलीक्षा॥ओरफेरी
दीयो॥जदिकवरजीपगामेढोकदीक्षी॥ज
दिडोकरीअसीसदीक्षीः॥दोहा ४ जंुचंदसु
पेअकासमहीः॥ज्युरअवीचलराजः॥जंु
रतपीज्योराजडी॥मरीज्योथाराकाजः॥ज
दीकवरजीआग्यामागी॥अरसुषपालमे
आणिबेठनाः॥जेठापांछेसालंग्याकवरजी

147 कनासुं अखिसी षमागिडाकरी गोडेगडी:॥ जा
॥७१॥ डीअरपगालागी॥ हाथजोडीउभीरही:॥ माता
मोनेकवरजीदगोदेअरलेआयो:॥ आगेकुं
कहीयामुडेदीघास्युं॥ अरमहाराबापभारी
कह्यामुंडेदीधासी॥ जेमवांकीपटीओता
रलीयोतोसारानीचाफ़ांकिसीजदडिडोकरी
दोहाकह्यो॥ दोहा॥ बेहुबीधातालीषिया:॥
अबकालीष्यानेलष:॥ तुचंपुंसकेजसाहकी
पासीसुषअनेक:॥ जदडिसालंग्पादोहाक
ह्यो॥ दोहा॥ दुषसुषसाहसरीरका॥ कोइ
नेमेटणहार॥ परणीम्हेसाहघरां॥ आडीरा
जदुवारि:॥ जदडिडोकरीबोली:॥ दोहा॥ थ्या
रेकुंकीमजचालसी॥ सदैवछोराजकवार
जीहकारजव्याहजारीसी॥ तुनेबुझिविचा
री:॥ जदडिसालंग्पाकह्योमातामहांकोना
डीहसुंसंजोगलीष्योछो॥ पणीयाहष्यार ॥७१॥

148

माहवतिउडीनभीसकैकह्यो॥सातमोनकहैः
जदिडोकरीदोहायकह्यो॥दोहा॥राजरुघज्रु
गमेकरोः॥अविचलकरोसुहागः॥जोडीकं
तमेहेलीयाः॥मीलीजेमोटभागिः॥जदिसा
लंगपासुजाणीकनासुसातामहोरअरपांच
बेसमगाइ अरनीजरीकीयाः॥जदिडोकरी
कह्योः॥कुंकांइकरूः॥मुंनेतोकवरजीकाणो
हीदेगयोछेः॥जदिसालंगपाकह्यो॥जदिबी
संतामहोरअरएकोबसराषा॥पगांलीसीषमा
गी॥डोलामेआणिबेठीः॥अरस्तनकवरीक
वरजीकनासुसीषमागी॥अरडोकरीकना
गइजाइअरपगालागीः॥कह्योमाताह
मारोअरकवरजीकोष्यारमहावतिओडि
नीभीसीकह्यो॥अरमहरदांनगीराषीसीक
नही॥दोहा॥कवरसदैवरछोतबलुः॥तोरह
सीसदाजनारिः॥एकसालंगपासुमीलीच

149 लो: ॥ नो मारां की सीरदारी: ॥ जदि रतन कवरि
॥७२॥ दोहा कह्यो ॥ दोहा ॥ रीहकै कुंकी मजी चालि
स्या: ॥ बोला अम्रत बैन ॥ वे सुं म्हे भी आसीया
वांछे म्हां की बैहण: ॥ जदि डाकरी दोहा कह्या
थांरै पुत्र जहोयसी ॥ होयसी थांरो राज: ॥ सु
णि बेटी बीजैपाल की ॥ जीह सुं रसी सा बाका
ज: ॥ जदि रतन कवरि पुछै छै ॥ माता कवर
जी की संग्राम विषै जीत होइसी कन ही: ॥
सो तुम्हां नै कहै ॥ जदि डाकरी दोहा कह्यो: ॥
॥ दोहा ॥ वह की कलास दारै है ॥ होइ सी फते
जस होयसी: ॥ अजबा हल्ला द्रव्य जस आसी
रा सी: ॥ सां रै बीं णा काज: ॥ सुभ चिंत कबडार
णी बुझै छै: ॥ माता कवरजी कौ बैरी कुसम
न दफै होइसी अकन ही: ॥ जदि डाकरी दो
हा कह्यो ॥ दोहा ॥ कवर जं जेह्या डाकी सी
मन म्हा दुषपाइसी: ॥ जो रदफै होइ सी जाइसी ॥ ॥७२॥

सीः॥ज्युरतनाकीजुद्धीलाडीः॥जदिरतनकव
रीसुभचिंतककनास्युंसो म्हारपांचबेसमगा
याः॥अरनीजरिकीया जद्दिहाकरीवाह्या
म्हाराजिओरआगेघणुहीदगाडीछे॥अब
कुंकोडील्युंनहीयाको अरकवरजीकोएक
हीछैः॥जदिरतनिकवरिवाह्यो॥कुंथारीही
पाडीनांमेहुंः॥जदिबीसम्होरअरएकंबसरा
ष्पाः॥अरपगालागीसीषमागीः॥डोलामा
हीआणिबैठीः॥अरफोजआगेनेचालीः॥
जदीआगेएकबीराजारोभागपाआवैछेः॥
औरघावांमाहीफुलिरह्योछे॥अरकवरजी
कैनेआणिपुकारयो॥म्हारोबालदमांही
पांचकोडिकोमालछेः॥सोसारोमालचंद
सेणाभोमीयोलुटीलीयो म्हारैकेनेपांचह
जारआदमीछा॥ओरदोडीहजारबकस
रीयाछा॥ओरच्यारिहजारअसवारछा

151 ज्यांहंसेपांचसेअसकारतातनाशीछा: ॥ सो
॥७३॥ म्हांकोमालतोअचाणकखुटिलीयो ॥ आ
धेकरातिनै: ॥ जदीअसवारहजारदोयेकसुं
तोपहेरदोएकराडिकरी: ॥ सोकेताएकतोभा
जिगया ॥ अरकेताएकमारयागया: ॥ केताए
कषेतामेघाशेलपड्याछे: ॥ अरवाहकाभी
घणाहीमरमया: ॥ हजारपांचअेरघायल
हुवा: ॥ जेणसालद्दाथीपडेया ॥ शीसोभूपा
लथ्रथीकेबिषकोशेन्नी ॥ सोशेनेमोरे: ॥ म्हा
रोउपरकरे: ॥ कुंथ्याकीफोजदिषिअरसर
णीआयोछु ॥ जदिकवरजीबोल्या: ॥ ना
शीकजीयाहभोमीयाकीताएकदिनासुं
उठ्योछे ॥ जदिबिणाजारीबोल्या ॥ म्हारा
जिशीहीकीआदिअेालादिछे ॥ खुटिबा
हीकीकुमाशीघाशीछे ॥ अरकवरजीफेरी
बोल्या ॥ शीहकोनेजमीतिकीतीएकछे: ज ॥७३॥

152

दीवीणजारोबोल्योशीहकैनेघोडामालधणीही
छै॥शीहकोगावडुगरमालेबैसेछै॥जीहवैशीह
कामाणसरहैछै:॥वैरागलाल्युटैछै॥औरऔ
पणीहदमेगलाचलावैछै॥अबकेआपणी
हदमैलुठना:॥जदिकवरजीकह्यो॥उरथमे
बगिजा:॥थाराघावाकोजाबतोजतनकरीस्या
थारीबालदीकोमाललेस्या:॥जदिकवरजी
आपणांसाथकोनपुछैछै:॥अरदोहाकह्यो
सुणजसाराठाकुरा:॥काईकरांबीचार:॥योह
बीणजारोआईयो॥आपांकोनपुकार:॥ज
दिसावंतधरमसेणछोजीहदोहाकह्यो॥दो
हा॥सांवतसरब्बजाणवा:॥जीदीहीजा
णीपडंत:॥बातस्युणेसंग्रामकी:॥जदीहीसी
स्युचढंत:॥जदिकवरजीदोहाकह्यो॥दोहा
ल्यावेछैवाहपारकी॥जाणेदावअपार:॥वे
हमरैसेआपणे:॥बांधैछैहथियार:॥जदी

153 अनंगपालसावंतबोल्या:॥दोहा॥साहसुतैने
॥७४॥ लेणगया॥न्यायाराजप्रचारि॥अबकेबर
स्याअपछरा:साराहीसिरदारी:॥जदिसारा
हीऊमरावऊमगीया:॥अरसाराहीसावधा
नहुवा:॥अरनीगारचीदोहोकह्यो॥दोहा॥
याहबीराणीभ्रमिछै:॥सुणिज्योसारारावः॥
आघाकुडीज्योठाकुरा॥धरोमतिपाछापाव
जदिकाफिलोसारोपाछोनकीयो॥अरसा
लंगपाअरवैरतनकवरि॥हाथीकेहोदैबैसा
णीलीन्नी:॥अरसारोआखिबोआरोधसली
यो॥आरफोजतीनबणाइ॥आरभोमिया
नेआडाआणिफीरीया:॥जदिकवरजीदो
होकह्यो॥दोहा घोडानापीठाकुरो॥याछे
याकीवार:॥भोमीयौंमारिऊडायद्यो:॥नां
हीआरखीचार:॥जदिसारीफोजभोमीया
चेगढदाफीरीगया:॥जदीभोमीयुएक ॥७४॥

154

आपणउंमराबैनेषीतायअरबीसटालेना
षा॥सो आयकवरजीनैसलामकरिरेहे
कह्यो:॥म्हांकेकाइघरी:मारगजावाआ
पणे:॥मतीरकरोयेबरी:॥
जदिकवरपालसावंतकवरजीकनैउभोछो
सोदोहाकह्यो॥दोहा॥येबीणजारालुटियो
मारिगमांहिहमाल:॥अबहथियारजना
षियो॥अरकेहस्योहबीणजाराकोमाल
जदिहमालदोहोकह्यो॥दोहा॥म्हांकेकी
सबजआदिको:॥लुटणकोब्योहार:॥ल्पा
वालुटीजीहाजहो॥जाणेसबसंसार:॥ज
दीइंद्रपालसावंतबोल्यो॥घणाजमारिगा
मारिया:॥लीयाजबहोलामाल:॥अबकै
सोरोकाढियो:॥सुणीजेपाहोभूपाल॥जरि
हमालबोल्यो:॥आछोथांनेबांटियो:॥सु
णिजेपासारभूप:॥मारिगषेटोमतिकरो:॥पा

155 छैहायलीधूपः॥जदिकवरजीआपणांउमरांवां
॥७५॥ नेकही॥अजाणावाहसावंतदोहोकह्यो॥
दोहा योहथीरजकोकामछै॥सुणिजोराजक
वारः॥मोमीपूभीसीरजोरछै॥बहोतकोरेलो
मारः॥जदिकवरजीदोहोकह्यो दोहा देह
जअरपोआपणीः॥नोकलिजावाजपारः॥
एकैवाडीपाचसैः॥एकैसतरीहजारः॥ज
दिधरमसेणसावंतदोहोकह्यो॥दोहा॥भट
षाधणाधपाडीस्याः॥अरसुणिहोकवरसु
जाणः॥रुधिरानदीबहाईस्याः॥कास्याजु
धजमराणः॥सावधानकुंवाः जदीनीगारची
दोहोकह्योः॥दोहा॥ भलादिषांवोगकुरोः
दोहसुजापरितावः॥बीमाउंपरितीसनले
छोमहांकाउंमरावः॥जदिमहेपतीसावंतबो
ल्या॥दोहा पलाभीरजपूतछैः॥रजमाहीयान
बांटि॥होकीरचालोमोमीयूः॥नांषालांसि ॥७५॥

156

रकारीः॥जदिकवरजीचंद्रायणेंकह्यो॥चंद्राय
णु॥करोकटारयारांडिकलालांमेलिद्योः॥थे
सुणिज्योसारारावकलसकरभेलीद्योः॥या
हत्तुराकीवारकवीलमनल्पायज्योः॥परि
हांपाछेज्यात्योभाजिकःमासरआ्रीयो
जदिसाराहीउमरावांकहीमहाराजि॥आ
पहाथीकेहौदेबैगितमासेदिषो॥आपको
सुणपाणीकसेकउजालाः॥अरकवर
जीसालंग्याअरतनकवरियेहतीनुतमा
सेदिषेछेः॥अरउमरावलडेछे॥अरचंद्र
मणउमरावसुमसलतिकरी॥कहीठाकु
रांआपणीतीनफोजबणावो॥एकसमचे
घोडोनाषो॥पहलावाणआरिबोछोडिद्यो
जदिआरिबाकादरोगानेबुलायो॥अर
आरिबाछुडायो॥जदिकितायिकतोआरि
बासुंउडिगया॥अरकेतारोकभजिग

157

॥७६॥ या: ॥ अरफौजवीचलिगई ॥ याहतीनुवोडी

सुघोडानाष्या: ॥ जदिनगास्थीकवरजीने

चंद्रायणोकह्यो ॥ चंद्रायणु ॥ दीयाश्चारि

बाछोडिकःवाणचलाईया: ॥ कैरेधुमैरेफो

जकेदोडमचाईया: ॥ देषोराजकवार

कबहोतउमाहीया: ॥ परिह्राभोमीयोभा

गेपाजायकलडेसीपाहीया: ॥ जदिकाव

रजीमहावतनेचंद्रायणोकह्यो ॥ चंद्रायणु

हाथीचोहलकारिकफोजाउपरे ॥ देष्यावा

कादावकपतजाउपरे: कसाईकसरमैं

परिहानाषीनीरामारीकरालोगरहमैं: ज

दिम्हावतबोल्यो: ॥ म्हाराजिकीतोयकोता

श्चारिवासुउडिगया: ॥ कीनाएकबीचलि

गया: ॥ श्वरबाहकैमुहडेश्चाबावालोकु

णछे ॥ वहतोचीसजाहनेमारे: ॥ घडीपल

कमेवांहनेभीमारिल्यावैछे: ॥ श्चापडीसी ॥७६॥

158

राडीमोलेसाथीवाःशीहलकारोछो॥ शीठाशीसं
तीराकीमारकोराः॥ जदिनगारचीघोडानाषि
उमरावांकौगयोः॥ जायअदोहोकयो
॥दोहा॥ अछोमावलसुरिवांः॥ जाणेसवसं
सारः॥ याहेनेसल्लावीधीलेयोः॥ कयाहेनेलगा
वोवारः॥ जदिसावतकडीकीरपडनाः॥ ज
दीभोमीयाकासाथकासारामारयागया
अरचंद्रसेणभोमियानेघोडाउपरिसुंनाषि
दीया॥ अरसाराहीनेकही॥ शीहउपरिलो
हकरामति॥ शीहेनेपालकीमालेनाषिलो
जदिपालकीमेघालिलेवाल्याः॥ जदीनी
गारचीघोडेदोडाशीअरकावरजीनेकह्यो
चंद्रायणीं॥ चंद्रायणी॥ घोडादीनानाषि
कलालांमिलीया॥ करिकवारयाराडिका
लसकरमेलियाः॥ हेसल्लाकीधुमकः॥ धु
लीरलाडीयाः॥ परिहांत्रुबेवाहकाहाय।

११५१ कबाधीरल्याहृया:॥वात॥ इतनांमाहीभो
मीयसुदास्त्रोगेत्र्ञाणिवडोकीया: जदीभो
भीया पावाहायलगा डीसलामकरी: जदि
कवरजी कहीशीहीकोमाथाका हिल्यो: ज
दिमाराउमरावांहाथजोडिअरजकीश्री
महाराजियाहसिपाईछे इसत्र्ञापकेत्र्ञा
गेत्र्ञाछीराडिकरी अरलडिवाकीहीमति
बांधी इहैनेघाडोसिरपावदेरीसीषदेनो: ज
दि कवरजी कह्यो बहोतभलांजदीघोसी
रपावदीयो: अरबीराजाराकोमालल्क
रसुंजुदोहीपड्योछो: जीदीबीराजारा।
कोमालबलधघोडाउटगुणासारोसोपि
दीयो: एकघोडोसीरपावत्र्ञापरोदीयो॥
अरसीषदीश्री जदिबिराजोरेडेरामाहि।
सारोमालसभाल्यो: जदिबीराजारोलेडी
स्याल्यो: त्र्ञादमीत्समलोरेदेडीअरसीष ११

दीक्की:॥ आगेपाकुंच्यो जदिबीणजोरे आदम्या
नेसीषदीक्की:॥ अबीणजोरेकह्यो:। महा
राजिकवारेने माहारीघणेमानिसलामक
हीज्यो:॥ म्हेम्हांकोमालछोसोदांमदांमभ
रिपायो॥ जदीवांह आदम्यां आईकवरजी
नेकहीछे॥ वेणीजोरे आपनेघणेमांनिस
लामकहीछे:॥ जदीकवरजीमो असवारदी
या॥ मोमीपूषरिपकुचायो॥ जदिकवरजी
उमरावांनेकह्यो॥ आपरांकितराएकतोघा
यिलकुवा॥ अरकितराएकमरिगया॥ जदि
साथसम्हाल्यो:॥ आदमीसेपांचतोघायि
लकुवा:॥ अरमरणतोकोइगयानही:॥ ज
दिउमरांवांकवरजीनेकह्यो:॥ आदमीसे
च्यारिपांचघायिलकुवाछे॥ अरमरितो
कोईगयानही॥ जदीकवरजीकह्यो:वाह
कोहीडाजतनकरावो:॥ अरवांहकाघावसि

161

॥७८॥ वावा अवधाव्याः॥ अरराकसुकामकरां॥ ज्युं
सारोलीमनीभीजासी॥ जदिवाहकाघाव्रबं
धाया॥ जदीदुसीरेदिनभीमी यांहाकिमआ
या॥ आडी अरसलामकरी॥ अरराकको
डीडुपयाकोडेरभराशीरलपायो॥ अरनीज
रीकीयो॥ जदिकवरजीकह्यो॥ वाहकाघो
डाहथियारछेसो आपणांलसकरमेसुंद
घात्ता॥ जदिमालसारोसोपिदीयो॥ एकघो
डोसीरपावदीयो॥ अरवाहआयोछोसोरा
ष्या॥ जदिहाकीमकहीमहांनेचाकरराषो
घानांजादकरीचाल्पा॥ कोडीचाकरीहा
यसोफुरमावोकरां॥ जदिकवरजीकहीम्हा
वेचाकररहो॥ गांवपरगनांदस्यां॥ याहेप
सोछोडिद्यो॥ जदिहाकिमकह्यो॥ म्हाराजि
यांकेतायाहीपसोआदिकोछे॥ अबदेसमेमे
ताकोडीकरांनही॥ अरपरदेसमेकरांही॥ ॥७८॥

ला। हाकिमतोसीषमांगी। जदिरातिकुडीडेरा
दाषिलकुवा सालंगपाअरतनकदरि:॥ए
हतीतुटालणीमालैपोद्याछे:॥अरहैसेषेले
छे:॥ग्यरसुखचिंतक:। अरसुजाणीजोडेव
नावैही॥जदिएबीरकीमांहीकुंफेकुफीसु
बनावैछो:॥जदिकवरजीसालंग्यानेबुझी:
एहजिनावरकांइभाषाबोलैछे:॥जदिसा
लंग्यादोहाकह्यो॥दोहा॥एकजेबटीसाह
की:॥जीमैंचीरतअपार:। सोयोहल्यायार
जई:॥कंततजिआशीलारि:। कुंकीयाहक
हैछे:॥जदिकुंफेजुवाबदीयो:॥जुवाब॥४
ज्योपीवतज्याआपणां:॥ज्याकाकीसाबषा
णा: सोपरत्रीयासंगहरले॥सोनहीमहराणा
जदिकवरजीकुंफानेकह्यो:॥दोहा॥पंछीया
हतोयोबणी:। महानेदोसनदेशी:। सोकरता
रबणाडीया॥करताककरनासनेहः॥जदिपं

163

॥७६॥ छीदोहामिकहेछै:॥दोहा॥करतादोमनदीजी
ये:॥सगलीमथाजबादी:॥कांमीतसकरनी
रदड़ी:॥अपणुकौरतुवादः॥जदिसोलंगपा
बोलीबोल॥दोहा॥पंछीकहीसोसांचही
तुणीहोकवरतुजाण॥महापतीकाईस
कलबुधी:॥जीहैसेचुकनजाणि: जदिक
वरजीदोहाकह्यो॥दोहा॥होश्रीहाइसोहा
इगाडी:॥जीहकोकीसोबीचार:॥अबपोछ
ताहोजीनीकरो:॥योहबलेनआवेबार:यो
हदोहोकहिअरसोडीरह्या:॥अरपरभा
तिनीगारोकीयो:॥अरलोगसारोबहीरकु
बो:॥अरतीसेरेनीगोरेकवरजीजाग्या:॥अ
रअसवारीसारीआणिऊभीरही:॥जदीनी
गारचीदोहाकह्यो:॥दोहा॥कवरसंदेखछी
चढीया:॥पाछेफोजकदेर:॥जाणिकघटा
इंद्रकी:॥आइसमंदलहेरी:॥अरचालतां ॥७७॥

164

आंयणकुवो।एकदीमालेडेराडीयाः।अरकव
रजीपोढ्याः।एकाबनमेंसेनांबोलीः।जदीकव
रजीकाहीः।योहपंछीमनीषकीसीभाबोलेः
छेः।जदिमालेग्पादोहोकह्यो॥दोहा छत्री
धरमजछोडियोः॥घाल्योपरघरिहाथः।ल्या
योनारिसुंचंकहीः॥रह्योनरजमुकतः।जदि
कवरजीमेनांनेजुवाबदीयोः॥दोहा कह्या
धरमजछोडियोः॥पंछीकहोविचारिः।या
हजोबनकीश्रोसताः॥ल्यायाएकजनारिः
जदिमेनांबोलीः॥दोहा इहकेपुत्रजहोय
सीः॥जीसुंवंदेनथभसीराज।कवरकुपन
हीजातिको।जीदीसुंसरीसीसाराकाजः।ज
दीमालेगपामेरांनेकहेछेः॥दोहा याहकवर
हेनारिछोः॥आगालगयाहहोडीः॥पंछीए
वोरूपकाः।कीयाविधातादोईः॥बलेपंछीबो
ल्याः॥ज्याहकोनेहजलागियोः॥अबकेुछुटे

165

नारि:॥थेपीछनावोजीनीकरो:॥म्हेभोलेकह्यो
॥८०॥ विचारि:॥याहदोहाकोहेअरैमरणानोमोहीर
ही:॥जदिस्तुजाणीसालंगपानदोहोकह्यो:॥दो
हा॥वुरीकुमाईआपणी:॥स्तुणिल्योहकानं
नारि:॥बनिबनिपंछीहोयगाई:।घरिघरिस
गलीनारि:॥जदिस्तुजाणीनेकही:दोहा॥यो
हसंजोग जठघड्यो:॥मनमांनेकहेकोई
पुनीप्रगटहोईजी:॥अपजस जाहरहो
ई:॥योहदोहाकहीरमोझीरह्या॥प्रभात
हीकुचकोनीगारोकुवो:।जदीनीगारची
होहोकह्यो:दोहा॥अणमारणाराषणाहीतु:
पीसणाहैदोसालः॥कवरासीरैसदेवछेहे
जुंमोत्यामांहीलाल:॥अरचढीचाल्या:
फोजसारीचढिचाली:॥जीदीएकसहरी
आया:॥जेठेएकनदीछी:॥जेठेएकबाग
छो:।जेठेडेराजाईदीनां॥जेठेजाईबेठा ॥८०॥

अरस्तुजाणीमालंगपारतनकवरीस्तुभीचंतक
आणिबैठी:।राकबीरछीमेचकवोचकवीस
ताहा:॥अरसालंगपाहेहोकह्यो:॥दोहा॥दीव
सजस्तुतापौढीया:।दोनुवाहाजोडी:।याहकां
मछैरातिको:॥थाकेकांरीपोडी:॥जदिचक
रीवोली:॥दोहा॥औरसमेछेरातिने:॥म्हेरातीर
हांछांदुरि:॥म्हांसुंकरतातुमसियो:॥लीष्याव
हमंकूर:॥जदिस्तुजाणीबोली:॥दोहा॥रे॥
नीगलंतीरैनिमि:॥ज्यांहस्तुंमीलेनकंत:
ज्पास्तुंदरीजरुसियो:॥सूहीजद्ररीभरंत:
जदिचकवोबोल्यो:॥दोहा॥जेमसतगमेसी
गदे:॥कैरे[illegible]रेप[illegible]रिढंक:।डुपस्तुपसाराउ
गनरणां:॥लीष्याविधातान्त्र[illegible]क:॥जदिसो
रीरह्या:॥प्रभातीहीकुंचकीयो:॥लोगबही
रडुवा:॥अरनगारची रोहीकह्यो:दोहा।
वेगिपधारोराजई:॥घणांउतरणाघाट:सा

राघवांस्तुलषणी: ॥ ऊभीज्रौवैबाढः ॥ जदिमा
॥८२॥ 167 रीफौजघटाटोपहोइ अरचली: ॥ चालतांआ
षणकुवो: ॥ जदीएकतलावमालैफैरादीया
अरकवरजीफैरांदाषिलकुवा: ॥ अरपात
रिनांचिलासुलाई ॥ बहोतनांची: ॥ बहोतगा
डी: ॥ जदीकंवरजीबीसमहोरदीज्ञी ॥ जडा
ऊसुंदडीसिरपावबकस्या ॥ जबसुभचिं
तकसुसलोबोल्या: ॥ दोहा ॥ ज्याहकेकंत
जगतमे: ॥ ज्याकोमनहरियाव: ॥ वहपरा
याअंगमे: ॥ उदरनश्रेवैघाव: ॥ जदिसुजा
णोदेहोकह्यो: ॥ दोहा ॥ थेनोमसलोबोलि
यो ॥ म्हेजाणांछानारि: ॥ याहतोबिटीमाह
की ॥ थेबाशीसीरदारी: ॥ जदिराजाकीबे
टीरतनकवरिबोली ॥ यहतोम्हाकापाट
शी: ॥ म्हेछायाहकीलारि: ॥ शीसुम्हेभीआ
डीया: ॥ याहसमफैनहीगवारि: ॥ जदिसमा ॥८१॥

लंगपाबोली:॥दोहा॥म्हांथबीचिअंतरनदी:॥थे
मनीमांतुरकुभाव:॥दोन्युंमीलीकरिचाली।
स्या॥राणाएकस्तुभाव:।योकहीअरसारापा।
डीरया॥ अरपरभातिकुचकीया:॥जदिनगार
चीचंद्रायणा॥चंद्रायणो॥हाथीउपरिनीसा।
णक:हाथदेलियां:॥जाणिकफुल्योवागक
आफ्रबांडियां:॥एकदोशीसीरदारक:॥साव
नसंजिया॥परिहांवेगिकरोनेकुच घधारोराज
या:॥चालतांआंथणाकुंचा:॥मेरादाषिलकु
वा॥एकसहरकोसाकुकारआणिमिल्यो:॥
अरनिजरिकरी:॥सोतोम्हार:॥पांचघोडा:।ए
कसिरोपाव॥सोहरा च्या:॥अरसाहकीदिला
साकरी॥अरसीषदकी:॥अरसाकुकारघरि
आयो:।पोहिरह्या:॥जदिएकताडकाव्रछमें
स्वेंकुंफीबोली॥आपणांबांवदस्युंबतलावेछी
जोदिकवरजीसालंगपानेवुकी।योहजीनावरका

169 इभांषाबोलैछे॥ जदिसालंग्पाबुमीकुंफीकी
॥८२॥ भाषाकोदोहाकह्यो॥ दोहा एकजपोढ्योपालि
कैः॥ उवीरदेषाचावः॥ दोझीनारिनांश्रोड्डि
छैः॥ बीचिसुकैछेरावः॥ जदिकुफोकेदेछेः॥
॥दोहा॥ याहसुवहानजुम्रमजछेः॥ नीमामी
नीसुभाव॥ म्हाकोझीनपोदीमीः॥ रेकहोझी
भावैरावः॥ जदिकावरजीसालंग्पानेकैदेछेः॥ दो
हा॥ म्हेनोजाणंचतीनृः॥ यासुंपंछीअपार
रसकसजोबनरीतिरंगः॥ जोणबहोतबिजोग
जदिसालंग्पाकावरजीनेसुवावदेछेः॥ दोहा
पंछीपांणीश्रोरजलः॥ घरिघरिश्रोरविचारः
चकरीझीनदीबांटिदीझेः॥ एकसुएकअपारः॥ ज
दीसायरह्याः॥ परभातिनीगारोकुंवेः॥ अमनगा
रचोचंदजहूणोकह्योः॥ चंद्रायणो॥ हाथीघोडा
उटबडासिरदारछे॥ लीयाबकसरियाष्याल
दवाहीबाणछैः॥ पिरिहांउठोराजकवारकः॥ ८२॥

रौनबोहोमारियां: ॥ बात ॥ जदि कवरजी हाथी के
हौदे चढि चाल्या: ॥ चालता चालतां एक उमराव
को सहर आया ॥ जदी जैठे जा डेरा दीया: ॥ ज
दी उमराव कवरजी सुं मीलीबा आया: ॥ जदि
कवरजी डेठीसा म्हां मिलीबाने आया: ॥ जदि उ
मरावां कहीया हद घर म्हांजि को छे महरवान गी
कीजे: ॥ जदि कवरजी कहीया तो घर म्हां ही को
छे: । म्हाके तो म्हाराजी भीर षा आप छो: । औठ
ही तयारी करि देषीना वो: ॥ जदि उमराव घरि आ
या ॥ अर परधानने कह्यो । कोठ नार मांहा सुं सा
री जनीसी पदे चावो: ॥ जदि परधाना कहीब
हात भलां । जेवा पाछे रएग वास सारा मिलीबा
ने चाल्या: ॥ अर सारी मीली एक उमराव का बे
टा की बकु दोहो कह्यो ॥ दोहा ॥ मो हि भरोसा नां
ही छो: ॥ औठे आवण जाणि: ॥ मुतलब करबो
ल्या डीस्या: ॥ रहस्या डीढी वाणि: ॥ बले उमरा

॥७॥ वकीवकुवोलीः दोहा वंधगाटावांधियाः॥ज
॥८३॥ वनेहकीयाभूपालः॥काचाहाथनघालिजेः॥
दीजेसालजटलिः॥जदिस्युजाणीज्युवाबदी
याः॥दोहा॥थेछोवेटीराजकीः॥जाणोछोसोष्या
लः॥अबयापेछोजाणीसीः॥बहसीतातीश्रां
चः॥दोहेस्युणिश्रापणेमहेलीसोईरहीः॥
परभातिनीगारोकुवेः॥लेगवहीरकुवाः॥
अरनीगारचीदोहोकह्यो॥दोहा॥एकजका
रणीथगयाः॥ल्यायावहोतसीकारः॥साहण
बाहणलीछीमीः॥लेचाल्पादेडीनारिः॥ज
दीकवरजीस्युषपालमेचढिचाल्पाः॥डीत
रामांहीउमरावदसतोघोडादोडीहाथीः॥पां
चसैमहोरः॥एकतरिवारि एकषंजर॥जडा
उनीजरिकीया॥जदीकवरजीएकहाथी
एकघोडोः॥एकतरवारिः॥एकपंजरराष्याः॥
अरउमरावपकुचावोनेचाल्योः॥जेगपोछे ॥८३॥

चंदेसणी उमराव नेगोलामां हांसुलीघोडीझी: 172
अरशाथणकुवो। जेजेजाइउतरा: अरच्या
एकएकमजलिरह्योः। जदीकवरजीमिरामां
हीः चांदणीकहवाकरेछाः। बीछावणांकरा
याः॥ सालेगयासुजाणीरतनकवरसुभचिं
तकः॥ अरकवरजीबिछावणामालेआणि
बेठाः॥ अरघेलवादसवालागया॥ अबेहो
तवेमतकरेछेः॥ अरसुजाणीमालेगया
नेकहेछेः। दोहा। बाईअटकजआईयो। प
राडाकीहेराहः॥ सुणसीसाहपदमसी नो
करिसीबहोतकुराहः॥ जदिमालेगयासु
जाणीनिजुवाबदीयोः। दोहा। म्हेपकडाई
आंगलीः॥ पकुंचोपडिआयोहाथिः॥ सकस
केपोनेपडीः॥ कदीयाछुटीसीहाथः। जदीक
वरजीकहेछेः। दोहा। कोडीचिंतामतिकरो
मनमेरहोकुस्यालः॥ एकआध्दमीघिदाई

173 या॥ अरसालंगपानेबुगी:॥ याहजीनाव्नरकोईभा
॥७४॥ षाबोलेछे:॥दोहा॥ रतुंणअसाहीआडीया:॥क
रीसीबंकुंतबीमास:॥ मनचिंतापरलपाईसी:
घ्ररणहोसीआस:॥ महाराजीजीनाव्नरनोया
हभाषाकेहेछे:॥ जदिबतरीजीकुंवो:॥ अर
नीलापरनदीकेमालेजाश्रीकुंतरला:॥ अरनी
गारचीदोहेकह्यो॥दोहा॥ अमलकरीनेठाकु
रा:॥ सोहस्तछापरितावॣ॥ मारांघरांजबालही
कुणरांणाकुणारावॣ:॥ अरउतरिसाराअमल
करिवालागपा॥ अरनगरकामंत्रीपरधानआ
गिलादसतरमापिकनीजरीकरी:॥ अरच
ढीचाल्या:॥ अरनगारचीचेजायणाकह्यो
चंद्रायणु॥ आयासहरअटक: भटकयाजी
रीही॥ कीयाभेषअनेकतेसेनरहै:॥ अनघ
नलछमीलाछीक:॥ मायाबोहघणी:॥ परि
हंसाहणबाहणलारीक: हयगीदीहणी॥ ७४

174

अरनी गारची मांही आयो ॥ फेरि चंद्रायणी करी ॥ चंद्रायण ॥ वेगा महेलां जाई करां णी

आडीया ॥ ल्पायो नाहर्डे चंकीरह्या वहाबा

णिया ॥ जी णी रा सा चा नि हः नी बाहे बांधणी

परि हलां रा ज कवारि क डुजी पदमणी ॥ ज

दीनी गारचीनि बीस म्हेर घोडा मीरपाव देशी

रसी षदी क्री ॥ जदि धाई बडारणी मांही गई

अरकार षां नु सरिराउ तारिली क्रौं ॥ और हा

कि म परधानौं नें कही ॥ या दलो गब सती को

आयो छै ॥ ज्पा की सरबरा सारी ही की ज्यो

म्हे मांही जां वां छां ॥ जदि वां दक ही बहोतभ

लां ॥ जदि कवरजी म्हेलां मांही चाल्पा ॥ ज

दि मौरे रणवास निछरावलि करी ॥ राजि क

वारि मा स्याकै पगां लागी ॥ अर सालंग्या

सास्यां नै सलांम करी ॥ अर म्हेलां मै वेगी को

तहल करे छी ॥ जदि सुजाणी चंद्रायणोक

175 स्योः॥ चंद्रायण॥ सुबाकेलिकरंतकःचंपाकी
॥८५॥ कलीः माणुराजकवारिकजोबनबालिया
परिहांचीरंजीवायाजोडकसाहिबसाथि
याः॥जदिसालगपादीहोकस्याः॥दोहा नष
सषमोरापदरीस्याः।हीरारतनजडाईः।सा
हिबनैंररिकाईस्यां॥ आगिआगिजोबनच
ढाईः॥जदीसुजाणीकस्याः॥दोहा बिदवी
धातानुघडीः॥ अरदीयारुपअपारः॥ईसी
नकोईदुसरीः॥तोमारसीनारिः॥जदिसु
भचिंतकसुमलोबोल्याः॥दोहा अतनुगर
बनबोलिये॥एकसुंयेकअपारः॥एकजम
हाकानगरमे॥छेमोचीघरिनारिः॥जदिसु
जाणीजुबाबदीयाः॥दोहा॥ लोहिणना
ढामेंघकाः॥चारोलीमाहंतः॥जीहकासा
रा अंगमे॥जलपीवतादीसंतः॥जदिरत
नकवरिसुभचिंतकोनेजुबाबदीयाः॥दोहा ॥८५॥

याहछतीसीगुणबहोत:॥जाणेअनंतबिचार: 176
डीहडेहकीसीबराबरी:॥तसमफेनहीपाड़ा
रि:॥जबसुभचिंतकदोहोकह्यो॥दोहा जे
गुणछेतोआपमे:।दीजेनांछिबताइ॥डीठ्य
यीनेनीदडी:॥आपोबहोतसीराही:॥जदि
कवजीकह्यो॥दोहा॥सुभचिंतकन्हबावली
मेंहजाणारगंभीर:॥तोमापीबन्हबातक
है:॥आषरिजातिअहीर:॥जदिआपणी
आणीढोलणीमलिमोडीरही:॥अरपरभा
तफुड़ोअरकवजीदीवाणषांनेआणिबेग
अरषवासीहज्वरिआयो॥अरहांतणअ
सनानकरबालागया:॥अरकवरजीकीबडी
राणीछी॥रतनकवरिकोअरकेकोसापछो
सोवाहमिलिबोनिरतनकवरिसुआडी
अरमेहलाकामुहाआगेआडी॥जदिसा
लेग्यारतनकवरिसामेहीमिलिवोनेआडी

177 अरतीनू जाशीगादीमालैवेढी:॥जदिराणी
॥८५॥ बीरमंद:॥सालंग्पानेकहैछै:दोहा॥केउछ
लियाङापदा:॥सीतारावणडीस:तेपीवछली
येमाहरी:॥पायेअबजगीस:॥जदिसालं
ग्पाबोली:॥दोहा॥महांनेछलीयाराजङी
मा॥मानुंबीसबाबीस:॥अबपीवल्पोह
आपणा थेमतिकरोजीस:॥जदिराणीक
हैछै:॥दोहा॥जेउरहती साहघरि:॥कर
तीसुषअरचैन:॥अबनेवाटेआवसी
बरसमासदीनरैनि:॥जदिसुजाणीक
हैछै:॥दोहा॥दोसदईनेदीजियै:॥जीह
लीषीयारसंजोग:॥जेमरहेतीसाहघरि
करतीभोलाभोग:॥जदीराणीकहैछै॥
दोहा॥तेसमभाडीक्युंनही:॥जातीडहकी
लारि॥अबतेसालजसालसी:॥नीकलि
जासीपार:॥जदिसुजाणीजुवाबदीयो ॥८६॥

178

म्हांसमकाया कंुरहे:॥ज्यादकालागपानेहथ्र
पार:॥थपीवबरज्योकुंनही:॥जातोम्हांकी
लारि:॥जदिराणीबोली:॥दोहा॥धुरषजेजे
सोबीछलो:॥चीयासकतिश्रोतार:॥दुरका
नांसुदुरीरहे:॥बुलायास्तुलारि:॥जदिस्
जाणीकह्यो॥दोहा॥कंदनबाहरिनीसर्या:
वादिनगयासिकार:॥सालनपढंतीसाहकी:
नीरषीराजकवारि:॥जदिराणीबोली:दोहा
मोहिबिराणांकंतने:॥सगलेकुशीफजीती:
जे पीवमोहनीआपणो॥तोकरतीराजनची
त:॥जदिस्जाणीकहेछे:॥दुपस्तुषसारा
आसग्या:॥तजीयोपासानाह:॥थेकुंमारा
बोलणां:॥जीभाहंदाडाह:॥जदिराणीकहे
छे॥पीवबडारोआपणो॥कोरीरहेसीआनः
सलाहदेसोथिरेकदेनपायोचैन:॥जदिक
वरजीदीनीणाअमनानकरि:॥म्हेलाकाम्

179 हदाआगेआणिउभारह्या:।गुहभीहीगाढा
॥८७॥ मेवतलावैछी:॥जदिकैरजीमारीसुणिबा
कीया॥अतनोमांहीरतनकवरीकहैछै:॥
दोहा॥ज्याहंनैलिष्याजसांथिया:।जीभाहंदा
डाह:॥सोवाहआपभुगतिसी:।पीहरिल
जसीसाह:॥जदिराणीकहैछै:॥दोहा तोभे
परणीरल्पाईया:॥कुवाबहीनकुस्याल:॥
याहतजिआईकंथनें॥जीसुंलागोसाल
जदीरतनकवरीकहैछै:॥दोहा॥म्हांकेम्हा
लीबिलासकरि:॥ठगकरिल्यायोनाह:॥
याहतोप्रतीनआवती:॥जाणैछीसाहराद
जदियाहदोहोसुणिअरकवरजीमांहीआ
या:॥अरराणीमालिशीतराजहोशीरकहो
॥दोहा॥ तोनेकाईबाटणों।थेबोलोजबा
नकुभाई॥साहकवरिमारासिरें:।थेबगा
पीहरिजाव:॥जदिराणीज्वावदेछै:।दो ॥८७॥

180

ह त्रियामांहीरूपबोहः ॥ एकसुं एकअपारः ॥ गु
णमास्यांकेएकहेः ॥ बुझेसबसंसारिः ॥ जदिक
वरजीफिरिकहेहे ॥ दोहा ॥ तनितनिओरजरु
पहेः ॥ अंगिअंगिओरस्वभावः ॥ बाजाएके
धातकाः ॥ नीकसेन्यारानादः ॥ जदिफेरिकव
रजीकहेहेः ॥ सोरठा ॥ राणीरसकीरीतीः ॥ दे
षोइकोइषेमे ॥ रसहीमैंबीपरीतिः ॥ जहांगा
ठतहांरसनहीं ॥ जदिराणीबोली ॥ सोरठा ॥
गांठीरहीरसबोधि ॥ एकसुरषतासमकेनहीं
चियातणावीचारः ॥ जीहांगांठितहांरसध
णांः ॥ जदिकवरजीदोहोकह्यो ॥ दोहा ॥ अत
नीबातजेतेकहीः ॥ हेसुराणीजसारीकांनि
यतनांमांहीसमिझाह ॥ थेकह्योहमारोमा
नि ॥ जदिराणीकहेहे ॥ दोहा ॥ साहिबहेसा ॥
चीकहीः ॥ थेमानत्तरकुभावः ॥ हेतोयाहकीपा
प्रनां ॥ याहराणीथिराव ॥ जदिकवरजीकह्यो

181 याहराणीम्हराहृछो:॥ ये छोसारीलारि:॥डीह
॥८८॥ कैकुकीमजीचालिस्यो:॥ तो थाकुंको घरवा
र:॥जदिराणीबोली:॥धुरऋषीसोमेसम मोवे
छै:॥दोहा॥ परिघरीकंता जाडीमतिर:॥हेज
आप घरबीची:॥त्रिभवनमांहीजसवधै:
याहसम कोजीववीची:॥दोहा॥ साहिबस
बसंसारमैं:॥गहलापुरषकहंत:॥म: नमे
बडाजहोशीरहो:॥त्रियासंकरिबात:॥कं
नामास्यो विरहका:॥र:हेजसारीपाडी॥म्ह
राज्युभटकत्तफिरे:॥नहचलकोदनहोइ
॥दोहा॥ होडीजससंसारमे:॥कीरतिबंद
अपार:॥तनमनकायाबसिकीयां:॥आ
णिमिल्पाकरतार:॥ भुडतेसंसारमे:॥गः
लापुरिषकहंत:॥म: नैमेबडाजहोयरहे
परत्रियासंकरिसंग:॥दोहा॥ भुःडुतेसं
सारमैः॥लगनकरेपरनारि:॥त:नमधनसी ॥८८॥

182

सगुमाईकरि:॥ नी:हं चेरहै कषमा रि:। धर
कजनमता पुरीष को:। नरकपडै वेजानि:
छीजिजाईतन आपणौं॥ जीवतणीहोई
हाणि:॥ रजुमुछैजा पुरूरीषमे:॥ ज्यांह
कालछिणायेह:॥ ई:जतिराषे आपणी
सी:रीपरीबुरीनलेह:॥ दोहा॥ रंगकैरेपर
नारीसंगु:॥ वहछैबहोत अगपान:॥ सी:गी
रीषिनपषंफीतकीयो:॥ डालरहीनपान:॥
॥ दोहा॥ ल:षत्रियानेबुजिलोह:॥ न:ही
जे औरसुभाव:॥ पुरीषहोयसोभ्रमीरहै
ल:छीणल्याचेवादि:॥ एहधर्मछिराका
दोहानेव:॥ जीदीका अछिरकोदोहाए
ककह्यो:॥ दोहा॥ पत्रियासंगमतिकरो
परत्रियादोषनिदान:॥ तनमनधनजीवजा
ईसी:॥ दागजलैगेनिदांन॥ याहदोहो अ
रथकोकह्यो। जद्दिकवरजीधुरआषीरांमे।

183

८९ जुड़ावदेहै:॥दोहा॥बु:दामहीवमेषवहो
त:॥रसषीज्योतीयाह:।अचवभडनीह
मेनीपंजे:॥लछमीपतिरघुराव:॥दोहा॥
सुषीजणकेकुषीमे:॥दोशीबहोतअनराडी
डी:नतबीषेलछीमी:॥धनकमंषसीपवो
सगाडी:॥गीरपरवतमेणकरम:॥जीनको
सुगुबीचार:॥मनमनकंचनरूपलो॥ह:
नीकेमधातअपार:॥कलिमेओगेहोयग
या:॥लीलाअनंतअपार:॥परिघरिजाना
हिसुणपा:॥घरपतिओरओतार:॥४॥हो
नीबनारमिटैनही:॥शी:हसुलिष्यासंजो
ग:॥म:हेतोपरगटल्याडीया:॥छोनेकीया
नभोग:५दोहा॥वे:कहांवेलंकपती:॥ह:
रसीतदसकंध:॥कामबसिवेभीभया:॥सा
राजाणेबंध:॥दी:नकरिकेदनपुछीयो:॥बा
दकीयोतेनारि:॥रावानहठीलागियो:है ॥८९॥

तुम्रसलिगवारिः ७ ॥ दोहा ॥ म्हांकीनोकां
इचलीः। कीयातपषंडनारिः॥ जोगीमछिंद्र
नाथसाः। वैलालचीग्रहुवारिः। एहदोहा
धरग्रंछिरांकांमांहांसुकाढीग्ररकढो। दे
हा॥ ६॥ बुरीभलीसोहस्रासंगीः। जतनीक
लीमेहोय॥ म्हेलावांकासाहिबाः। वेछेम्हा
कीजोय॥ १॥ एहदोहासुणिराणीधुरग्रषी
रोमेसमझावेछे॥ दोहा॥ प्रथमअगपानजोसी
होय॥ नाहीजीवकेमांहिः॥ रीतुकीयापर
नारिसुं॥ पेपाडीजेनाहीः॥ दोहा॥ नीतीग्र
तिहीधरनारीसुं॥ कुडीनकहीजेरेग्रगपान
रसकसमसारोसाधिलेः॥ घातकरैजीवजा।
निः॥ ४॥ दोहा॥ वेहरकहावेमहीरपतीः॥ ज
होरतकेपरनारि॥ मालमुलकग्ररपरगनां
लीहवीराणांतिहः॥ ५॥ मनिषजन्मतोग्रोतरै
होरेपराईनारिः॥ नषसषनाडिकटाईसीः

185 हतपतिवाकीलाति:॥६॥नीनीडुषरहैसरीरमे
॥८०॥ कलहरहैघरिवारि:॥लीहजंजालघरि
परै:॥ज्याहजमारोहाथि:॥७॥इहबानामेसु
षनही॥दुषहैअनंतअपार॥साचेजीनव
वीगहै॥रसेपराईनारि॥८॥येहआठदोहा
काअरथकोयेकदोहोकह्यो॥दोहा॥पवना
रीपेनीछुरी:॥कोडीकेरामतीप्यार:॥कुवा
जेमहलीमीनज्यु:॥नीकलीज्यायदु:सार:
याहदोहाकाटिज्युवाबदीया॥जदिकवर
जीजुवाबदेहै॥दोहा॥सुरीपत्रीयात्तासके
घरज्यु:बस्तुनीलगाडी॥लीषीयविहली
लाटमे:॥त्रीयामरजणहार:॥१॥याहमीटे
वंधुभावनी:॥छलीयाकुवाणवार:॥वाहत्री
याहवीलागीही॥रीतीभांतिकुलाडोकीना
गरीलारीफीरंत:॥२॥छतीयामेसकेनही
रतीयाजतीनसुहाशे॥वेत्रियाकीसोभाक॥ ॥८०॥

कुं। गंमीनमाहीकछुनांहि ॥ २॥ योहदोहोधुरी 186
अंषीरांकोकह्यो: दोहा ॥ मुरीषभुंडु:मानवी
नैकछीयाकोछेह ॥ वेहभीनारीकुनारीछै:
कैरपीवकोनेह: ॥ १॥ दोहा ॥ आगेहसीकरी करी
गहैरै: ॥ कासीकरीगहोजकेस: ॥ अवतोभा
वेवरिरहो: ॥ म्हांकेभावेपरदेस: ॥ जबस्तुभचिं
तकबोली: ॥ दोहा ॥ येताकहैजपीवस्तुं ॥ गा
हांमेसमझाय ॥ वेवसिकुवाजओरकै: ॥ औरे
नीयाबुलाहि: ॥ जदिराणीबोली: ॥ सीहडा
ज जर्डोंसोकड्डोल्ला: ॥ धुरोसीसअसराल: स्या
लङरपीअरजाङीसी: ॥ जदिहोयसीजंजा।
ल: ॥ जदिस्तुजाणीदोहोकह्यो: ॥ दोहा राणी
रोमाविमारिकारि: ॥ यादिकोकरतार: ॥ जदि
राणीपुहोकह्यो ॥ दोहा ॥ दशीकठ्ठाजोयस
त: ॥ रधस्तुतषीज्योसाहववारि: ॥ दधिसुत
वाहणरिपु: ॥ सुमीज्योतोनेनारि: ॥ जदिमा

187 लेग्पाग्रुटामैकहिछै:॥दोहा दधिसुतनैम्हपीव
॥८१॥ स्याः॥ भ्रमरजहोडीस्यांनारिः॥दधिसुतनैपे
साडीस्यांः॥हरसुतवसिभरतारः॥जदीराणी
बोलीः॥दोहा हरिसुतथारैभ्रंगिभ्रसि दधि
सुतकैरैभ्रपारः॥घरिघरिमैंतजतुकैरैः॥रे
सिधोसरहेल्लारिः॥जदीसालेग्पाबोलीः॥
दोहा॥हरसुतपतनीगुणदीयो॥दधिसुत
दीयोजरूप॥रविसुततेम्हकीयाघणा॥
पायोधीनमभ्रूप॥जदिराणीगुटाकहो॥दो
हा॥जलसुततातसुतासुतः॥तापत्तिदीयो
जरूपः॥रबीसुततेम्हकीयाघणां॥पहेला
पायोभ्रूपः॥जदिरतनकवरिराणीनेदीला
सादेछैः॥सूहा॥दधसुतब्रततैनेषंडकीयोः॥र
बिसुतकीयोभ्रनह्रीरः तोकाफलतैतपाई
याः रविसुतभ्रधीबीचीकुवाडुरिः॥जदि
राणीगुटामैजुवाबदेछैः॥सूहा॥बिलसा ८१

बहोतस्तुमेरस्तुतः॥दीयोबहोतजदांनः॥को
ईयेकुरजउद्यडांनां॥तातेअधिबीचीघटीग
योमांनः जदिस्तुभचिंतकबोलीः॥ दोहा॥वा
दृधिस्तुतपतिव्रतणारहैः॥ कवलस्तुताकेकां
निः॥तास्तुतसीसीरीउपरीरहैः॥जीमेपेवी
रदीयोदांनः॥जदिराणीबोलीः दोहा॥ जोवां
कोचिंतफाटीजाइीः॥साराहोयमीलावः
यादोन्यानेपरिहरी॥कोईकरोउपाव॥ज
दिरतनकावरिराणीकहेछेः॥येवंतुअडोज
पीवस्तु॥आपणेकरोअकाजः॥ज्पावसकी
याराजइीः॥ज्पाकोअविचलराजः॥जदि
राणीबोलीः दोहा॥म्हानेअडदपरणीयाः
जीस्तुआवेअहंकारः॥म्हेताजदिकाछोडि
याजदिकागयासिकारः॥जदिकवरजीतो
डीरकहीः॥दोहा म्हेअपजसपीचीयो॥अ
पणोहीरस्तुवाटीः॥ये म्हेलिपधारोआपणेः॥

189
॥६२॥ बयांनेकोरापीमाद:॥जदिरांणीतोदोहोस्तुणि
अरसीषमांगी:॥आपणेंमहैलिआई:॥बात
कवरजीकोंसोसाराकैतांई:॥अरआपणे
तांडीमगायो॥जीमीअरसोइरह्यो:॥अरति
जाराकोवषतहुबो:॥जदीजागपा:॥अरस्तु
जाणीकनोंसीसीमगाई:॥मुरवछाठेया:क
पडापहरीया:॥जदिसालंगपारतनकवरि
सलामकरी॥म्हांनेन्हुदीक्षुदीरहासिबता
जे:॥जदिरतनकवरिनेषासामहलबनाया
अरसालंगपानेकह्यो:।थेशेहीमलमिर
हबोकरो:॥जदीसीषमागिआपणीआ
पणीरहासिमैगई:॥जदिकवरजीदरबार
श्रीयरणकोकरीबानेआयो:॥म्हाराजाजी
नैहाथजोडीसलामकरिबैठीगया:।जदि
राजाजीकह्यो:॥दोहा॥ मेरैचछीम्हांकांबा
समैः।नोसिरषानहिकोडी।घरिघरिजोले ॥७२॥

हांडतो:॥मगतीदीनीबोडी:॥जद्दिकवरजी
सुंबाबदीयो:॥दोहा॥वेहवीधातनाभावनी:।
लेगईमोहिपरेरी:॥लीष्यातीलोधजनांमि
टे:।कुवावणाहीफेर:॥जदिराजाजीफेरिक
हैछे।दोहा नोमेघणुजबोमछो।जाणनही
छोलारि।याछीबेटीनगरकी:।जीसुंकुवा
पुवार॥जदिकवरजीबोल्या।दोहा कुबुधि
सुबुधितानांमिटे॥म्हेलीसरजणहार:।म्हेतो
म्हाणांबहोतछा॥चुकिगयाजबीचार:।ज
दिराजाजीफेरिकहेछे।दोहा।येरकहावाम
होपती:॥कलिकाआभणहार:॥आगेपाछे
कोनही॥जीहकोयोहविचार:॥जदिकवर
जीफेरिबोल्यो:।दोहा म्हेतोआपजसेषची
यो:॥सुफलपडेजोसबकांम:॥हेगेमेगेल्याई
या॥परणीयपारब्रह्मामः॥जदिदरबारमेसु
रसेणाभाटबेठेथा।छोसोचंद्रायणोकह्यो।चं

१९१ ज्ञायणु ॥ अरिसारानेमारिवरांकेली जियेः ॥
॥८३॥ सुणिहोराजकलारहानारलोकीजीये ॥ करि
येजुधजमराणक ॥ भुपनवाईयेः ॥ परिहां
जुंकरिमैंनावकःपदरोपाईये ॥ जहिक
वरजीचंज्ञायणेकहो ॥ चंज्ञायणु ॥ लेस्या
हथियारकषामीकेवेरीमारिस्याः ॥ करिस्या
जुधजमराणकघोडानाषस्याः ॥ लेस्याग
ढअरकोटओसीपजाईस्याः ॥ परिहांचा
रंपुकुंटमांहिकआणिफिराईस्याः ॥ बात ॥
जदिसुरसेणकहो ॥ आपणअसाहीछो
शीहीवंसमेआगेहोसाहीहोईगयाछे ॥
ज्योंचारुंकुंटमेंआपणीआणफिराईछै ॥ सा
तसमुद्रघोडाफीरायाछे ॥ बडाबडाजुध
जीत्याछेः ॥ कांछवाछनीकलंककुवांछेः
सोज्याहकीओलादिछो ॥ मोथ्याकोअचिर
जकाईछे ॥ पणीघणांसोंतीबातमहांनेकंपु ॥८३॥

ह्लोछो। म्हांसुंतो अवारवंयुभीवणिआवेनही
छै॥ पणीआपकुंकांईसीराकुं॥ अबारतोश्री
हमोसरतोभोमियो:॥ हाथजोडीबाबालोको
छीझी:॥ अरजुंकुबुरीभलीकरतोमहारामाथ।
मालैमहाराजिछै:॥ म्हाराजिघणासादिनस
लामतिरहो॥ याहकैकांधेदानपुन्यकरांछा
जदिम्हुरसेणयोकही॥ जदिकवरजीसीष
मांगी॥ जदिमहाराजाजीदोहोकह्यो दोहा
तुंछैपुत्रजपाटई॥ थारोछैयाहराज। भाग्री
थारीबाहछै। बहज्योवाहकीलाज:। जदी
कवरजीकह्योमहाराजिकुंतोवाहकोचाक
रछु। बहदेसीअरकुंघासुं। म्हारैवाहउपरा
तिकाईछै:॥ तरततोम्हांनैअरवांनेदेबावा
लोम्हाराजिवैठनाछै:॥ सोमहाराजिघणांसा
दिनतपा॥ जदिराजाजीकह्यो तुतोम्हांवैस
मतछै:॥ जदिकह्योमहाराजिमहारीतोभली

193 वुरीआपदीकेपाछेछे:॥जदिकवरजीनेकही
॥९४॥ तुनेघणीवारकुई:॥तुम्हेलिजा:॥जदीकव
रजीसीपमांगीम्हेलिआयो:॥अरपदमसी
साहकैसमुधंसुंजीहाजिआइछी॥सोबा
पबेटासम्हालिवागयाछा॥साहवलीकासु
दाआंगेआणिउतर्या॥छडीदारपोलिआ
गेउभोछो॥जीहनेसाहबेडीबुझ्यो॥म्हारा
जिकुसलछे॥हेमभाइकुसलछे:॥अैवेकु
सलछे॥जदिछडीदारवोल्यो॥अमकवर
सैदेबेछमालेगपाने:लेइकालिकोउंव
आयोछे॥सोआपणांमहल्लांमाहिराषीसो
सारागावेमेहदेकारहोयरह्योछे॥जदिसा
सहनेमुरछागतिआई॥गीरिपड्यो:॥अर
जीवभुलिगयो:॥सोडीमांहीहाबिलीयो:
जीहपाछेपहरेकमेंजीववाफुड्यो:॥जदि
सोवधीनहोशीमांहीगयो:॥अरसारानेबल ॥९४

इंदोहोकह्यो ॥ दोहा ॥ मालंगपानेल्याडीयोः संदे 194
बीरछीराजकवारः। जीवातसुंभरिबोभलोः।
सवांलेकुंवाखुवारः। जदिसाहकोभाईबोल्या
दोहा ॥ त्रीयामाहीरुपबोहो। मतिसीखेजेकर
तार। औरांसेतीसंगकरे ॥ तंजेआपभरतारः
जदिसाहैहणबोल्लीः ॥ दोहा ॥ असीजपुत्रीस
तिजणों ॥ वाहेताबुरांकहाडीसीः ॥ जासीओ
रघरांदः ॥ जदिसाहकीबहणबोल्ली ॥ दोहा ॥ अ
सीजपुत्रीमतिजणो। पीवपतिओरकरंतः मा
तापिताः अरसासरो ॥ तीनुंकुललाजंतः। ज
दीसाहकाबरुबिटाकीबहुबोल्लीः ॥ याहेता
बुराहीघाडीसीः ॥ करसीघणांजफेल। म्हेतो
जाणाओलषीः ॥ मीलीवाआइसंहेली। जदि
साहकोबडोबिटोबोल्या ॥ दोहा ॥ बाछीबेगा
व्याहस्योदः। करीसीकोडीजंजालः। ब्रंताक

195 ह्यो माह्हेनेः॥ पहीश्राईदिमालः॥ जद्दिमाह्

॥ ९५ ॥ कोवहणेउबोल्योः॥ दोहा॥ कलंकजसाय

संसारमैः॥ नीरमलसुणयानकोई॥ देषोव

इषुरगमें॥ श्रागालगयाहोईः॥ जद्दीसाह्

कोगुमासतोबोल्योः॥ दोहा नीमीहीनकुंकी

एकसीः॥ देष्योसबसंसारः॥ कुलमेषोटोनी

पजैः॥ मारोकोरषुद्वारः॥ जद्दिपदमसीसारा

कादोहासुणिकरिबोल्यो॥ दोहा येतोसारादी

सुणोः॥ फेरिकोरामतिश्रासः॥ म्हासुंश्रटक

जद्घुटियो॥ घुरपीछिकोबासः॥ जद्दिमाहणि

बोली॥ दोहा॥ दीवाहीसुपदेषीजेः॥ श्रसीम

लागीलाई॥ बैठ्येसाराननगरकाः॥ माहनेरबु

लाइीः॥ जद्दिसाराननगरकासाकुकारबुला

याः॥ जद्दिपदमसीसाह्बोल्योः॥ दोहा म्हा

सुतल्यायोश्रापवरिः॥ बीनठैायाहस्तपाल ॥ ९५ ॥

ग्रभीसाराहीम्नुणीं।।जीहकोकुणहवाल्लः।। 196
जदिसाकुकारबोल्या:।।दोहा।। अबतोब
सिबानारह्यो।।फाटीनीजरिधरीह:।।असी
कदेननाम्नुणीः।।साशीकवरकरीहः।।जदि
बडोबेटोबोल्योः।।दोहा।। बाडीपतनेषाशी
गईशा।।जीहकोकहोविचारः।।कालिज
होयलीथाहमेः।।महांमेकुडीअबारः ज
दीनगरसेवबोल्यो:।।दोहा।। थांसूछांह
उजला।।थेसासाराकासिरदार।।थाकिला
रैचालस्याः।।म्हांकोयाहवीचारः।।जदि
साहपदमसीदोहोकह्योः।।सभुडांजीह
जिचलाईस्याः।।मीलीकरस्याबोहारः।।ज
दीकरमसीसेठबोल्योः।।सारामीलीकरि
चालिस्याः।।नाकोरेनकोईघात:।।छोडोस
हरअटकेनेः।।नारैसीजाडीबात:।।दोहा।।
है
जदेहीनगरबसाईस्याः।।हीकीसीदजपार ४।।

197
॥८६॥ घकडपकडकोश्रमतिकरोः॥राघोसवबिस
व्रासः॥सारांनेसुषस्रायस्याः॥जीतंनेरहै
सीसासः॥जदीकपरचंदसेठबोल्योः॥दोहा
थेसारांकापाटशीः॥जांणेसवसंसारः॥म्हेतो
थाकीपाशीनांः॥थेपरदुषमेटणहारः॥जदी
साहकेबिटोबोल्यो॥दोहा॥म्हेंसुंसुलक
जछुरियो॥अटकतणेंबेहारः॥ज्यादह
केरहेताआसिरेः॥ज्यादतकघरबारः॥ज
दीइंद्रसेणसेठबोलोः॥दोहा॥अटकज
तोईत्तरदीयोः॥मतीरकरोकोशेआसः॥
बाशेदाहिणीछामीद्योः॥करिज्योश्रेंठेर
आसः॥जदीपदमसीसुंछोटोभाइमी
ठसीठोसोबोल्योः॥दोहा॥ज्योनेसुषअर
चेनछें॥सोमत्तिकरोजदोड॥म्हेनाम्हांको
बेटिस्याः॥सामरीसामरीकोरडः॥जबचिं ॥८६॥

तामसिंघसुबोल्यो: ॥दोहा॥ आजिजबीतीपा
नडा: काहालीजकुपडीयां॥ याछुटीमर
जादछै: । होसीघणांघरां॥ जदिसाहकबकु
कागदमेमांडिमाहांस्तुदोहालीख्या॥ दो
हा॥ सगलांनेंथयीघट्यो॥ क्याहानेकीरत्र
वार:॥ज्यांनेंशीजादीसपणी मोडठिहोसी
लारी:॥ जदिपदमसीसारांनेसीषदीनी
॥दोहा॥ घरांपधारोआपणां॥ थांनेंम्हांकी
लाज:॥ समझीरहीज्योलारही॥ मतिकोइक
रोअवार॥दोहा॥ जदिसारांसाकुकारामी
लीमसलतिकरीदोहोकह्यो॥ म्हांकोमतोज
एकछै॥ करांतयारीआजि॥ उदाघालेभारही
चालिबसालाआजि:॥ जदिपदमसीकह्यो
म्हेंतोसारीभारबरदारीमगाइछै:॥ थेआप
णांघरांनेंबुझो:॥ जदिसारांसीषमांगी:॥ आ

११९ पञ्चापणैघरांआया: ॥ आईभारवरदारीदीपा
॥ ६७ ॥ डी: ॥ मारीतयारीकराई ॥ असाहकैबहेल
रथपालकीघोडाऊंटहाथीमाराहवेलीआ
गै: आणिउभारख्या ॥ असाहसारीतयारी
करबालागेपा ॥ जदिसहरकोमुकदममा
लदेराजाजीकौनेगयो: ॥ जदिअरजकरी
अरदोहोकह्यो ॥ दोहा ॥ साहपदमसीजाप
छै: ॥ ऊंटोघाल्योभार ॥ मारोमेठनगरका:
ज्याछैवाहकीलारि: ॥ जदिराजाजीबोल्या
॥ दोहा ॥ म्हांकैसोचबहोतछै: ॥ परबसीकु
डीज्युबात: ॥ कडुंबीधिराघोसाहनैः सहर
ऊंचल्याजात: ॥ जदिमालदेबोल्या: दोहा
म्हांकाराष्यानारहे: ॥ सहरऊजडोआजि
सोहदिलासासाहनै: ॥ थेचालोमहारा
जि: ॥ जदिमहाराजिबोल्या: दोहा ॥ म्हेतो ॥ ८ ॥

 200

चालीबीसबर:॥ कारुबदीतमनुहारि:॥ हाथि
जोडिडेमोरकुं:॥ साहनेएदरबारी:॥ याह
देहास्तुणिमालदेसाहकेनगया॥ जाडिमु
जेरोकीयो: देनुगादीमालबगिया:॥ ज
दि मालदिहाथजोडिश्ररजकरी:॥ दोहा॥ श्र
रजकरुहुसाहजी:॥ म्हारीमांनुराजि:॥ देस
निकालोकवरैनै॥ दीयोश्रेबम्हाराजि:॥ जदि
साहबोल्या॥ दोहा॥ म्हेतोजीहडुषनीसरया:
मह्राकेकुवाश्रगार:॥ वेकुंकाटोराजशी क
लिकोयाभएहार:॥ जदिमालदेफेरिबोल्या
दोहा॥ पारीसीकैतोलोहकुवा:॥ हंसकु
वाकाग:॥ दोन्युहीकुलबुडिगया:॥ लागा
मोटादाग:॥ जदिसाहकोबडोबेटोबोल्या:॥
ज्याहकेसबषीटाडीज्याह:॥ श्रसलीश्रर
बपानी:॥ मह्राकेदागजलागीयो:॥ मह्राकी

||९८|| 201

वादीजातिः ॥ जदिमालदेफरिबोल्यो ॥ दोहा

वेकहाँवेराजइीः ॥ सारांकामाबापः ॥ वाके

टाकीलागीयोः ॥ नजनषाधोआपः ॥ जदिप

दमसीसादबोल्योः ॥ नाजष्वाबाराजइीः

म्हाकीकदोसलामः ॥ मदांसुअबकेछुटियो

धुरपीदीक्रोधांमः ॥ जदिमालदेफरिबोल्योः

दोहा ॥ श्रीगुरगोउपरिगुणाकरणः ॥ परउपगम

टणहारः ॥ लिष्यामीटेनहीभावइी ॥ तेपायो

उषअपारः ॥ जदिफेरिसादबोल्योः ॥ दोहा

आगेविप्रसताइीया ॥ केकठुंदीयासरापः

गुणंतासारायामिणयाः ॥ परगचकुवापाप

जदिमालदेफरिबोल्योः ॥ दोहा ॥ केघरिना

रिकुनारिहैइीः ॥ केकेइीपुत्रकपुतः ॥ ए

तोआपजमषटकैवेः ॥ रोषेनावसझ्तः ॥ जदि

पदमसीबोल्योः दोहा ॥ नीचांसेतीसंगकरेः ॥ ||९०||

202

ज्यां आछ्यां आदेस:॥ याहतो छां तीर्थपरे: । जाह
रसो रैदेस: जदिमालदे हाथजोडि बोल्यो: ।
दोहा॥ मो हिपिनाये राजड़ी: । अरदेकरि बोल
अपार:॥ आजि रहो शहनपरमे: । ज्युं म्हारी र
हैउभार:॥ जदि पदमसी बोल्यो: दोहा थेकह
स्यो ज्युं ही करां । अरो तुं रहि स्यो आजि॥ हाएं
पाणी छुटियो:॥ अगेल्पस्यां आजि:॥ जदिमा
लदे हाथ जोड अरजकरी:॥ अबार काबषत
मे महारा कुकम राजी हीराषणहार छो: आ
प आजि अरो शहनगर मे रहो:॥ आपनेया
ही जोगि छे:॥ जदि साहकही थारा अरमहा
को भाडी चारो ही छे । मो थारी काह्योय कपह
रके ताडी काडी मेटां । जदि मालदे कही । म्हारे
तो म्हा राजिकी जाडी माई छो॥ जदि साहकही
महां के तो तु भाडी छे॥ जदिमालदे सी यमांगी

203 श्रीराजाजीकैनेआयो:॥हाथजोडिमुज
॥९९॥ रोकीयो:दोहा॥समुद्रचोलेजीहाजिदी:जा
हरजुगकेमांहि॥ज्याघरिकुडीजबानतेंयह
कह्यायारहगावमांहि॥जदिराजाजीमाल
देनकही:दोहा॥साहजकाडानगरजाई
पुत्रजकासियाराज॥म्हेसनेथरबनाशेहो:
जीहकोकुणइलाज॥जदिमालदेबोल्या
कवरजीनदीनदीथकसीषद्यो॥जाहीर
होकह्योबागि:॥साहनेचालिपरमोधद्यो॥
ज्युंबुभैयाआगि:॥जदिराजाजीकही।
मालदेयायहभलीविचारी:॥याहइलाज
करस्या॥जदिराजाजीकवरनेबुलायो
जदिकवरजीआईसलामकरिभोरह्वो
जदिराजाजीकहीतुबेविजाजदिबेटिगा।
यो॥जदिराजाजीबोल्या।बेटासाहपरम ॥९९॥

सीः॥ अरसारा नगरका सेठ ग्याबेसे रहुं जाई छैः॥ 204

जी हकोकुणा इलाजकरां॥ जदिकवरजीका

ह्यो आपफुरमावोसो मरुंछे॥ यांताभावीणी

छीसोतोहोई चुकी॥ अबकछुं केह्यांतमीटै

नही॥ जदीराजाजी कह्यो॥ बेटाथेदिन च्यारी

बागमें जाइ बैठो॥ अरडोलारी तासालेजावो

रहुं म्हे सादेने बीसासां॥ अरसारासेंगनेरा

षां॥ रहुं नगर बसतोरहे॥ येहतोथ्याकीनेचा

हिजेला॥ म्हे तो म्हांका आपजसकेताईक

रोछां॥ आजप्रथीयोहकहेलीः॥ राजासा

लिबाहणाछताजीसहरउजडकुंबोः॥ सोया

हसाराससारमेंकहेसीः॥ जदिकवरजीकही

कुंतो आपकी आगपामांहीछुं॥ केहेतोदेसही

तजिवो॥ कहोबागिरह्यो॥ आपफुरमावोसो

हीकरुंः॥ जदिमहाराजिबोल्याः॥ बेटादीनच्या

205 रेकटालोकरो:॥ जदिकवरजीसीखमांगिमहे
॥१००॥ लाग्आया॥ अरडोला घयिलीक्रां॥ अरबा
गिजाइविछनो:॥ अराजाजीमंत्री परधान
लेहीरसाहकैमलिआयो:॥ जदिमाहराजा
नेसामहंआयो:॥ सारासवभाजीबटाला
रेलीया॥ म्होराजिनैमलामकरी:॥ जदिम
हाराजिसाहकोहाथपकडि अरबीछा
वणांमालेआणिबैचमा:॥ साराउमरावसा
रसिवआणिबैठमा:॥ जदिराजाजीबोल्या
थेसाहपतस्याहछो॥ थांसंु म्हांकोनाव
म्हेताकाटेमोराजडी॥ थेकंुछोडोगाव: ज
दीसाहबोल्या॥ दोहा॥ म्हांकोजीनबबीग
डेगा॥ कुवोजमारोबादि॥ थेकंुकाव्योराज
शी॥ मतिकोईकरोपसाद:॥ जदिराकोमंत्री
चिंतामणिबोल्या:॥ दोहा॥ अबेतावसीबा॥ १००

नांरहेला बीगडीगयेयोथांम:॥ म्हांकी च्यारुकुट
मे:॥ जागाजागा नांव॥ जदिराजाकोपरधान
महेपालबोल्यो:॥ दोहा॥ ग्रणहोणीहोणी
नही॥ होणीहोयतुरत:॥ जदिमदमसीसाह
बोल्यो॥ दोहा॥ जसतोसोरागुमिगयो:॥ ग्रे
जसबधो ग्रपार:॥ पेटांमेंपाथरपड्या:जी
हीसुंहुवाषुवार:॥ जदिराजाजीकहेछे:॥
दोहा थांकेपुत्रीपीपजी:॥ म्हांकेकुंवाकवा
र॥ दोन्युंबुरादिषाडीया॥ म्हेथेसारालारि
जदिसाहकोभाडीबोल्यो:॥ दोहा॥ बुरांक
हासीबापडाज्यांकाघरतवयाजराव॥ थां
नेबुराजेकुंणकहे॥ हाथीनेहरीयाव॥ ज
दीराजाजीबोल्यो॥ साल्यंगपारमगायल्यो
है:॥ तुरतरहछेभरम:॥ फेरिषीदावोसासरे
ज्युंरहेइज्जतिसरम:॥ जदिसाहफेरिकहेछे

207 सालंपपाकानांवस्तु॥म्हांकेलागेछाहः॥ महां
॥१०१॥ कीकंस्तुमारिगाडी॥भांवेजीवैजाहः॥जदि
राजासाहनेकहेछै॥ज्याह्देवोन्याहीस्तुतत्यागि
या॥भलीजकाढीराह॥म्हेयकुवाउजला॥कुंरा
जायेसाह॥जदिसाहकोबेटाकीवकुंमांहांम
लिपिदोहोकह्यो॥दोहा॥राजाआयाआपधरि
मैबबीसारीरास॥आरजषाटोआपणां॥पला
नेकाईदोस॥जदिराजाजीमारांनेकहेछै
॥दोहा॥सगलीचूकजमाफकरो॥कुंआयाथा
बारि॥राजीहोइरसीषद्यो॥जंमुजावदरबार
जदिसारांनेपरमसीबुझ्यो॥जीसमारांमि
लिमसलतिकरिआदोहोकह्यो॥दोहा॥
हदेनेयारसंजोगहो॥याकोचोरांनाहि॥आ
पपधारोराजछी॥म्हेरहस्यानगरीमांहि॥ज
दीराजाजीमारांहीकीदीलासाभांतिभां॥ ॥१०१॥

208 ॥

तिकीकरी:॥ अस्माहनैघोडोसोरपावेदवाला
गया:॥ जदिसाहतीकोशीलीज्ञानही॥ जदिसा
रांकही: ॥ यहनगरकोसरहे॥ याहनेबकसा
साहजीताअबारकोशेलकी॥ जदिसारां
नेसौरापावेदअसमहलआयो:॥ जदिउ
सीरैदिकागदमेदेहालीष्या॥ दोहा॥ थारा
कह्योजमाहकौरे॥ तुठेचतुरसुजाणि॥ को
शीविधिसमभायद्यो॥ म्हांनेओटाआणि:
फेरिउमरोदेहाकह्यो॥ दोहा॥ म्हांसंुमुल
कजदुजियो॥ घरमेकुवाबीरोध:॥ थांहीर
ष्याम्हरहा॥ इसाहनेपरमोद:॥ यहदोनुदो
हालिषिअस्तुवांकेगलवांधिदीया:॥ अ
स्तुवांनकही॥ याहकागदपदमसीसाहका
बेटाकीबहुकुनेजाईदे॥ जदिस्तुवेउडिजाई
कागददीयो॥ जदिसाहकाबेटाकीबहुका

209 गरवाचो:॥अरसगलादैवताछा:॥अरहा।
।१०२॥ होकह्या:॥दोहा॥आपरिवाछैआपणो॥मति
समझोकोइऔर:॥वहैडिमगावाराजडी
मतिकरोनवावैर:॥जदिसाहजुवाबदेछै
॥दोहा॥म्हांकोघरवैताकियो:॥जीसुंकीसा
मीलाप:॥म्हवंधुकाहोराजश्री॥कोठैवेह
कोबाप:॥जदिसाहकाबेटाकीबकुबोली
दोहा॥माडोबेगोआदमी॥अरछैबहकोरा
ज॥जेणाभीदुषपाइस्यो।जेणाहोशीअकाज।
ज॥जदिसाहकोबेटोबडोबोल्यो॥दोहा॥
कबरजीतोषोटीकरी॥भाडिकीयासंसारि
म्हांकोजीबामतिगणो॥सुबापितांछांनारि
जदिसाहकाबेटाकीबकुबोली।दोहा।वा
बेटीवाकंथछै:॥कहैस्पासाचनिधान॥बा
हबिधातालीपीयो॥कव्यांमढनाजान:॥ज ।१०२

दिसाहि॥बोली:॥दोहा॥बेटीजावोसरगमे
कंतजावोपाताल॥ज्यास्तुनीपाकंकिया:॥
वाहकेमाथेताल:॥जदिसाहकोबेटाकीब
हुज्युबावदीयोछे:॥दोहा॥आपरिआगि
जेपटकी॥मुवाहोडीवीयोग:॥कदिपर
येमतिमकहों॥वाहकोलीष्योसंजोग॥ज
दिसाहफेरिबोल्यो:॥दोहा॥नांव्रधरेसबजा
तीमें॥दुबोसंगसनेह:॥जेवाजनमीकुषि
७ कै॥नोफेपायायेह:॥जदिसाहजीतोसाय
रह्या॥अरबेटाकीबहुआपणीरहासिमे
आडी॥अरसाहकोबेटोआपणीरहासिमे
आयो॥जदिवहकीबहुचंद्रायणेकह्यो
चंद्रायणा॥कुरकहुछुवातकपंताकान
धरि:॥जोचाहोसुषचेनतोअपस्तुप्यारकरि
येरजगावोस्यंघकः॥सोवोनींदभरि:॥परिहां

२॥ वाडाकीयोथ्यैनागक: खामी श्राणिवरि। ज
॥१०३॥ दिसाहकेबेटै चंद्रायणोकह्यौ ॥ चंद्रायण
जेसमफार्उमाहीकावेढुषपाइसी: ॥ क
हीस्योसाहनेजाहीनोबह्योतरीसाहीसी
करिस्याकोशीउपावक॥ भ्रपमनांहीस्या
परिहांयाधीरजिकोकांमकमहलाला
हीस्या: ॥ जरदिसाहकाबेटाकीबकुबोली
दोहा। बीलंबकरोमनिराजही॥ ल्यावोने
हरिभाति॥ अरजैवाआगेज्यायलो॥ तो
फेरिविधसीराडि॥ जरदिसाहकोकवरबो
ल्यो। दोहा। सारासेवबुलायकीर: ॥ मी
सलतिकरस्यायेक॥ ओरांकनेकहाय
स्या: ॥ राघासाहकीटिक॥ जरदिसाहकोबे
टाकीबकुबोली॥ वात॥ थेआपतोजाण
परबीणछो: थेतो चौदाविद्यानिधानछो: ॥ १०३

212

आषरिलाभीराजपाटकोधणीछै॥नीधानि
आपणीआदिओलादिइहीनगरमेरहैछै
अररहैसी॥जहणाकछतसछतनेछुषदी
वाशीसीः॥अजितोआपकोऐसोहीव्या
हारछै॥सोकोइबोलैनही॥पणिपाछिला
नैमुसकलिछै॥अरबाइअरकवरकी
भोवनीछी॥सोकुणमेटैः॥अबतोराजाजी
भीआपकोहुकमराषैछै॥पणिनिधानि
वैभीबेटाछैः॥दिनदोइच्यारिपाछै॥बाभी
आणिवैठिसी॥औरसदागासराषिसीःजी
स्संथेआपणाहीबाफराषोः॥अरकवर
जीनसीनाबीलेआवो॥असाहजीतोबडा
हुवाछैः॥आपणीनीवाहीज्यालाः॥पणि
आपानेकवरजीसंुघणांदिनकांमछै॥जीसुं
नीकांहोयसोकांमकरो॥जदसाहकोकवु

213 रकहेछे:॥ थकहेछेमोनीआपणांशीभलाकी
॥२०४॥ कहेछे॥ ओरबडाघरांरांकीडावडीत्यावे
छे:॥ सोतोकंुंहसुधिदेबाकेवासेतत्यावेछे
सोतोथेसागरसाहकीबेटीछो: थ्याकोकां
शीअचिरजछे:॥ आजिकीसमेमेतोसागरसा
हसारीसोकोशीक्षो॥ जदिसाहकेबटाकीब
कुदेहोकह्यो॥ दोहा॥ भागबडोछेमहांरो:
पायोथेभरतार:॥ ओगुणगुणसोहैछावरो
दोनुंकुदशीबीचारि:॥ जदिसाहकोबेटोबो
ल्यो:॥ दोहा॥ सतिभरतानुकामणी:॥ कोरत्तु
म्हाकीसार:॥ म्हांनेसंकरतुठीया:॥ पाईतुब
रिनारि:॥ जदिफेरिसाणिबोली:॥ दोहा॥ थ्यासुं
पीहरसासरो:॥ दोन्युंदीरजगीस:॥ कुंछुपग
कीमोचडी:॥ समझोबिसवाबीस:॥ जदिसाह
केबेटेदोहोकह्यो॥ दोहा॥ दोन्युकुलछेउजा
ला: तुसुंबस्याजनारि:॥ एककजनीपजीकुषि ॥२०४॥

214

मै:॥जी स्तुगया जमारो हारि:॥ जदि फेरि साहणि
बोली:॥ मै ता आंडो पैसी करी:॥ कीधा पुनी अ
पार:॥ जी का फल मै पाइया॥ आपसरी षाना ह
जी दी आपसे मै बतलाई अर सो डीर ह्या:। प
रभाति कुवा जदि साह का बेटा की बकु कव
जी ने दो हो ली ष्या:॥दोहा॥ कुंच करो मति राज
ई:॥ रही ज्या बागा मांहि:॥ लेण षदाउ साह के
वारैने॥ मारो महलां मांहि:॥ फेरि दुसरो दे
हो ली ष्या दोहा॥ यन गण दे उवा हन ण दे छै:॥ कुं
माला धरि नारि:॥ स्तु सरो साह पद्म सी:॥ ली
षीया बहु बिचारि॥ जदि एह दो न्तु दोहा लिषि
अर मणा के गलै बांध्यां:॥ अर ध्या कही कवर
जी मै दव्र छिवा गिउ तरि रह्यो छै॥ सो उजाइ दी
ज्यो:॥ जदि मणां उडि बा गै मै गइ:॥ जदि कव
र जी का गदबा च्यो:॥ अर बहो तराजी कुवा:॥ अ
र आप मांडो:॥ दोहा॥ स्तु पां माल अर परगनां

215 थाकोसाहव्योहार: ।। कुनणारेईमांचिलो: ।। वाडि
।।१०५।। निवाहणहार: ।। जदिकुसिरोदोहोकहो ।। दोहा ।।
तुपतिभरताकामिणी ।। जांणेबदोतनबवेक: ।।
सासंनेराजीकीया ।। राषीसाहकीटेक: ।। नी
सरोदोहोलीष्यो: ।। दोहा ।। आपरिकस्याजा
जीतना: ।। महंसुंबाधीटेक ।। तुचीरतालीका
मिणी ।। मिलादीयातेएक: ।। याहकागदेमे
लीषि ।। अंमेणंकेगलवांधिदीया ।। जदिमे
णांउडिओहटीआशी ।। साहकाबेटाकीब
कुनेदीया ।। जदिवांचिअरवेहोतराजीकुई ।
जदिसाहकैकवरपदमसीनैअरजकरी: ।। म
हाराजिआपामाकुकारछा ।। निधानिआ
भीराजकोधणीछि ।। जेवाहआपणांबसमे
कुशीछीतोमारेबुराकीया: ।। उकेनीराले
हीदोमनदी ।। जेवेअगेराजीकुवाछा: ।। नी
देणालोगयोछोपरभोमिमांहांसुल्या ।।९५

थो:। जै यारा जीहा ती नही तो कह्या ल्पातो:। जी
हस्तु तरी था का चरिलमां ही तो कोडी पावे नही
अगवडावडा तपसी राजा राणां हारिगयो हे
आपणी कुणचला वे:। जी हस्तु आप समारा न
गरका साकुकार बुलाय पुछो।। जे सारा कह
नोतु लाडी बीदा वे।। जद्दि सारा नगर का बुला
य षिदाया। जद्दि सारा सेठ बुलाय षिदाया
जद्दिसा ह सारा सेठांने कह्यो।। दो हा राजा ठ
गि करि राषि गयो:।। छुवया आपांदाव: वा
हे तो ओहटो आडी सी।। छे नगरी को राव: बा
त।।। जदी सारां डी कही:। आप तो जाण पर
बीण छो। जे ला हंस पोने भगाय त्यानो काम
नही।। अरफेरि सामेरे कोडी आदे रे नही।। ज
दि जमारा अधिको भी मरि होय।। जी सुका
डी कह्वो आवे: वे हको तोतीलो धली षेआ
छो: जी हस्तु आप का मन मे आवे तो कव रे

216

217 बुलाशीषीनावो: ॥ च्यारिदिनग्रथीमेवुरांका हेठा
॥१०५॥ सोकहचुक्या ॥ अबैआपकामनमैआवोसो
कीजे ॥ जोराजाकवरनेमारैतो आपणांघर
मेकाढीआवे ॥ जीसुबुलोयांनीकांछै ॥ ज
दिसाहकहीयस्यांणांहैठा: ॥ एकआदमीरा
जानेकह्यो: ॥ जदीकवरनेबुलाशीषीदावो
जदिचिंतामणिसेवराजाकनेगयोजायआ
रदोहोकह्यो ॥ दोहा ॥ वगिबुलाल्याकवरने
बीलेबकैरामतिआजि: ॥ वैरअरजछैपर
मसी ॥ म्हराजीराजीछांमहाराजि ॥ जदिरा
जाजीदोहोकह्यो ॥ दोहा ॥ कुतोफेरिनल्या
शीस्युं: ॥ नहीजेवहस्युंकांम: ॥ म्हारैवटा
ओस्यैछै ॥ राषणसमरथधाम: ॥ फौंचिंनाम रि
णिबोल्या: ॥ दोहा थेंताबचनजपालियो
वेटादीयोत्यागि: ॥ म्हांसुंमुलकजछुटियो
म्हाकोहुरखभाग: ॥ वात ॥ जदिराजाजीक ॥१०६॥

218

द्यो:। कुतोमहारामुडासुंकोइकुंनहीः। थ
राजीछोतोलिआवोसाहवेदानषीदाइदेयो॥।
जेपोलेआवैः। कहीमोनेतोथराजी दोराषणंछो
जदिसारासिवमलामकरिआरसाहनेआणि
कहयो। राजाजीतोआपणकोइबुलावेनहीः॥।
थराजीछोतोआपकाबेटानेषीदायद्यो ज्युं
रेनआवे॥ जदिसाहकहीबहोतभलां॥ जदि
बेटाषीदायोसाहजीनिकवरसांमोआयाःआ
पसमेमील्या॥ जदिकवरजीगादीमालेबेगा
याः॥ जदिसाहेकेबेटदोहाकह्यो॥ दोहा॥ म्हे
तोथांकाआदिकाः॥ जीमचुकनजाणिः। थे
बेताकुवाजसंधणंः॥ थोंकेम्हांकीभांणः॥
जदिकवरजीबोल्याः॥ दोहा॥ राजीहासी
देनुंजणंः॥ जदिहायसीमोहारः॥ अपजु
समहारेउपरे॥ देछेसबसंसारः॥ जदिसाहके
बेटदोहाकह्यो॥ दोहा॥ त्रियाहोयछेलाबकी ॥२१६॥

श्री

219 कौरैनीचस्तुसंगः॥ जदिकवरजीबोल्यो: दोहा
॥१०७॥ म्हांस्तुराजारूसियो॥ कीबहोतअभिमानः॥ थे
कुंआयासाहकवरः॥ कहौनसाचनिधानः॥ ज
दीसाहकोबेटोबोल्योः॥ दोहा॥ महलिपधारो
राजश्री॥ करौनगारोसाजिः॥ फुंछुसालोसाचि
लोः॥ थबैठेगोउराजि॥ जदिकवरजीअरसा
हकोबेसाहकीहवेलीआया॥ अरसाहस्तु
मील्या॥ अरबिछावणंमोलेआणिबैठा॥
जदिकवरजीदोहाकह्यो॥ दोहा॥ साहकुंपु
टेजसालमैं॥ म्हकुंगयासिकारः॥ आशेत्र
कुरजाउघडआ॥ लीधीयाबिरबीचारिः॥ जदि
साहबोल्योः॥ दोहा॥ म्हेतोदीझीजातिघरिः
कीयाबहोतउछाहः॥ बुरीभलीसोआसगी
कीज्योथेनीरबाहः॥ जदिसाहकोबेटोदोहा
मेकहैछैः॥ दोहा॥ सारांघरांजदीवलाः॥ बलि
याकवरसुजाणः॥ कुणीझीमोहाडीगडीः ॥१०७॥

जीणरीकोसोवषाणः॥जीदीकवरजीअपदम 220
सीअवेहैकोबेटाएहतीनुमांहिगया:॥जदी
साहकीवहणअसाहकीबकुअरसाराक
बीलाकीलुगाईकवरनेदषिराजीकुई:॥ज
दिसाहणीबोली दोहा म्हांकीथांनसरमछैः
अरमतिराषारकुभांतिः॥महांकेबेटालाडिला
जीहस्तुथईउपरांतिः॥जदिकवरजीबोल्या:दो
दोहा म्हांकेथसिरदारछैः॥ओरनसमकोरा
हः॥सालंगपावेसोकिछै:॥वीजेपाथिहमराहः
जदिकवरजीबोल्याः दोहा॥थांवाईसारांसि
रैः॥दस्पामुलवधनधांमः॥वैननीकांराषिस्या
ज्युंमोल्यावीचिलालः॥जदिसाहकोबेटाकी
बकुंचद्रायणोंवाच्यो॥चंद्रायणो॥पढियाक
वरदेसीक:चीरतदीषाईया:॥राजाराणीसाह
क:सबेमीलाईया:॥परणीयाहराजकुंवारिक
बाईल्याईया:॥परिहांसगलाकुंवासिधी॥

221 कामकदोहवधाईया: ॥कवरजीबाल्या: दोहा
॥१०८॥ म्हांकाघरमैंमालधन: ॥सगलोयाकोनारि: ॥
जोचाहेसोरसगायल्यो: ॥नांघुथांपरिवारि:
जदिसाराहीघरकाराजीकुवाअरकवरजी
कीमेहेमांनीकरी॥अरसारासाथकोनजीमा
या: ॥अरसुदाआगेमोहोरुपया: ॥जोहार
नीजरिकरया: ॥जदिकवरजीएकामोल्याकीमा
लाउवाईलीकी: ॥जदिसाराहीकहीअबता
ईतोथेम्हाकाघावदछा॥अबम्हांकासवास
एगकुवाछो॥जदिकवरजीकहीएतोसाराही
कोआपपाकारीछु॥मोसारुचाकरीहोशीसा
तयारछु॥जदिसारीलुगाईरुपयामहोरां
जुहारीकरी: ॥जदिसारासुमिलिमहैलिआ
या॥जदिसुजाणीचेंद्रायणोकह्यो॥चंद्राय
णां॥मनोकामनांसीधीकसरीयाकामहीं: ॥
नीरभेकरोराजराजअरसाधामहीं: ॥मांएुमहे ॥१०८

रंगामांहीकः। जोबनबालियाः। परिहांचीरंजीवा 222
याजोड कनारीसुचंगयां॥ जदिकवरजीजुवा
बदीयाः॥ दोहा॥ बालोजोबनमांणिस्याः। कर
स्यांसुषअपारः॥ सिज्यांमांहीपौटस्याः॥ करस्यां
सुषअपारः॥ जदिसालगपागुटाकहै्या॥ गुढा
अनडसुतापतिमदीयोः। हमपायोयाहसोटै
भागि। दधिसुततनासुततनासपतिः। तापतिदी
योसुदागः। जदिसुजाणीगुटाकहैया॥ गुढा॥ प
वनसुतापतितनासपतिः॥ नासपतीनीअंग्री
वीभागि। हरसुतपतनीगुणः। नोतबधीयाअ।
धः। जदिकावरजीगुटाकह्या॥ गुढा॥ पवनसुता
पतिकरमदीयो। हरिसुतआयोमोअंगीः।
धरमपीतामदीतजदीयोः। तुमपत्तनीदीशीअ
रधंगीः। जदिसुजाणीबाली॥ दोहा। सबैदेव
परमाणभयाः। जोडीदईमिलाइीः। सुषसेज्या
पोटाकवरजी। सगलीकुइीमलाइीः। जदिकव

अरकरोलनेलेगयोप रामराम रामराम रामराम रामराम
॥१०९॥ रजी अरसालंपापोदिवालागपा: अतरामांही
223 धरमेसणीकरोलरवनमांहीसुआयो:॥आ
पणीषाजांसुमालुमकरी:॥कवरजनिमहा
रामुजरोकह्यो॥अरकहेतोकुंहजुरिआउं
जदिषाजोमेहटोआयो:॥जदिकरोलहजु
रिआयो:अरदोहोकह्यो **दोहा** नाहरवनसुं
आईयो:॥दिष्यासुएपानकांनी:॥रमनुसग
लोभेलीयो:॥सुणिहोकवरसुजाएण:॥जदि
कवरजीबोल्या:॥रातीजरोषानगरमे:॥कीज्या
गादाकोम:॥अबतोकोछज्याइनही:॥लेबा
दोहविसरांम:॥जदिबेलकेहहै:॥ **दोहा** ज्यां
हकीगुजअवाजसुं॥बनीरहीथरहराई:॥
वाहकीवाराकोसमे:॥बासरहीमहकाई:
जदिकवरजीदोहोकह्यो:॥ **दोहा** ॥जालीचो
गडदोफीरयो॥मेलोचोकीजाई:॥मेहपर
भातोचढिस्या:॥पेलांरमनोमांहि:॥बात॥ज ॥१०४॥

दीवरोलसीषमोगीः॥अररमनोमेगयो॥वोगड
दाजालिरोपिदीक्षीः॥अरपरभांतिकुवेः॥अर
कवरजीजाग्याः॥अरषवासहजुरिआयोः॥ज
दिकवरजीफुरमाई॥राराउमरावांनेकहीषिदा
वो॥ज्युंनाहरांकीसिकारचढां॥जदिरुषसनष
वासीदरबारैमआयोकह्योसारांउमरावांनेक
हीषिदावो॥ज्योसीकारचालेः॥जदिदरबारसारां
उमरावांनेदोहाकह्योः॥दोहा॥चालोसारासा
वंतोः॥चालोवगिसिकारः॥तलबकरैछैराजश्री
उभाछैदरबारी॥जदिसाराचढिआया॥जदिक
वरजीहथ्यारांकादरोगानेबुलायोः॥जदिदरोगा
हजुरिआयो॥जदिकवरजीदोहाकह्यो॥दोहा
फोजामांहीसुदरगरां॥पुन्यतरणोआतारः॥मोरे
नाहरसुंरेनेः॥षेलैबहोतसिकार॥जदिदरोगा
बोल्याः॥दोहा॥मनिबहेतामातागयंदः॥पटगा
टाकाजेनवारः॥कीमडाल्याउकवरजी॥वधिया

225 सतरिहजार:॥ जदिकवरजीदोहोकह्यो॥ दोहा
१०२० मनधीरासायरमधकारा:॥ ज्युथमांहीजोधाण
हीसाजल्पावेतीसही:॥ चढिचालेमारारांण
जदिदरोगोहोथ्याकामांहीआयो:॥ सारांहा
थ्यामांहंसुं:॥ तीसहाथीअरापतिकाठा:
अरहेहाबणाईगहणांपहरायो:॥ अरदोहा
मेअरजकरी:॥ जैठेउडेजआरिबा:॥ जैठेज्यु
धजमराण:॥ लडेजसांवतसूरवां॥ जैठेधेरे
जआधाराण:॥ जदिकवरजीदोहोकह्यो॥ दो
हा॥ साहसुतानेराजकवरि:॥ सुभचिंतकेने
सुजाणी:॥ याहनेहसतीद्योईसा॥ जाणक
चेलेबीवाण:॥ जदिदरोगोतीसहाथ्यामांकु
सुं च्यारीहाथीछांटिजनांनाकेवासेनेदी
न्हा:॥ जदिघोडाकोदरोगोउभोछो॥ साह
ज्युरिआयो॥ जदिकवरजीदोहोकह्यो॥ दो०
असपतिस्यांविपाचेसे:॥ पांचरिषुबबणा ॥११०॥

९ ॥ अवलषजातिअपंधारका: ॥ ज्युंचढिचोले। 226
सोहलारि ॥ जदिखोडाकोदेरोगोपायगांमेगयो।
जाशीपायगादुढी॥ पांचैसेएकमारोखोडाल्या
यो। सारांनेपाषरपझाशी: अरदोहाभेकह्यो।
॥ दोहा ॥ अवलषजातिपंधारका: ॥ ज्यांनेजुध
कीअगमअपार: ॥ मोल्नादरसहरनें: ॥ ज्युंनी
तरेनेबाज ॥ जदीकवरजीदेरागानेसीषदोशी
आरखोडासावंतसरांनेबाटिदीकी ॥ अररण
रासमारोमेघाडंबरांमालेचढायो। अरआप
हाथीकेहोदेचढि अरमारीफोजपाछानेघटा
टोपचढिरहीहे: ॥ सीकारनेचाल्या: ॥ जदिअ
नंगपालसावंतनेदोहाकह्यो ॥ दोहा आगेगया
जसिकारने: गयाजनगरपार: ॥ अबकेको
वेचालस्या: ॥ महांनेकहोबिचार: ॥ जदिकव
रजीबोल्या: ॥ वाहेतासुतलबओरछे: ॥ जीसुं
करीजघात: ॥ अबतोजुध्याचालिस्या: यांनेस

॥२२१॥ 227 गलीवातः॥वात॥ जदीउमरांवांकहीः॥मद्दा
राजिकरजी आपनेसारानेः॥मसलतिबुझि
चालिबोसलाहैछेः॥सेंहरकैअधिबीचीले
गुयाः॥जीठेएकसाहुकारकीहवेलीपंथकेते
उपरिछीः॥जीकाफेरोघामांहीधरमसेणीसा
हकाबेटाकीवहुअरबेटीवतलावेछीःक
वरजीनेदेषिअरदोहाकह्यो॥दोहा॥लाज
लोपीहरिसासरा॥होडीलीमालंगपाकीरी
तीः॥चींगिनाघापीडकीजुडो॥बाईआया
कवरअजीतः॥जदिनगादभामीनेदोहाक
ह्योः॥दोहा॥गुणगाहिकसंसारसबः॥देवमु
नीअवतारः॥कवदोमदीजनहीं॥भामीक
होविचारिः॥याहदोहोसुणिअरकवरजी
दोहाकह्यो॥दोहा॥मतिधीरजगघारघुः॥दी
घावोघालिनीसंकः॥दोगोछीमाहाडीगाढीः॥
मतिमांनोकोईसंकः॥जदिसाहकोबेटाकी ॥२२१॥

बकुदेहाकह्यो॥ दोहा॥ केहरिकवरभवंगसु 228
रहीजेउरिस्थनंत॥ ज्याहकीषाशेश्रीरसु॥क
देनहीहुतंत॥ जदिकवरजीदेहाकह्यो॥ दोहा
कालेकाजसेवेसंसारमें॥ अरनीहकलंकसु
णपानकोशी॥ एकजकुशीमहांमे॥ फेरीनहुजी
होशी॥ जदिसाहकावेटाकीबकुदेहाकह्यो
ज्याहकीतेगांतेजरा॥ नाचलेतउहिजात॥
वाहघरताकपापारका॥ ज्याहकाकिसउरा
ज॥ जदिकवरजीफेरिबोल्या॥ दोहा॥ जाको
मतीथसाहकवरि॥ अरम्हाकोनहीविस
वास॥ गाढीचोकसिराषिज्यो॥ थांकेछेउँस
वास॥ जदिसाहकीवेटीबोली॥ दोहा॥ भाभी
सबसंसारमें॥ धुपधणीशेहकाज॥ अरका
मीश्रोवनहीं॥ रीभैराणांराव॥ जदिभाभीन
णदेनकहैछे॥ दोहा॥ जुगमेजाहरहोइगया
श्रोगसालेगयाकेधुप॥ अबरदीषावाथास्त्रो

जंतुरींफिकवरम्हप:॥ योहदोहोस्तुणिरत्रागा
नेचाल्या॥ त्र.ई्ठमगांवांसमरांत्राणिमोहा।
लोदीयो:॥ जदिकवरजीमारांनेकह्यो दोहा
लोहजकोशीमतिकीरो:॥ भेलाकरसेोहगा
त:॥ मांरापटकिपछाडिन्हो:॥ स्तुणिजेपामा
राबात:॥ जदीधरमसरणीबाल्या:॥ शीहजंग
लकाजीवपरि:॥ शीतनोकांडीरेमस:॥ कोहो
नोल्याउपकडिकवी:॥ प्रतीनवाकुसारु:
जदिकावरजीपरीदेहोकह्या॥ दोहा मगर
पचीसीबहोतबल:॥ जाणुदावत्रपार:॥
पकडोनाहरजीवतो॥ माराह्नीसिरदार:
जदिश्रनंगपालबाल्या: दोहा॥ शीठजु
काशीदेसिजे:॥ पस्तुजमालेहाथ:॥ कैतोजु
थजमराणेमे:॥ केगढकोटांऊपरीसाथ:
फेरिकवरजीवाल्या: दोहा। पटकोजमी।
जऊपरे:॥ जंभेजीफुटिजाही:॥ दोस्तुंहाटा
थ्या

डीसहभडाडीः॥ जदिमहपालबोल्यो॥ दोहा 230
ऊडेहवाडीआरिबा। बेहेबाणअसराल्लः॥ जे
वेदोस्तुभेडिस्तेजेः॥ सावतस्हरहमालः॥ जदि
कवरजीदोहोकह्यो॥ दोहा यहजंगलकाजी
वक्रीः॥ हवयाल्याआवंत॥ याकेसुठेआइसी
जेछत्रीश्रसलिकहंतः॥ जदिस्हरसेणसा
वंतबोल्योः॥ दोहा ईतनीदीक्रीवापमाः॥ कां
डीसमजीस्तुजाणः॥ ल्याठेपकडीअरकोन
हीः॥ जूंश्रज्यास्तुतमहैराणः॥ जदिफेरिक
वरीजीबोल्यो॥ दोहा सावतस्हरश्रजाणवा
हः॥ रजधणीरजहृतः॥ ज्योनेदीजेवापमाः॥
नाहरस्हरकहंत॥ दोहा वेलकवरजीदोहो
कह्योअबकेवरस्याअपछराः॥ लेस्यासर
गबिवाणः॥ जीत्याजुगमेजसबधेः॥ वेस्यंध
स्हरमराणः। फेरीकवरजीदोहाकह्यो॥ दोहा
डीहभीसावतस्हरिवांः। ईपसबातणजराव

231 पाछाकेरनवाकुंडे ॥ लोगेबदोलादाव ॥ ज
॥११५॥ दिअजाणवाह्साधंतबोल्यो: ॥ दोहा ॥ अवेता
जाशेहकालिस्यां: ॥ रजमोरष्याआजि: प
त्तुघणांहीमारियाः ॥ महांस्तुजासीभाजि
जदिकरजीबोल्पा: ॥ दोहा ॥ ज्पाहकीलोहज
लोटिगया ॥ बाहकाकेराबषाए: ॥ भागपा।
जातांम्हेस्तुरणपा: ॥ जुधमांहीजोधाए: ॥ ज
दीअनंगपालसावंतबोल्यो: ॥ दोहा बडाब
डीकीप्रथमी: ॥ एकस्तुएकअपार: ॥ गरबज
तोबोल्पानहीं: ॥ देषाम्हाकामार: ॥ जदिक
वरजीबोल्या: ॥ दोहा एकेस्हरांजेपेरे: ॥ एकछा
हणीदलचढंत: ॥ जाणीकघटाजशेद्रकी
आशेकोपिअनंत: ॥ जदीमावास्तुरासात्र।
तांबाहीया: ॥ ज्पुलेगडीपवनठंडंत: ॥ आरो
मदाभारवकु: ॥ जीमेजोधाअसकदंत: ॥ जी
दीबीरसणबोल्या ॥ दोहा ॥ रजपूतांरजपूतको ॥११५॥

जीठेनीजरिपडंतः॥जीठेस्तुरसाढ़ंत।भीडेः।दो
स्तुंधारवहंतः॥जदिकवरजीबोल्याः॥दोहा
स्तुणाजसारागकुरोः॥बेद्पुराणकहंतः।श्रोग
श्रसाजदेहोइगयाः।सावतस्हरश्रनंतः।दोहा
गजजवाषीइद्रगहैः॥भसतगीमणीभवंगः।के
हरिनपल्पातासहीः॥रणासधिसीयुचढंतः।ज
दीसांनसेनिबोल्याः दोहा॥मीलेजसारास्ह
रीवांः॥भेलाहोइजेपासाथिः बेहेकटारीसा
कडीः।जेठेदेषेरजपुतोकाहाथः॥जदिकव
रजीबोल्याः दोहा। भारथबणाजमांडिस्याः।
कारस्याराडिश्रनंतः।उँवेपोरिसदेषिस्याः।क
रस्यांसाडिश्रनंत।साराहीकोतंतः।जस्सिनीप
तिसावंतबोल्या दोहा।जीठेजुधभारथपडेः॥
मीलेजराजाबाणांरावः॥श्रान्हांसान्हाश्राभि
डेजीवेदेषोरजपुताकाहाथः॥जदिकवजी
बोल्यासिंहजपकडेहाथस्तु॥मनिबोदीको

॥२२४॥ 233 डीमार॥ सो सरसारा आडीसी:॥ अपणी वार: ज
दी कुरमसा वेंन बोल्या:॥ दोहा॥ साहसुता अर
राजकवरि॥ दैये चढीजनचव:॥ उतरी आचो कव
रजी:॥ यामें की स्यायकदाव॥ जदिकवरजी
हाथीका होदा सुं उतरि अर उमरांवां कै नै आ
या॥ अर सालंग्या राजा की कवरि॥ अर सारा
रणवास हाथी का होदासुं तमासादियै छै॥ उम
रावां सारां का काजो डी करि:॥ अर करोल लेकु
कमजीया:॥ तुना हरस्तु रै नै उठा डील्याव॥ ज
दी करोल चोकी हालां नै सावधान कीया:॥ ज
दी नाहरस्तु रीवां नै उठाया:॥ अर उसकारता
डी उठ्या:॥ अर साचंत सुरिवां कवजी दीसा
नै आया:॥ अर सलाम करी॥ अर नाहरस्तु
वा थ्या पड्या॥ अर एक उमराव दोय दोडी ना
हरां नै पछाड्या:॥ अर टांग चीरी कवरजी क
नै आयनाख्या:॥ अर केताएक माथा सुं माथा ॥२२५॥

ग्याः॥ जदिकवरजीसाराउमरांवांका हाथचु 234
म्या॥ सगलांनेघोडाहाथीपालिकीसुनसुब
बधायो॥ अरमोहिसुरातनबबकस्याः॥ अरसोरे
रणवासिनीछरावलिकरीः॥ अरकवरजीक
ह्योमाराहीकोभरोसोपड्यो॥ अबआपासुंलो
हकरिबावालोकोनही॥ जदिमाराहीहाथजो
डिसलामकरी॥ अरकह्योरपूताकीतोषा
तीलडिबाहीकीछैः॥ अररजपूतमरिबामा
सिद्यास्युंउरपिसीतो॥ तीनलोकमेजायगान
हीः॥ अररजपूतांनेगटकोठाभारथमेहका
लीजे॥ जदिकवरजीकहीथांकोतोमहांनेभ
रोसोहीछै॥ अरकवरजीहाथीकेहोदेबैगा
अरउमरांवांसाराचढिभारह्या॥ जदिचंद
सेणसावंतबोल्या॥ दोहा फोजांकहेरणवास
लेः। देषणरजपूतकादावः॥ जाणिकलंकाउप
रैः॥ चढीयाकुरमरावः। बेलेउसेराकव्या॥ दोहा

||११५|| सावतसरकौनेश्रसा:||जुधजीतणजमराण:||क
235 ढ़संपतिमदब्रह्मि:||जाणिकाउरेपोभान:||योदोहा
सुणिचंद्रसेणनेघाडोसीरोपाव्रकवनेबकस्यो
श्ररचाल्पाबागिश्रायाा||श्ररउमराव्रमाराबीर
छितलेपाव्या:||श्ररकवजीमारारणवास||चा
वाचंदणश्रबीरगुलालकेसरी:सुंकोतुहल
करछै:||सारीकवरजीमांहेनोषेछै||श्ररकव
रजीमारीवाहउपरिनोषेछै||श्रबेश्रागकाबी
रछीमेंकोडीलबोली:||जद्दिकवरजीमालंगपा
नेबुझी:||याहपेछीकाडीभाषाबोलेछै:||जदि
सालंगपाजुवाबदीया:दोहा बीदोसुनीकी
कुशी||देषादडीतणोंबिचार:||कवरश्रमरक
लिमकुवो||प्रगटिकुंससारि:||महाराजिकव
रजीयानोश्रापबडीकेलछै:दोहा||कुलसु
करडीकुडी:||करिछत्रीसुपार||डीहकेपुत्र
जडीकडीसी:||जीहनेकथीसीसबसंसार:||याह ||११५||

मा हैने कहै छै:॥ अरवडी राणी नै याह कहै छै:
दो सुकुल छै उजला:॥ छै पति भरता नारि:॥
कवर अपणै नै जी हत जिद्दशी: । वा:ह मा रंवा
मै सी सदरी ॥ अद्या वडी राणी विशी कहै छै:
दोहा ॥ परणी जल्या यो पार की:॥ जी उपरी क
वर जधा स्यो बत ॥ तुरत भरो मो नांप डो:। नी
वडीयां नी रत:॥ अर याह रतन कव विशे क
है छै:॥ अर अद्यां सारी विशी कहै छै दोहा क
वर कहा सी मही पती:॥ वोषसारा दीसु प्यार
ज्या किनरा भड नी पजै:॥ या भै राज कवार:॥
याह सारी रा एपा विशी कहै छै:॥ जदि कवर जी
को इ लनै दोहो कह्यो दोहा॥ पंछी कुण पढाइ
यो:॥ अगम नीगम की रीती॥ इसो ज को इ अै
र छै॥ या रतु चाले जी ती:॥ जदि कोइ ल वाली
दोहा कवर प्रथवी उपरै॥ पंछी अनंत अपार:।
छह महीनां की आ गिली:। सारी कहै वीचा

॥११५॥ रि॥ जदिकवरजी आतरोवहीवुझी:॥ कोईक
237.
लीमैकामणी:॥ जुगकीमोहणहार॥ आग
मनीगमदोन्तुकेहे:॥ कोईआसडीनारि:
रीरुपीवमोत्द्योपारको॥ जदिकोशीलवाली
कउरकेनेयोंरहे:॥ चव्याकीसीरहारि:॥
रुहपीवमोत्द्योपारको:॥ शीसीनडजीनारि:
जदिकोशीलदोदोस्तुणिआरसालंगपाबा
ली दोहा॥ रुहपीवमोत्द्योयकहे:॥ जाणेस
मबसंसार:॥ तुनेजाणेकोनही:॥ पछीकी
याअपार:॥ जदिकोशीलबोली:॥ दोहा॥ रुह
पंछीबनमैरहा॥ म्होकेपुरिषअपार:॥ तुपति
भरताकामिणी:॥ क्याहैनेकुशीपुवार:॥ ज
दीमालंगपाबोली:॥ दोहा॥ पहलोताचतोन
ही:॥ जाणुनहीवीचार:॥ जोबनआमान्तुम
नवद्यो॥ जीकुकुशीपुवार:॥ जदिकोशी
लफीरवाली:॥ जोबनमांच्योमन डीरपा: ॥११६॥

238

जीहकोगहवीचारः॥जीस्तुकीजशीतडीः॥लेज्या
षरषंडापारः॥जदीमालंग्यापेरीबोलीः दोहा
ऊंचीपदझीपाईसांः॥अरहस्यात्रटकमका
रिः॥कंतकरयाजोराजझीः॥महापतीसंुसीर
दारः॥जदिकोशीलपेरीबोलीः॥दोहा बडी।
कहासीजातिस्तु। नीचऊंचेदेषिनारिः।कंतत
जिकीयाराजशी। जाणीज्नुगसंसारिः। याहा।
दोहाकेहेअरकोशीलतोबोलीहोयरहीः।
जदिकवरजीसालंग्पोनबुझीः। अरदोहाक
ह्यो।दोहा। कोशीलतासाचीकहीः॥कीझी
बहोतबिचारिः॥आपोताजाहरकुवोः।दो
न्युज्नुगसंसारः॥जदिमालंग्पादोहाकहो
जोबनसबज्तुगमोह्यियाः॥याहकामतणा
करतारः। आपोहीकीकहांचली।मुनीत
पसीश्रोतारः।जदिस्तुजाणीदोहाकह्या॥
पोतुंसायरऊंभला। जदीपालीनवंधीराजि

॥१७॥ जदिकवरजीबोल्या: दोहा ॥ सुजाणीतोसा।
239
चीकही। जाणेवदोतबेवक। वरमलष्याछा
भावनी: जीसुचढीयोछक: ॥वात॥ सुजाणी
याहवातम्हजाणीरकहीछी: ॥ अतरामोही
रसोझीकेदरोगेकही ॥ महाराजिरसोझेतयार
कुशीछे: ॥ जदिकवरजीकहीछे ॥ साराउमरावा
लोगबागामेआया जीदीकवरजीसाराके
बीचीआणिवया: ॥ पहैलोतासारारणवा
सनेवांसोषिदायो ॥ पाछेसाराउमरावांने
सारालोगबागानेजीमाया ॥ अरगोठिव
होनरसिआछी ॥ जदीनगारचीकह्यो दोहा
गाठीकरीसदेवछी: ॥ छपनकुचाभोगा: जी
मीरसवतरपतीकुवा ॥ राजाराणांलोगा: ॥
जीवापाछेतीजाराकोवषतकुवो: ॥ जदि
असवारीसारीचढीउभारह्या: जदिनगा
रचीदोहोकह्यो दोहा ॥ सावतम्हरअजाण ॥१७॥

वाहः। चढीया अनंत अपारः॥ जाणिकसांवन 240
ते रूपाः॥ दलवादल लीयालारीः॥ अरघां
नेचाल्याः। फोजसारी घटा टोप कुडी आवेछै
अरसहरमे आयाः॥ जद्दि एक साकुम्भार की
बेटीः॥ अरबेटाकी बकु॥ हो सुं चापडी घैलेछी
फोजनै आशीदेषी अरननणदने। भोजाइदा
हो कह्यो दोहा॥ भाभी आया कवर हमाल ही
वेगीकरो अलाजः॥ लेजासीरउचकोदीः सुं
तीतरनै बाजः॥ जद्दि भोजाइ ननणदनै जुवा
बदेछै दोहा॥ येरभरोसै आरकेः॥ महानेक
हारबी चार॥ कुं पतिभरता कामीणी॥ सुंघा
डाकीधारः॥ जद्दि बलेननणदहदोहा कहेछैः॥
सालंगपाछीसाहकीः॥ सरांकी सीरदारीः।
नेनमील्या मनमीली गयाः॥ कंत तजी कुंवा
जेलारः॥ जद्दि भाभीफेरिदोहा कह्यो॥ दोहा
सालंगपा कुललाजः। तजिगइ जमारो हरि

॥११८॥ इसीजम्हांनेमोतीगीणुः वाशीकहोविचारि॥ अं
241 तरामाहीकवरजीकाहाथीफेरापांमाहीहा॥
राधाराधा थीतैलेआणिनीसरयाः॥ जदिसाकुंकारकी
फिसाहि वेटीबोली॥ दोहा॥ थरपीताकुंश्तनीः॥ दिष्या
१५८ हीकोचाव॥ जोपांचांमेपतिदीयाः॥ वासैछे
म्हांकेराव॥ जदिकवरजीदोहोकह्यो॥ दो०
एकजमालंगपासुंलीयीयाः॥ बहविधाता
अंकः॥ म्हरपितासंसारकाः॥ मतिमानोकोइ
संक॥ जदिसाकुंकारकाबेटाकीबकुदे
होकह्यो॥ दोहा॥ थरकहोवामहपतीः॥ थांका
सबआधीनः॥ कवरबीरांणीकामणीः॥ तीज
नांहीछीनीः॥ जदिकवरजीफेरिबोल्या॥ दोहा
एकसालंगपाकेल्यायेवै॥ सपलाकीयावीचा
रः॥ धुघटषोल्लामुषहसाः॥ देषाचावजनारि
जदिसाहकाबेटाकीबकुदेसमकहेछे॥ दो
हा॥ बहविधाताभाविनीःमल्याबहोतअंकुरः॥ ॥११८॥

सैर्देवीरछीतैमैंतीनगुणः ॥ हातास्तुरूसरूरः ॥ अ 242
दिकवरजी रोहैसुणिआगैनेचाल्याः ॥ नग
रभोजाईनेदोहोकहैछै दोहा कोईसंकमा
न्तुनहीः ॥ कहोकवरैनवाजि ॥ पतिभरतातुकाम
णीदेषीभाभीआजि ॥ जदिभाभीनणदैनेकहे
छै ॥ दोहा एकजकतांकंतहींयाः ॥ जीहकोजीव
सरीरः ॥ कुछुंनीरमलकामीणीः ॥ महारैसग
लावीरः ॥ जीदीकवरजी चाहटामेआयाः जे
वे ॥ चिंतामणीसेठकीहवेलीछीः ॥ जीहकारू
पषांमैसाकुकारकाबटाकीवकुदोशीवतलावे
छी ॥ जदीकवरजीनेआवतोदेषिअरगुढोक
ह्यो ॥ गुढो घरिपतीबाहुणाउपरीचंढेः ॥ जेकी
याअपभरतारः ॥ घरपतीबाहरगातासपतिः ल्या
यांषलीसीकारः ॥ जदीजीछाणीह्योराणीनेक
हैछै ॥ घरपितराहणाचहणकीः ॥ अपतिपति
कोहास ॥ रूसतुतथारेआपीयाः ॥ करीसालं

243 ग्याकीहोमः॥जदिफेरिच्योराणीहोहाकह्यो
॥१२९॥ मैतोसमीकरिबुझीयाः॥थमान्यारकुभावः म
होकैपतिछैसाहकवरः॥कुणरागोणकुणारा
जदिजीराणीफेरिबोली दोहा॥इतनांसुनहो
आसंवगोः॥भूपतिकेहरिनामः॥त्येपलापक
ड्रि पलकैमें॥जदिलोगकुलमेंदागः॥जदि
कवरजीदथ्योउभोराष्यो॥अदोहोहोकह्यो॥दो
हा॥ अवतोम्हांकीदलभरीः॥मदांघरिनारि
अनूपः॥ओमतिमानोकामीणी॥दीपलावे
मवरूपः॥जदिसाकुकारकोबेटाकीबहुबो
ली॥दोहा॥कवरकपमदांवेकीसोः॥म्हेछाम्न
सलिगवारीः॥थाकीदीलसाचीभरीः॥त्या
यासाहकावारिः॥जदीकवरजीदोहोक॥
ह्यो दोहा घरिघरिनारिअपछराः॥इहनरांमे
कारि॥ वेदपुराणअरपारसी॥पटीकोकाव्रपा
रा॥जदिसाकुकारकोबेटाकीबहुगुढोकरे ॥१२९॥

पवनसुतनापतीनासुरूपी॥नापतीकेउंणीहा
दि॥नापतिहरिसुतत्रगीवसे॥सोत्रापधरि
नारि॥जादिकवरजीसुणीत्रसचाल्या॥त्ररम
हैला त्रायो॥जदिरणवासतेमहैलायया॥
त्ररलोगवागानेधरांनेसौपदीकी॥मुजेराक
रिसौषमांगी॥जदीनगारचीबाल्या दोहा परि
पगतेमांडेनदी॥तुसुंहरदानासर॥सदैवकी
कावरकी॥जसीसमदीलहरी॥जदीनीगार
चीनेधोडेसीरोपावदेरसौपदीकी॥कावरजी
महैलांमांहिपधार्‌या॥जदिसुजाणीचंद्राय
णीकह्यो॥चंद्रायणो नाहरसुरसवमारीया॥
त्ररिसारांदीनेजीतीहीतुठेबारिया॥कीयासु
फलसोकामक॥मोवासुषचैनमे॥परिहांत्रं
गसुत्रंगमीलाडीक॥त्रपियारंगमे॥जदीक
वरजीपोढ्या॥त्ररदोहोकह्यो॥दोहा सुपका
रागीलयायासाहकवरि॥जुगजादरफुवाना

245 वः॥ छोटीहीसी श्रोमता॥ मैकीयावखणराकांम
॥२८९॥ जहिसालंयपाहोहाकह्यो दोहा तेपजसरजचं
द्रहीः॥ धरती श्ररनवखंडः॥ जीतनेवातरहेसी
रवुः॥ तीनलोकब्रह्मंडः॥ जहिसुजाणीचं
द्रायणीकह्यो॥ चंद्रायण॥ रहसीजुगजुग
वातकजोधजसराणकीः॥ सुणीसीराजारा
वकराणीराणकीः॥ करीसीबहोतसीराहकः
सावतमरीवाः॥ परिहाश्ररबचलरहोयाजोड
कभागभरीपूरीयाः॥ बलेसुजाणीदोहाकहे
॥दोहा॥ नावरीघुकलीमिरहे॥ शीतनाकह्या
विचारः॥ कोहेतानीकीकहेबुरीः॥ परगटकु
वासेमारीः॥ बलेसुजाणीकहेछेः॥ दोहा॥
शेहछीबटीसाहकीः॥ याहराजाकोलालः
झीसोयाहगुणप्रगटकीयाः॥ सोजीवाचीरका
लः॥ सावहसीरीपरीखापीकरीः॥ सुरसीतीली
यामीलाझीः॥ गुरकीश्ररपामानिकरिः॥ प्रगट ॥२९०॥

246

कीयो कविराइ्‌ः ॥ सैदेब्रीरछी सालंग्पात यौं ॥
गुण कहीयेस्तुपार ॥ स्तुरसेगुण प्रगटकी
अमरकुचीसंसारः ॥ कवित ॥ कुबुधिघटे ॥ बुधि
वधैः ॥ बधैरतीमनमालः ॥ अरथकरैअनरथत
जैः समकतज्ञानअज्ञानः ॥ दोहा पैहलेगुण
सीषेसुणेः ॥ होइनरचत्रसुजाणः ॥ स्तुरसेणी
गुणप्रगटकीयाः ॥ पायोहानसनमान ॥ ० ॥ क
वितः ॥ चंद्रायणं ॥ गाहा ॥ गुढा ॥ अगोचराः ॥
मधअगोचराः ॥ धुरअंषिराहोहाः ॥ सातसेइ
कावनः ॥ बारतासीवाययेकहजार ॥ १०७०
संपुरणहजार ॥ २००० ॥ अंकेसातसेइवयाव
नः ॥ परमपरकीकाबीः ॥ येहकविजनकहो
बीचारिः ॥ भावघटीबीधीसमझैनहीः ॥ ज्यो
सुधरसुधारिः ॥ वारता ॥ रसकीबातसुपारक
रीः ॥ बीझेचत्रसुजाणः ॥ पावैसुषकंपैसत्रुही
साहंदीवातकःस्तुधेरमनभावहीः ॥ मीती

॥१२१॥ वैठेमबयारकः॥ रसउेपजावहीः॥ परिहांदाता
247 स्रसपूतकलंकगुणलावहीः॥ बालकस्त्रा
जाणमुदस्त्रियकेहाथीदीजेनहीः॥ चेतक
रीराषेबीरः॥ कागदकेकांमेंहेः॥ जाकेतेल
दीपकसुंः॥ कसारीस्तुंराषेडरः॥ रनिदोसदी
यमांहीः॥ स्त्राकसत्राखुजामेंहेः॥ समभीसी
षपटीबकेोः॥ रचेयांहेः॥ सींगाररसीः॥ हासीको
नकामयेहः॥ लागतग्रंथदामेंहेः॥ २॥ बांचि
बउेनारीबकीकीजेनाहीः॥ स्त्रागमनः॥ मा
युकेएहबीचारीलेकुः॥ जाकीजानेसीताराम
हेः॥ दोहा धनीधनीराजासारिवाहणासदेव्र
छीराजकवारः॥ झीसानकोझीदोझीसीःसुर
वीरदातारः॥ दोहा धनिधनिनगरीसाह॥ यह
सुंसोभासहरकीः॥ सोहेसाहकीनारीः॥ दो०
धनिधनिस्त्ररजपाहकथीः॥ रंगरसगुणकीषा
नीः॥ स्त्रागपात्रिभवननाथकीः॥ कबीजनकी ॥१२१॥

श्रीनिधांनि:॥दोहा धनिसालंग्पासाहकी:॥
पतित्तजिम्प्राशेलार:॥लिष्योलिषकहोकंु
मिटैः॥जाणेसबसंसार:दोहा॥राजासाह
सबेबैठीकरि॥जुगमेथरीजगीस:॥मह्मैको
थ्यांकोबसनही॥लीपीदीयाजगदीस:॥१॥

॥श्रीती श्रीसदेब्रछीसालंग्पाकीबारनासे
श्रणे॥संवत १९०४ शाके १७।प५।॥प्रवतमा
नेमासानांमासोतमेमासेकार्तिकमासे
शुभेकृस्नपछे पुनतिथौ ४ बुधवारशुभं
भवतु॥इदंपुस्तकंलीषायतं॥श्रस्यश्री
धर्मस्तुरतीगोब्राह्मणप्रतिपालकसाही।
श्रीचोधरीबीरजल्लालजीशुभं॥लीषतं
सुभचिंतभटचुंनीलालराजगढमध्ये
लीषीबांचेजनिजाथाजोगप॥ ४४४४

248

पपुस्तक
सुदेब्र
छी

॥श्रीरामजी

१२२ रांगाषमापचौ

249 रांगाःषमापचौः पैरीईनवसीमैकामलकीनाः
टेकर्णगाल्लीपनगोरथारीआपेनीरषरहैउ
नैनाः १ वरजनहीनरजपौनईमानौवहताअही
नमनकीना॥२॥ इपछकोवो...
इपछकीकेगोरथरन॥२॥ मोहिनरा
रनमैन॥ रागाषमापचोपैरीईनवन
सिमैंझामलन्द्रीनाःटेकुः झीनगालिपनी॥
यारीआपेनिरषरहैहोनंना छालुलालुडातां॥
संमाप्तिमिति ९८९९

श्रीरामजी

...

438

